हिन्दी दैनिक/डिजिटल

स्टार एक्सप्रेस

सोच..... बदलते भारत की

www.starexpress.news

संक्षिप्त समाचार

आप विधायक सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाला

(एजेंसी) नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक सौरभ भारद्वाज और आतिशी ने शुक्रवार को अपने-अपने विभागों का कार्यभार संभाला। दिल्ली के उपराज्यपाल वी. के.सक्सेना ने बृहस्पतिवार को दोनों को मंत्री पद की शपथ दिलाई थी। आतिशी को शिक्षा, लोकनिर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी), विद्युत और पर्यटन विभाग का कार्यभार दिया जाएगा, जबकि भारद्वाज स्वास्थ्य, शहरी विकास, जल और उद्योग विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे।

कविता की जंतर मंतर पर भूख हड़ताल में कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि शामिल

(एजेंसी) नई दिल्ली। दिल्ली में जंतर मंतर पर भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की विधान परिषद सदस्य के. कविता अपनी संस्था भारत जागृति मंच के तहत भूख हड़ताल कर रही हैं। भूख हड़ताल में कई राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया है। कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया (मार्क्सवादी) के राष्ट्रीय महासचिव सीताराम येचुरी ने भूख हड़ताल का शुभारंभ किया। गौरतलब है कि के. कविता ने गुरुवार को दिल्ली में एक प्रेस प्रेस कॉन्फ्रेंस कर जंतर मंतर पर भूख हड़ताल की जानकारी दी थी, और बीआरएस की तरफ से यह भी कहा गया कि उन्हें आप के संजय सिंह और चित्रा सरवारा, शिवसेना- प्रतिनिधिमंडल, अकाली दल- नरेश गुजराल सहित कई राजनीतिक दलों से शामिल होने की पुष्टि मिली है।

वडोदरा चिड़ियाघर में दरियाई घोड़े ने किया हमलाय क्यूरेटर घायल

(एजेंसी) वडोदरा। गुजरात के वडोदरा शहर में एक चिड़ियाघर में क्यूरेटर और सुरक्षा पर्यवेक्षक पर एक दरियाई घोड़े ने हमला कर दिया, जिससे वे गंभीर रूप से घायल हो गए। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दोनों का इलाज चल रहा है। सुरक्षा पर्यवेक्षक की हालत गंभीर है। वडोदरा के नगर आयुक्त बी. एन. पाणि ने बताया कि घटना शाम के समय हुई जब सयाजी बाग चिड़ियाघर के क्यूरेटर जानवरों की नियमित जांच के लिए दरियाई घोड़े के बाड़े में गए थे। तभी जानवर ने क्यूरेटर प्रत्युष पाटणकर और सुरक्षा पर्यवेक्षक ईथाप रोहिदास पर हमला कर दिया।

बिहार विधानपरिषद चुनाव के लिए बीजेपी के 4 उम्मीदवार घोषित, 31 मार्च को होने हैं मतदान

(एजेंसी) पटना। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने बिहार विधान परिषद के द्विवार्षिक चुनाव में तीन सीटों और एक सीट के उपचुनाव के लिए शुक्रवार को उम्मीदवारों की घोषणा कर दी। पार्टी के महासचिव अरुण सिंह ने यहां बताया कि भाजपा केंद्रीय चुनाव समिति ने बिहार विधान परिषद की सारण स्नातक सीट से डॉ. महाचंद्र प्रसाद सिंह, गया स्नातक सीट से अवधेश नारायण सिंह और कोशी शिक्षक सीट से रंजन कुमार को टिकट देने का फैसला किया है। बिहार विधान परिषद की सारण शिक्षक सीट के उपचुनाव में भाजपा ने धर्मेंद्र सिंह को प्रत्याशी बनाने की घोषणा की है। वहीं बिहार विधान परिषद की चार सीटों के लिए द्विवार्षिक चुनाव और एक सदस्य की मृत्यु के कारण एक अन्य निर्वाचन क्षेत्र के लिए उपचुनाव 31 मार्च को होने हैं।

यूपी कैबिनेट में 21 प्रस्ताव पास

पहली खेल नीति मंजूर, बाराबंकी में आईटी पार्क बनेगा, ओबीसी अयोग की रिपोर्ट स्वीकार की

❑ अयोध्या के 63 पौराणिक कुंडों को पर्यटन स्थल के तौर पर विकसित करने की योजना

(संवाददाता)

लखनऊ । यूपी सरकार की कैबिनेट बैठक सीएम योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में हुई। इसमें 22 प्रस्ताव कैबिनेट में रखे गए, जिनमें से 21 पास हुए। यूपी सरकार की पहली खेल नीति को कैबिनेट ने मंजूरी दी है। बाराबंकी में आईटी पार्क बनाया जाएगा। यूपी सरकार ने स्क्रैप पॉलिसी 2023-24 को भी हरी झंडी दिखा दी है।ओबीसी अयोग ने जो रिपोर्ट गुरुवार को सीएम योगी को सौंपी थी, उसको शुक्रवार को कैबिनेट के समक्ष पेश किया गया।

कैबिनेट ने रिपोर्ट को स्वीकार कर लिया है। 11 अप्रैल को यह रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में पेश होगी। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक प्रदेश में निकाय चुनाव पर फैसला लिया जाएगा। आयुष्मान कार्ड डिजिटल मिशन को उत्तर प्रदेश में लागू करने का निर्णय लिया गया है। वहीं, नई खेल नीति के तहत गांवों में ओपन जिम खुलवाए जाएंगे। खेल व खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया जाएगा। पर्यटन और औद्योगिक विकास के प्रस्ताव भी पास हुए हैं। कैबिनेट ने मुफ्त राशन नीति के लिए एक नई एजेंसी का चयन किया है। यह पूरा राशन उपलब्ध कराएगी। गृह विभाग के प्रस्ताव में गुंडा एक्ट धारा दो और धारा 6ए की कार्रवाई क्ड, एडीएम, जॉइंट सीपी, सीपी को दिया गया है। कैबिनेट मंत्री एके शर्मा ने बताया कि बाराबंकी में आईटी पार्क विकसित किया जाएगा। माइक्रो और स्मॉल इंडस्ट्री की कताई मिलों पर 51.63 करोड़ की देनदारी है। इसमें 29.5 करोड़ की देनदारी सरकार ने माफकी है। इसमें 22.14 लाख करोड़ की देनदारी सरकार चुकता करेगी। अयोध्या में इन्फ्रास्ट्रक्चर विकास के कई प्रस्ताव पास हुए हैं।

अयोध्या में 65 करोड़ से 2 नई सड़क बनेंगी। पंचकोशी परिक्रमा मार्ग का चौड़ीकरण और विस्तार होगा। इसके लिए 200 करोड़ पास किए गए। अयोध्या के डेवलपमेंट के लिए कुल 465 करोड़ पास किए गए हैं। बैठक में शामिल होने से पहले डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा कि विपक्ष की आपस की खींचतान कुर्सी के लिए है।

मनीष सिसोदिया को नहीं मिली राहत

17 मार्च तक ईडी की रिमांड पर भेजे गए

❑ ईडी का बड़ा दावा, शराब घोटाले के सबूत मिटाने को सिसोदिया ने तोड़े 14 फोन

(एजेंसी)

नई दिल्ली। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया को राउज एवेन्यू कोर्ट ने सात दिनों के लिए ईडी की कस्टडी में भेज दिया है। कोर्ट के आदेश के बाद अब 17 मार्च तक सिसोदिया ईडी की रिमांड पर रहेंगे। दिल्ली के पूर्व उप मुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया की राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई शुरू होते ही ईडी ने 10 दिनों की रिमांड मांगी थी, लेकिन कोर्ट ने सात दिनों की कस्टडी में भेजने का फैसला लिया। सुनवाई के दौरान कोर्ट से ईडी ने कहा कि आबकारी नीति तैयार करने के पीछे साजिश थी। ईडी ने दिल्ली कोर्ट को बताया कि साजिश विजय नायर ने अन्य लोगों के साथ मिलकर की थी और आबकारी नीति थोक विक्रेताओं के लिए असाधारण लाभ मार्जिन के लिए लाई गई थी। शराब नीति में 12 फीसदी का लाभ पहुंचाया गया है। ऐसे में सिसोदिया से पूछताछ के लिए रिमांड जरूरी है। प्रवर्तन निदेशालय ने विजय नायर और के कविता (बीआरएस एमएलसी) के बीच बैठक के बारे में दिल्ली की अदालत को अवगत कराया। ईडी ने दिल्ली कोर्ट को बताया कि जीओएम बैठक में निजी संस्थाओं को थोक लाभ मार्जिन के 12: के

मार्जिन पर कभी चर्चा नहीं की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने विजय नायर और के कविता (बीआरएस एमएलसी) के बीच बैठक के बारे में दिल्ली की अदालत को अवगत कराया। ईडी ने कहा कि आरोपी बुचिबाबू गोरंटला ने खुलासा किया कि तत्कालीन उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और के कविता के बीच राजनीतिक समझ थी, जो विजय नायर से भी मिले थे। बुच्चीबाबू के कविता के पूर्व ऑडिटर हैं और फिलहाल जमानत पर हैं। ईडी ने कोर्ट में कहा कि के कविता और मनीष सिसोदिया संपर्क में थे। विजय नायर ने बिचौलिए का काम किया। ईडी ने के कविता और विजय नायर की व्हाट्सएप चौट का हवाला देते हुए कहा कि के कविता ने विजय नायर से मुलाकात की थी, दोनों के बीच बातचीत हुई थी। साउथ लॉबी ने आप नेताओं को 100 करोड़ रुपए दिए। कुछ कंपनियों को भारी फायदा पहुंचाने की साजिश थी। शराब घोटाले मामले में मनीष सिसोदिया की हिरासत की मांग करते हुए ईडी के वकील ने कहा कि सबूत मिटाने के लिए एक साल के अंदर 14 फोन तोड़े या बदले जा चुके हैं। मनीष सिसोदिया ने दूसरों द्वारा खरीदे गए फोन और सिम कार्ड (जो उनके नाम पर नहीं हैं) का इस्तेमाल किया है ताकि बाद में वह इसे बचाव के रूप में इस्तेमाल कर सकें। यहां तक ध्क्कि उनके द्वारा इस्तेमाल किया गया फोन भी उनके नाम पर नहीं है। मनीष सिसोदिया के वकील ने सुनवाई के दौरान कहा कि, अब कहा जा रहा है विजय नायर सिसोदिया के लिए काम कर रहा था। पीएमएलए बेहद सख्त कानून हैं।

पीएम मोदी 18 मार्च को भारत-बांग्लादेश के बीच पहली तेल पाइपलाइन का करेंगे उद्घाटन, 2020 में शुरू हुई थी परियोजना

(एजेंसी)

नई दिल्ली। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और बांग्लादेश की उनकी समकक्ष शेख हसीना दोनों देशों के बीच पहली सीमापार तेल पाइपलाइन का संयुक्त रूप से 18 मार्च को उद्घाटन करेंगे। दोनों नेता वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए इस पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे।

बांग्लादेश के विदेश मंत्री ए के अब्दुल मोमेन ने बताया कि इस पाइपलाइन के माध्यम से यहां डीजल लाया जाएगा। बांग्लादेश की आधिकारिक समाचार एजेंसी बीएसएस के अनुसार मोमेन ने एक संवाददाता सम्मेलन में बृहस्पतिवार को कहा, दोनों नेता 18 मार्च को (वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से) पाइपलाइन का उद्घाटन करेंगे। रिपोर्ट में बांग्लादेश पेट्रोलियम कॉरपोरेशन के अधिकारियों के हवाले

से बताया कि 130 किलोमीटर लंबे भारत-बांग्लादेश मैत्री पाइपलाइन (आईबीएफ्मी) का उपयोग करके भारत बांग्लादेश को डीजल का निर्यात करेगा। भारत की ऋण सहायता से इस पाइपलाइन को लगभग 3.46 अरब रुपये में तैयार किया गया है। मोमेन ने कहा, यह अच्छी खबर है कि भारत हमें डीजल देगा। पाइपलाइन तैयार हो गई है। समाचार पोर्टल बीडीन्यूज के अनुसार, भारत से पाइपलाइन के माध्यम से डीजल आयात करने के लिए 2017 में एक दीर्घावधि समझौता हुआ था।

पोस्ट बजट पर हुआ वेबिनार का अयोजन

पिछले 9 वर्षों में देश महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दृष्टि से आगे बढ़ा : पीएम

(एजेंसी)

नई दिल्ली। महिलाओं के आर्थिक सशक्तिकरण पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय ने शुक्रवार को पोस्ट बजट वेबिनार का अयोजन किया। इस वेबिनार का उद्देश्य महिलाओं के स्वामित्व और नेतृत्व वाले व्यावसायिक उद्यमों के सतत विकास के लिए मंथन और मार्ग तैयार करना है। साथ ही केंद्रीय बजट 2023-24 में की गई घोषणा के कार्यान्वयन के लिए एक रणनीति और खाका विकसित करना है। सरकार द्वारा आयोजित 12 पोस्ट-बजट वेबिनार की श्रृंखला में यह 11वां है। प्रधानमंत्री मोदी ने इस वेबीनार को संबोधित करते हुए कहा देश इस साल के बजट को 2047

तक विकास भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक शुभ शुरूआत के रूप में देख रहा है। इस साल का बजट महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास के प्रयासों को एक नई गति देगा। महिला सशक्तिकरण के प्रयासों के परिणाम दिखाई दे रहे हैं और हम देश के सामाजिक जीवन में क्रांतिकारी बदलाव महसूस कर रहे हैं।उन्होंने कहा कि पीएम आवास ने महिलाओं को घर के आर्थिक फैसले लेने में एक नई आवाज दी है। पिछले 9 वर्षों में 7 करोड़ से अधिक महिलाएं स्वयं सहायता समूहों में शामिल हुई हैं। महिलाओं के सम्मान और समानता की भावना के स्तर को ऊपर उठाकर ही भारत आगे बढ़ सकता है। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रसन्नता व्यक्त की कि देश ने इस वर्ष के बजट को 2047 तक विकास भारत के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए एक शुभ शुरूआत के रूप में देखा है। बजट को भविष्य के अमृत काल के दृष्टिकोण से देखा और परखा गया है। यह देश के लिए शुभ संकेत है कि देश के नागरिक भी अगले 25 वर्षों को इन लक्ष्यों से जोड़कर देख रहे हैं। प्रधानमंत्री ने दोहराया कि पिछले 9 वर्षों में देश महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास की दृष्टि से आगे बढ़ा है। उन्होंने कहा कि भारत इन प्रयासों को वैश्विक मंच पर ले गया है क्योंकि भारत की अध्यक्षता में जी-20 बैठक में यह प्रमुखता से आ रहा है।

नौकरी के बदले जमीन 'घोटाला, लालू परिवार

राजद नेताओं के परिसरों पर ईडी की छापेमारी

(एजेंसी)

नई दिल्ली/पटना। पटना प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने 'नौकरी के बदले जमीन घोटाला मामले में धनशोधन की जांच के सिलसिले में शुक्रवार को बिहार के शहरों एवं कई अन्य जगहों पर छापेमारी की। छापेमारी बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद की तीन पुत्रियों और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेताओं के परिसरों में की गई। अधिकारियों ने कहा कि छापे पटना, फुलवारीशरीफ , दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर), रांची और मुंबई में लालू प्रसाद की बेटियों रागिनी यादव, चंदा यादव और हेमा यादव

और राजद के पूर्व विधायक अबू दोजाना से जुड़े परिसरों में मारे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह मामला, लालू प्रसाद के 2004 से 2009 के बीच रेल मंत्री के पद पर रहने के दौरान उनके परिवार को तोहफे में भूखंड प्राप्त होने या इसे बेचने के बदले में लोगों को रेलवे में कथित तौर पर नौकरी दिये जाने से संबद्ध है। अधिकारियों ने बताया कि केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने मामले में आपराधिक षड्यंत्र और भ्रष्टाचार रोकथाम कानून के प्रावधानों के तहत प्रसाद, उनकी पत्नी एवं बिहार की पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी और 14 अन्य के खिलाफ एक आरोपपत्र दाखिल किया है और सभी आरोपियों को 15 मार्च को तलब किया गया है। ईडी का मामला सीबीआई की शिकायत से उपजा है जिसे धनशोधन रोकथाम अधिनियम की आपराधिक धाराओं के तहत दर्ज किया गया है। इस मामले में सीबीआई ने हाल ही में राजद के नेता लालू प्रसाद और उनकी पत्नी राबड़ी देवी से पूछताछ की थी।

पंजाब विधानसभा में 2023-24 के लिए 1.96 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश

पंजाब के फाइनेंस मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने पेश किया बजट, कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर ध्यान

(एजेंसी)

चंडीगढ़ पंजाब के वित्त मंत्री हरपाल सिंह चीमा ने यहां विधानसभा में 2023-24 के लिए 1.96 लाख करोड़ रुपये का बजट पेश किया, जिसमें कृषि, शिक्षा और स्वास्थ्य क्षेत्रों पर ध्यान दिया गया है। विधानसभा में हरपाल चीमा ने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य और कृषि सरकार के लिए प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से हैं। राज्य के वित्त मंत्री ने कहा कि

2023-24 के लिए कुल बजट का आकार पिछले वर्ष की तुलना में 26 प्रतिशत बढ़ाकर 1,96,462 करोड़ रुपये कर दिया गया है। वर्ष 2023-24 में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण हेतु 4,781 करोड़ रुपये का बजटीय प्रावधान किया गया है, जो पिछले वर्ष 2022-23 की तुलना में 11 प्रतिशत अधिक है।'कपूरथला और होशियारपुर में क्रमशः 422 करोड़ रुपये और 412 करोड़ रुपये की लागत से 100-100 एमबीबीएस सीटों वाले दो नए मेडिकल कॉलेज स्थापित किए जा रहे हैं, जिनके डिजाइन को मंजूरी दे दी गई है और जल्द ही चालू होने की उम्मीद है। राजकीय मेडिकल कॉलेज, अमृतसर में 119 करोड़ रुपये की लागत से कैंसर रोगियों के लिए राज्य कैंसर संस्थान और 46 करोड़ रुपये की लागत से फाजिल्का में कैंसर केयर सेंटर जल्द ही शुरू होगा।'वर्ष 2023-24 में खेल अधोसंरचना के निर्माण, उन्नयन एवं सुदृढ़ीकरण हेतु 35 करोड़ रुपये की व्यवस्था प्रस्तावित है।

इसके अलावा, पीपीपी मोड के तहत विकसित करने के लिए 10 खेल बुनियादी ढांचा परियोजनाओं की पहचान की गई है और व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार की जा रही है।'राज्य में 11 नए महाविद्यालयों के निर्माण के लिए 2022-23 में 36 करोड़ रुपये पहले ही जारी किए जा चुके हैं। बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 68 करोड़ रुपये का बजटीय परिव्यय प्रस्तावित है। उर्दू अकादमी, मलेरकोटला के सुदृढ़ीकरण एवं उन्नयन के लिए आगामी वित्तीय वर्ष में 2 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित है।' पंजाब यंग एंटरप्रेन्योर प्रोग्राम 11वीं कक्षा के छात्रों को उनके मूल व्यावसायिक विचारों को प्रस्तावित करने के लिए प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है और सरकार द्वारा प्रति छात्र 2,000 रुपये की सीड मनी प्रदान करके इसका समर्थन किया जाएगा। यह स्टार्ट-अप कार्यक्रम छात्रों में वित्तीय और नेतृत्व कौशल विकसित करने के उद्देश्य से शुरू किया गया है, इस उद्देश्य के लिए 30 करोड़ रुपये का आवंटन प्रस्तावित है। चीमा ने कहा कि हमारी सरकार ने बागवानी उत्पादकों के लिए एक नई जोखिम शमन योजना यानी (भाव अंतर भुगतान योजना) शुरू करने का भी फैसला किया है। जब भी बाजार की कीमतों में एक निश्चित स्तर से ऊपर उतार-चढ़ाव होगा उस समय सरकार बागवानी उत्पादकों को सही पारिश्रमिक सुनिश्चित करने के लिए हस्तक्षेप करेगी। उन्होंने वित्त वर्ष 2023-24 में इस उद्देश्य के लिए 15 करोड़ रुपये के प्रारंभिक आवंटन का प्रस्ताव रखा। इसके अलावा, आगामी वित्तीय वर्ष में फूलों के बीज उत्पादन के माध्यम से विविधीकरण के लिए एक नई योजना भी लागू होगी।

संपादकीय

पूर्वोत्तर का उत्तर

पूर्वोत्तर के तीन राज्यों में विधानसभा चुनाव परिणाम भाजपा के लिये उत्साहवर्धक और कांग्रेस के लिये चिंता बढ़ाने वाले साबित हो रहे हैं। देश के लिये अच्छी बात यह है कि अब तक अलग-थलग पड़ा पूर्वोत्तर देश की मुख्यधारा के करीब आ रहा है। निस्संदेह, कभी वामपंथियों का गढ़ रहे त्रिपुरा में भाजपा की जीत चौंकाने वाली है, वहीं नगालैंड में फिर उसके गठबंधन की सरकार लौट रही है। इस राज्य में भाजपा ने पहली बार दहाई का आंकड़ा छुआ है। भाजपा जहां मजबूत रही वहां वह खुद सरकार बना रही है और जहां कमजोर है वहां छोटे दल के रूप में भूमिका स्वीकार कर ली है। मेघालय में वोट प्रतिशत बढ़ने को भाजपा अपनी कामयाबी बता रही है। कह सकते हैं कि पूर्वोत्तर को केंद्रीय एजेंडे में रखना भाजपा के लिये लाभदायक साबित हो सकता है। प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर के लगातार दर्जनों दौरों का असर भी चुनाव परिणामों पर नजर आ रहा है। प्रधानमंत्री पूर्वोत्तर को देश की मुख्यधारा में लाने के लिये कहते भी रहे हैं कि नॉर्थ ईस्ट न दिल्ली से दूर है और न ही दिल से दूर। बहरहाल, त्रिपुरा और नगालैंड में बीजेपी की सरकार बनना और मेघालय में सरकार बनाने में भूमिका की कोशिशें इस साल कुछ महत्वपूर्ण राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिये उर्वरा भूमि तैयार करती हैं। बहरहाल, त्रिपुरा में भाजपा व इंडिजिनस पीपल्स फ्रंट ऑफत्रिपुरा की सरकार बन रही है। मेघालय में उसकी कोशिश है कि पिछले गठबंधन के साथी रहे एनपीपी के साथ फिर से सरकार बना ली जाये। इस बाबत बातचीत के शुरुआती संकेत यही बताते हैं। वहीं नगालैंड में भाजपा एनडीपीपी के साथ सरकार बना रही है। पहली बार बारह सीटें जीतकर भाजपा ने बताया है कि उसका जनाधार बढ़ रहा है। नगालैंड व मेघालय में भाजपा को सत्ता में छोटा साझीदार बनने में कोई परहेज नहीं है। दरअसल, भाजपा की सारी रणनीतियां 2024 के महासमर के दृष्टिगत केंद्रित हो चली हैं। त्रिपुरा में कामयाबी खुद भाजपा के लिये भी चौंकाने वाली है क्योंकि पहली बार दो विरोधी ध्रुव कांग्रेस व वामदल मिलकर चुनाव लड़े थे। वहीं दूसरी ओर अलग स्टेट की मांग कर रही टिपरा मोर्था से भाजपा गठबंधन का कड़ा मुकाबला था, जिसने कांग्रेस व वाम गठबंधन से ज्यादा सीटें हासिल की हैं। हालांकि, कड़े मुकाबले में भाजपा गठबंधन की सीटें कम हुई हैं, लेकिन फिर भी बहुमत से अधिक सीटें उसके पास हैं। बहरहाल, तीनों राज्यों के चुनाव परिणामों से भाजपा खासी उल्लासित है और उसका नजारा दिल्ली में पार्टी के मुख्यालय में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की उपस्थिति में नजर आया। सही मायनों में भाजपा इन चुनाव परिणामों के निष्कर्षों को इस वर्ष होने वाले महत्वपूर्ण राज्यों मध्य प्रदेश, राजस्थान, छत्तीसगढ़, तेलंगाना व कर्नाटक के चुनावी समर तक लेकर जाना चाहती है। वह तीन राज्यों के चुनावों में मिली सफलता से नया विमर्श गढ़ने की कोशिश में है। उसके लिये हिमंत बिस्वा सरमा ने पूर्वोत्तर के मोदी-शाह की भूमिका निभाई है। उन्हें पूर्वोत्तर में भाजपा का चाणक्य कहा जाता है। बहरहाल, अच्छी बात यह है कि भाजपा की सक्रियता के बाद पूर्वोत्तर न केवल राष्ट्र की मुख्यधारा से जुड़ता नजर आया बल्कि अलगाववादी आंदोलनों पर भी लगाम लगी है। भाजपा ने इस मिथ को भी तोड़ने का प्रयास किया कि दिल्ली में बैठी सरकारें पूर्वोत्तर के विकास के साथ सौतेला व्यवहार करती हैं। भाजपा के प्रयासों से हिमंत बिस्वा के संयोजन में पूर्वोत्तर के लिये गठित नॉर्थ-ईस्ट डेवलपमेंट अलायंस यानी नेडा का गठन भी निर्णायक साबित हुआ है। इसके बाद भाजपा ने कांग्रेस मुक्त पूर्वोत्तर के नारे के साथ असम, त्रिपुरा आदि राज्यों में सरकारें बनायीं। वहीं दूसरी ओर ईसाई व आदिवासी बहुल इलाकों में पकड़ मजबूत बनाकर भाजपा यह संदेश देने की भी कोशिश में है कि वह अल्पसंख्यक विरोधी नहीं है। बहरहाल, भाजपा ने कुशल चुनावी रणनीति और स्थानीय मुद्दे भुनाने की कला से पूर्वोत्तर में नई इबारत लिख दी हैं।

कांग्रेस तैयार कर रही है जीत का पकवान

रायपुर अधिवेशन में कांग्रेस ने 2024 के लिए अपनाई एक व्यावहारिक रणनीतिनीतीश के प्रस्ताव का सकारात्मक जवाब देने में कांग्रेस को क्या परेशानी है ?हार कर जीतने वाले को बाजीगर कहते हैं, लेकिन जीत के हारने वाले को क्या कहते हैं, भाजपा को इसका जवाब ढूंढना चाहिए। क्योंकि त्रिपुरा और नगालैंड में फिर से सरकार बनाने का जनादेश हासिल करने के बाद भी भाजपा के लिए इस वक्त स्थितियां जीत जैसी नहीं हैं। इस साल के विधानसभा चुनावों की शुरुआत पूर्वोत्तर के तीन राज्य त्रिपुरा, मेघालय और नगालैंड से हुई। पिछले महीने इन तीनों राज्यों में मतदान हुआ और 2 तारीख को इसके नतीजे सामने आए। त्रिपुरा में पिछले चुनावों में भाजपा ने वामदल की सरकार को हटाने का कमाल कर के दिखाया था। तब इसे पूर्वोत्तर में भाजपा की बड़ी धमक की तरह देखा गया था। क्योंकि इन राज्यों में संघ अपनी संस्थाओं के जरिए बरसों से हिंदुत्व के प्रचार में लगा हुआ है। यहां की ईसाई और आदिवासी बहुल जनता किसी तरह धर्म के नाम पर भाजपा के पाले में आ जाए, इसकी कोशिशें पिछले चुनावों में सफल होती दिखीं। त्रिपुरा, नगालैंड, असम, मणिपुर, अरुणाचल प्रदेश, मेघालय सभी में भाजपा ने अपनी सरकार बनाने में सफलता हासिल की। जहां जरूरत हुई वहां गठबंधन किया, जहां जरूरत हुई वहां विरोधी दलों में फूट डलवाई और जहां जरूरत हुई वहां ऐकला चलो का रास्ता अपनाया। हिंदुत्व के साथ-साथ बांग्लादेश के प्रवासियों का मुद्दा, यूनिफार्म सिविल कोड, राम मंदिर ऐसे तमाम दांव बीजेपी ने चले। इसके अलावा विकास की बड़ी-बड़ी बातें करना और किसी भी तरह कांग्रेस को गलत बताना तो भाजपा का विशिष्ट दांव है। इस बार के चुनावों में भी भाजपा ने इसी रणनीति पर काम किया। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री अमित शाह चुनावी राज्य जाकर जीत की जमीन तैयार करने में लगे रहे। श्री मोदी ने एक बार फिर गालियों से टॉनिक वाला नुस्खा यहां आजमाया, जब उन्होंने चुनावी रैली में कब्र खुदेगी का रोना रोकर बताया कि इसके जवाब में कमल खिलेगा। इसी तरह श्री शाह ने श्री मोदी के पिता का गलत नाम लेने वाले बयान को भाजपा के लिए सहानुभूति वोट बटोरने का जरिया बनाया। भाजपा के तमाम दिग्गज नेताओं का डेरा हर चुनावी राज्य की तरह पूर्वोत्तर में भी जमा रहा। सरकारी मशीनरी के गलत इस्तेमाल का आरोप भाजपा पर विपक्षी दलों ने लगाया, खासकर त्रिपुरा में वाम दलों ने इसके लिए आवाज उठाई। मगर अब ये समझ आ गया है कि चाहे ईवीएम में गड़बड़ी की शिकायत हो या ईवीएम चोरी की, या गलत तरीके से मतदान कराने, इन शिकायतों का संतोषजनक समाधान नहीं निकलता है। आरोप लगते हैं और हवा में गायब कर दिए जाते हैं। इस बार भी विपक्ष की सारी शिकायतें धरी रह गईं। नतीजे बता रहे हैं कि भाजपा त्रिपुरा और नगालैंड में तो सरकार बनाने जा रही है। रहा सवाल मेघालय का तो, यहां जिस तरह पिछली बार कम सीटें मिलने के बावजूद एनपीपी के साथ भाजपा ने सरकार बना ली थी, वही खेल फिर से हो सकता है। मतदान के बाद मुख्यमंत्री कोनराड संगमा से असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्वासरमा मिल ही चुके हैं, तो इस मुलाकात को भाजपा व्यर्थ नहीं जाने देगी। पूर्वोत्तर चुनावों के एक्जिट पोल में भाजपा की सरकार बनने के दावे किए जा रहे थे और ये सही भी हुए हैं। लेकिन जिस कांग्रेस को एकदम साफ बताया जा रहा है, उसका तार्किक विश्लेषण करने की जरूरत है। त्रिपुरा में कांग्रेस का कोई जनाधार नहीं था, और इस बार उसने वामदल के साथ गठबंधन किया था। पिछले चुनावों में कांग्रेस को एक भी सीट त्रिपुरा में नहीं मिली थी, फिर उपचुनावों में 2 सीटें उसे मिलीं और इस बार 3 सीटों पर कांग्रेस जीती है, जबकि वामदलों के पास 11 सीटें आई हैं, यानी कुल 14 सीटें इस गठबंधन के पास हैं। मेघालय में पिछले चुनावों में कांग्रेस ने सबसे अधिक 21 सीटें जीती थीं, लेकिन इसके बाद दलबदल का नुकसान कांग्रेस को उठाना पड़ा और उसकी सीटें शून्य हो गईं, उसके जीते तमाम विधायक टीएमसी और भाजपा जैसी पार्टियों में चले गए। फिर भी इस बार मेघालय में कांग्रेस ने 5 सीटें जीती हैं। नगालैंड में 2018 में कांग्रेस को एक भी सीट नहीं मिली थी, जबकि इस बार उसे 5 सीटें मिली हैं। इससे यह जाहिर होता है कि कांग्रेस का जनाधार बढ़ रहा है।

अशिक्षा,अज्ञानता,अंधविश्वास राष्ट्रीय विकास के लिए घातक

संजीव ठाकुर

अशिक्षा और अज्ञानता ने अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता को भारत में फैलाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ रखी हैस यदि अशिक्षित मनुष्य धार्मिक अंधविश्वास को मानता है तो यह बात कुछ थोड़ी देर के लिए समझ में आती है किंतु इस वैज्ञानिक युग में अत्यंत शिक्षित एवं पढ़े-लिखे लोग भी अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता के पीछे भागने लगे तो यह समाज और देश के लिए दुर्भाग्य की बात हैस यह तो तय है की शिक्षा, ज्ञान अज्ञानता के अंधकार को मिटाकर के विवेकपूर्ण विचारों को सोचने की शक्ति प्रदान करता है और इसके पश्चात ही मनुष्य वैज्ञानिक आधार पर तर्क रखकर अपनी बात को मानना शुरू करता है। पूर्व में हम मानते थे कि पृथ्वी चपटी है किंतु वैज्ञानिक प्रयोगों तथा वैज्ञानिक अनुसंधान के अनुसार यह सिद्ध हो गया कि पृथ्वी गोल है अब लोगों ने लॉजिक और वैज्ञानिक प्रमाण के आधार पर यह मान लिया है की पृथ्वी गोल ही है,शहीद भगत सिंह ने आजादी के लिए एक संगठन नौजवान भारत सभा का गठन किया और उसके घोषणा पत्र में कहा था कि धार्मिक अंधविश्वास और कट्टरता हमारी प्रगति के बहुत बड़े बाधक है, वह हमारे रास्ते की बाधा साबित हुए हैं उनसे हमें हर हाल में छुटकारा पा लेना चाहिए जोकि आजाद विचारों को बर्दाश्त नहीं कर सकती उसे समाप्त हो जाना चाहिए इसी प्रकार अन्य बहुत सारी कमजोरियां भी हैं जिन पर हमें विजय प्राप्त करना होगा ,इस कार्य के लिए सभी समुदाय के क्रांतिकारी उत्साह रखने वाले नई सोच के नौजवानों की आवश्यकता हैस उन्होंने बिल्कुल सही कहा था क्योंकि युवा शक्ति ही देश में नए विचारों की क्रांति ला सकती और अंधविश्वास को समूल नष्ट करने में इनकी ऊर्जा इस कार्य के लिए लगाई जा सकती है,पर दूसरी तरफ शिक्षा का प्रचार प्रसार होना भी नितांत आवश्यक हैस शिक्षा ही ऐसा मूल मंत्र है जिससे अंधविश्वास एवं आडंबर की पोल खोली जा सकती शिक्षा से हमारा तात्पर्य विज्ञान से भी है विज्ञान ने अनेक अंधविश्वास को जन सूचियों में अविश्वास के रूप में में स्थापित किया है और शिक्षा तथा विज्ञान तकनीकी ऐसे मार्ग हैं जिन से चलकर हम न सिर्फ चांद पर पहुंचे हैं बल्कि सूचना प्रौद्योगिकी के माध्यम से पूरी दुनिया एक परिवार की तरह एक दूसरे के एकदम करीब आ चुकी है ऐसे में अंधविश्वास, धार्मिक कट्टरता एवं संप्रदायवाद की जगह कहाँ बच जाती है भला ? शिक्षा का स्तर ईतना ऊंचा हो जाना चाहिए की इन अंधविश्वासी बातों और मिथकों का अस्तित्व ही मूल रूप से विस्मृत किया जाना चाहिएस बिल्ली के रास्ता काटने से काम रुक जाता है,किसी की छींक देने से अशुभ संकेत स्थापित होने लगते हैं यदि कौवा बोलता है तो मेहमान आने का संकेत माना जाना इन सब बातों की कोई तार्किक अथवा वैज्ञानिक पृष्ठभूमि नहीं है और जनमानस द्वारा अपने दिमाग का प्रयोग कर ऐसी अतार्किक और वैज्ञानिक बातों में विश्वास करना भी अंधविश्वास को सामाजिक स्तर पर मान्यता प्रदान करता है। यह भी अशिक्षा का एक बहुत बड़ा परिणाम है। शिक्षा विज्ञान तथा तकनीकी ज्ञान समाज में तर्कसंगत बातों का विश्वास करने पर भरोसा दिलाता है और धीरे धीरे अंधविश्वास तथा धार्मिक कट्टरता से मनुष्य को परे ले जाता है। मूलत: अंधविश्वास को दूर करने के लिए हमें शिक्षा जैसे अस्त्र का इस्तेमाल तीव्र गति से किया जाना चाहिए। अंधविश्वास, तंत्र मंत्र के अधीन होकर पशुओं की बलि देना भी एक प्रकार से अंधविश्वास को बढ़ावा देना ही है, तंत्र मंत्र के विश्वास में आकर मानव न केवल पशुओं की बलि देते बल्कि बच्चों की बलि देने से भी नहीं परहेज करता है। समाज में व्याप्त अंधविश्वास तथा कट्टरपंथ का लाभ समाज के कुछ चालबाज तथा धोखेबाज लोग उठाते हैं और यही लोग इन अंधविश्वासी लोगों को भूत, प्रेत ,राहु केतु,काल सर्प दोष इत्यादि का भय दिखाकर पूजा पाठ तंत्र मंत्र के नाम से हजारों रुपए लूट लेते हैं। यह सिर्फ गांव में ही नहीं हो रहा है यह शहरों में भी बुरी तरह व्याप्त है तंत्र मंत्र तथा भूत प्रेत से छुटकारा भारत के कस्बों तथा गांव में एक व्यवसाय के रूप में विकसित हो गया है जो देश के लिए एक बड़ी विसंगति और विडंबना है। ऐसे तंत्र मंत्र और भविष्य के दर्शन कराने वाले तांत्रिकों का विज्ञापन न सिर्फ बड़े-बड़े अखबारों में बल्कि स्थापित टीवी चौनलों में भी खुल कर दिया जाता है जिससे न सिर्फअनपढ़, अंधविश्वासी बल्कि शिक्षित लोग भी झांसे में आकर बड़ी धनराशि से हाथ धो बैठते हैं। विकसित यूरोपीय देशों में अमेरिका, ब्रिटेन, आयरलैंड, फ्रांस, इजरायल तथा अन्य देशों में भी अंधविश्वास व्याप्त है किंतु भारत में अशिक्षा के कारण इसकी जड़ें थोड़ी गहरी व्याप्त हैं। शिक्षा के प्रचार-प्रसार तथा मीडिया और सोशल मीडिया के माध्यम से अंधविश्वास को जनमानस तथा देर से दूर किया जा सकता है किंतु मूल रूप से प्राथमिक शिक्षा को एक सशक्त माध्यम रखकर अंधविश्वास एवं धार्मिक कट्टरता के विरोध में बातें रखी जाए तो देश एक अंधविश्वास मुक्त राष्ट्र बन सकता है।

जी-20: भारत की बुलंद आवाज

आदित्य नारायण

कोरोना महामारी के बाद पूरी दुनिया एक साथ कई चुनौतियों से जूझ रही है। फरवरी 2022 से चल रहे रूस-यूक्रेन युद्ध के कारणघ्चुनौतियां और भी बढ़ गई हैं। विश्व आज मंदी, जीडीपी में संकुचन और बढ़ती महंगाई से जूझ रहा है। जलवायु परिवर्तन एक बड़ी समस्या के रूप में उभर रहा है। एक अहम मुद्दा वैश्विक संस्थाओं की पुनर्रचना का भी है। दूसरे विश्व युद्ध के बाद अस्तित्व में आए विश्व बैंक और अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष जिनमें विकसित देशों का वर्चस्व है, में बदलाव की जरूरत है। विश्व में पैदा हुए खाद्यान्न और ऊर्जा संकट की तमाम चुनौतियों के बीच भारत में जी-20 का सम्मेलन आज शुरू हुआ। भारत जी-20 की अध्यक्षता कर रहा है। भारत पिछले कुछ वर्षों से खुद को ग्लोबल साऊथ यानि विकासशील देशों की उभरती हुई आवाज के रूप में स्थापित करने की कोशिश कर रहा है और भारत के लिए इससे बड़ा बेहतर अवसर और कोई नहीं हो सकता। दुनिया की 85 प्रतिशत जीडीपी जी-20 देशों में आती है और विश्व की कुल जनसंख्या का दो-तिहाई इन देशों में निवास करता है। विश्व के कुल व्यापार का 75 प्रतिशत हिस्सा भी जी-20 देशों के पास है। इसमें कोई संदेह नहीं कि भारत इस समय दुनिया में एक सशक्त आवाज बन चुका है। भारत की आवाज को अब नजरंदाज नहीं किया जा सकता। भारत का कहना है कि वैश्विक चुनौतियों से आपस में लड़कर नहीं बल्कि आपस में मिलकर निपटा जा सकता है। जो यह समझते हैं कि संघर्ष और लालच ही मानव स्वभाव है तो वह गलत है। भारत की परम्परागत सोच यही रही है कि सभी जीव पंच तत्वों भूमि, जल, अग्नि, वायु व आकाश से मिलकर बने हैं और सभी जीवों में समन्वय और समरस्ता हमारे भौतिक, सामाजिक एवं पर्यावरणीय कुशलक्षेम के लिए जरूरी है। विश्व शांति, एकता, पर्यावरण के प्रति जागरूकता और सतत् विकास जैसी चुनौतियों का सामना करने और इनका हल निकालने के लिए भारत के पास विचार भी हैं और क्षमता भी है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जी-20 के विदेश मंत्रियों की बैठक को सम्बोधित करते हुए भारत का स्पष्टघ्दृष्टिकोण रखा है। प्रधानमंत्री ने कहा कि विश्व की अग्रणीय अर्थव्यवस्थाएं होने के नाते हमारी उन देशों के प्रति भी जिम्मेदारी बनती है जो इस कक्ष में मौजूद नहीं हैं। भू-राजनीतिक तनाव को कैसे कम किया जाए, इसे लेकर हम सभी का अपना रुख और नजरिया है। पिछले कुछ वर्षों के अनुभव-वित्तीय संकट, वैश्विक महामारी, आतंकवाद और युद्ध दिखाता है कि वैश्विक शासन प्रणाली अपनी जिम्मेदारी निभाने में विफल रही है। उन्होंने कहा कि हम जिन मुद्दों को हल नहीं कर सकते उन्हें उन मामलों के आड़े नहीं आने देने चाहिए जिनका समाधान हम निकाल सकते हैं। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमें समावेशी सोच के साथ आगे बढ़ना है। हमें एकजुट होकर उद्देश्यों की प्राप्ति करने के लिए काम करना होगा। बैठक में चीन के विदेश मंत्री, रूस के विदेश मंत्री समेत लगभग 90 देशों के मंत्री भाग ले रहे हैं। हालांकि जापान ने इस बैठक में अपने जूनियर मंत्री को भेजा है। इस पर कई तरह के सवाल भी उठाए जा रहे हैं। एशिया में चीन की बढ़ती आक्रामकता के कारण जापान भारत से रक्षा संबंध गहरे करना चाहता है लेकिन भारत की रूस से दोस्ती को लेकर जापान असहज है। भारत का प्रयास होगा कि किसी न किसी तरह रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए संवाद के रास्ते आगे बढ़ा जाए। विश्व की अधिकांश समस्याओं का समाधान सम्भव है लेकिन उसके लिए सोच में बदलाव की जरूरत है। इतिहास गवाह है कि विभिन्न देशों के बीच परस्पर वैमनस्य, दूसरे मुल्कों से आगे बढ़ने की होड़, विस्तारवादी सोच टकराव का कारण बनती रही है। रूस-यूक्रेन युद्ध का भी लगभग यही कारण है। अमेरिका और यूरोप के देशों द्वारा यूक्रेन को 'नाटो' के नजदीक आने के लिए उकसाना रूस-यूक्रेन युद्ध का शुरूआती कारण बना। उसके बाद रूस पर प्रतिबंध लगाकर उसे कमजोर करने के प्रयास भी हुए। यह भी सही है कि रूस की आक्रामक नीति ने आग में घी डालने का काम किया। बाद में रूस ने अमरीकी और यूरोपीय प्रतिबंधों को न केवल धत्ता दिखाया, बल्कि ग्लोबल वैल्यू चेन में अवरोधों को भी हवा दी। इस उथल-पुथल के चलते आवश्यक वस्तुओं का अभाव और कीमतों में वृद्धि और अर्थव्यवस्थाओं में संकुचन आज दुनिया के लिए सिरदर्द बने हुए हैं। ऐसे में भारत का संदेश यही है कि संसाधनों पर कब्जा जमाने हेतु संघर्ष और प्रतिस्पर्धा की रणनीति को छोड़ना होगा। दूसरे देशों की जमीन और संसाधन घ्हथियाने की मानसिकता भी छोड़नी होगी। एक पृथ्वी, एक परिवार, एक भविष्य का हमारा ध्येय होना चाहिए। वैश्विक समाज के बीच समरस्ता को बढ़ाने के घ्लिए भारत का प्रयास होगा कि खाद्य पदार्थों, उर्वरकों और घ्चिकित्सा उत्पादों की वैश्विक आपूर्ति को राजनीति से अलग रखा जाए ताकि वैश्विक राजनीति के तनावों से मानवता पर संकट न आए।

जैसे पूरे देश में एक कर है उसी प्रकार पूरे देश में एक समान शिक्षा भी होनी चाहिए

अश्विनी उपाध्याय

संसद द्वारा बनाया गया ष्शिक्षा अधिकार कानूनष् पूरे देश में लागू है इसलिए एक नया कानून बनाने की बजाय उसमें संशोधन करना चाहिए। वर्तमान कानून में ष्समानष् शब्द जोड़ दिया जाए तो यह ष्समान शिक्षा अधिकार कानूनष् बन जाएगा और अभी यह 14 वर्ष तक लागू है उसे 16 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। आरक्षण से 75 साल में नहीं बल्कि 7500 साल में भी सबको समान अवसर नहीं मिलेगा। सबको समान अवसर उपलब्ध कराना है तो 12वीं तक समान शिक्षा (एक देश एक शिक्षा बोर्ड और एक देश एक पाठ्यक्रम) लागू करना होगा। देखा जाये तो स्कूल माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक शिक्षा बोर्ड लागू नहीं हुआ। कोचिंग माफियाओं के दबाव में 12वीं तक एक देश एक पाठ्यक्रम लागू नहीं हुआ। किताब माफियाओं के दबाव में हिंदी, अंग्रेजी, संस्कृत, गणित, भौतिक विज्ञान, रसायन, जीव विज्ञान, वनस्पति विज्ञान की एक किताब लागू नहीं हुई। समान शिक्षा बिना समता-समरसता मूलक समाज की स्थापना नामुमकिन है इसलिए जिस प्रकार पूरे देश में ष्एक देश-एक करष् लागू किया गया, उसी प्रकार 10वीं तक ष्एक देश-एक सिलेबसष् भी लागू करना अति आवश्यक है। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और किताब एक होनी चाहिए। वर्तमान समय में स्कूलों की पांच कैटेगरी हैं और किताब भी पांच प्रकार की हैं। आर्थिक रूप से कमजोर और गरीबी रेखा से नीचे के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, निम्न आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, मध्यम आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है, उच्च आय वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस अलग है तथा संभ्रांत वर्ग के बच्चों की किताब और सिलेबस बिलकुल ही अलग है। वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान की मूल भावना के बिलकुल विपरीत है। यह समता, समानता और समरसता मूलक समाज के निर्माण की बजाय जातिवाद, भाषावाद, क्षेत्रवाद, संप्रदायवाद, वर्गवाद, कट्टरवाद और मजहबी उन्माद को बढ़ाती है लेकिन किताब माफियाओं, कोचिंग माफियाओं और स्कूल माफियाओं के दबाव के कारण मैकाले द्वारा बनाई गई शिक्षा प्रणाली आज भी लागू है। यदि बोर्ड के हिसाब से देखें तो ब्ठैम् की किताब और सिलेबस अलग, प्ब्ैम् की किताब और सिलेबस अलग, बिहार बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, बंगाल बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, असम बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, कर्नाटक बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तमिलनाडु बोर्ड की किताबें और सिलेबस अलग, तथा गुजरात बोर्ड की किताबें और सिलेबस सबसे अलग हैं, जबकि भारतीय प्रशासनिक सेवा, इंजीनियरिंग, मेडिकल, रक्षा सेवा, बैंक और अध्यापक पात्रता परीक्षा सहित अधिकांश प्रतियोगी परीक्षाएं राष्ट्रीय स्तर पर पर होती हैं और पेपर भी एक होता है परिणाम स्वरूप इन प्रतियोगी परीक्षाओं में देश के सभी छात्र-छात्राओं को समान अवसर नहीं मिलता है। भारतीय संविधान के आर्टिकल 14 के अनुसार देश के सभी नागरिकों को समान अधिकार प्राप्त हैं, आर्टिकल 15 के अनुसार जाति, धर्म, भाषा, क्षेत्र, रंग-रूप लिंग और जन्म स्थान के आधार पर किसी भी भारतीय नागरिक से भेदभाव नहीं किया जा सकता है तथा आर्टिकल 16 के अनुसार नौकरियों में देश के सभी युवाओं को समान अवसर मिलना चाहिए। आर्टिकल 17 शारीरिक और मानसिक छूआछूत को प्रतिबंधित करता है और आर्टिकल 19 प्रत्येक नागरिक को देश में कहीं भी भ्रमण करने, बसने और रोजगार-व्यापार करने का अधिकार प्रदान करता है। आर्टिकल 21। के अनुसार शिक्षा 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है। आर्टिकल 38(2) के अनुसार केंद्र और राज्य सरकार की यह जिम्मेदारी है कि वह समस्त प्रकार की असमानता को समाप्त करने के लिए आवश्यक कदम उठाए। आर्टिकल 39 के अनुसार बच्चों के समग्र, समावेशी और संपूर्ण विकास के लिए कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। आर्टिकल 46 के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब बच्चों के शैक्षिक और आर्थिक विकास के लिए विशेष कदम उठाना केंद्र और राज्य सरकार का कर्तव्य है। आर्टिकल 51(।) के अनुसार देश के सभी नागरिकों में भेदभाव की भावना समाप्त करना, आपसी भाईचारा मजबूत करना तथा वैज्ञानिक और तार्किक सोच विकसित करना केंद्र और राज्य सरकार का नैतिक कर्तव्य है लेकिन वर्तमान शिक्षा प्रणाली संविधान के उपरोक्त उद्देश्यों को प्राप्त करने में पूर्णत: असफल रही है। इस समय देश में 53223 शिक्षा व्यवस्था लागू है अर्थात 5 साल प्राइमरी, 3 साल जूनियर हाईस्कूल, 2 साल सेकंडरी, 2 साल हायर सेकंडरी और 3 साल ग्रेजुएशन। यह व्यवस्था वर्तमान परिप्रेक्ष में बिलकुल अप्रभावी और अवांछित है इसलिए इसके स्थान पर 555 शिक्षा व्यवस्था लागू करना चाहिए अर्थात 5 साल प्राइमरी, 5 साल सेकंडरी और 5 साल ग्रेजुएशन। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन 10वीं तक सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और सभी बच्चों के लिए 10वीं तक शिक्षा अनिवार्य होना चाहिए। संविधान के आर्टिकल 345 और 351 की भावना के अनुसार 10वीं तक तीन भाषाओं का अध्ययन सभी बच्चों के लिए अनिवार्य होना चाहिए ।जिस प्रकार पूरे देश में ष्एक देश-एक करष् लागू किया गया, उसी प्रकार 10वीं तक ष्एक देश-एक सिलेबसष् भी लागू करना अति आवश्यक है। पढ़ने-पढ़ाने का माध्यम भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश में एक समान होना चाहिए और किताब एक होनी चाहिए। ष्वन नेशन वन एजुकेशनष् लागू करने के लिए ळैज् कौंसिल की तर्ज पर छम्ब् (नेशनल एजुकेशन कौंसिल) बनाया जा सकता है। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री को छम्ब् का चेयरमैन और सभी राज्यों के शिक्षा मंत्री को छम्ब् का सदस्य बनाया जा सकता है। यदि पूरे देश के लिए एक शिक्षा बोर्ड नहीं बनाया जा सकता है तो केंद्रीय स्तर पर केवल एक शिक्षा बोर्ड और राज्य स्तर पर केवल एक शिक्षा बोर्ड बनाना चाहिए संसद द्वारा बनाया गया ष्शिक्षा अधिकार कानूनष् पूरे देश में लागू है इसलिए एक नया कानून बनाने की बजाय उसमें संशोधन करना चाहिए। वर्तमान कानून में ष्समानष् शब्द जोड़ दिया जाए तो यह ष्समान शिक्षा अधिकार कानूनष् बन जाएगा और अभी यह 14 वर्ष तक लागू है उसे 16 वर्ष तक बढ़ाया जा सकता है। समान शिक्षा अर्थात ष्एक देश-एक शिक्षाष् लागू करने से संविधान के आर्टिकल 14 के अनुसार भारत के सभी नागरिकों को समान अधिकार मिलेगा, आर्टिकल 15 के अनुसार जाति धर्म भाषा क्षेत्र रंग-रूप वर्ग और जन्म स्थान के आधार पर चल रहा भेदभाव समाप्त होगा तथा आर्टिकल 16 के अनुसार प्रतियोगी परीक्षाओं और नौकरियों में देश के सभी युवाओं को सबको समान अवसर मिलेगा। समान पाठ्यक्रम लागू करने से आर्टिकल 17 की भावना के अनुसार शारीरिक और मानसिक छुआछूत समाप्त होगा और आर्टिकल 19 के अनुसार प्रत्येक नागरिक को देश में कहीं भी बसने और रोजगार करने का समान अवसर मिलेगा। आर्टिकल 21। के अनुसार शिक्षा 14 वर्ष तक के सभी बच्चों का मौलिक अधिकार है इसलिए पढ़ने-पढ़ाने की भाषा भले ही अलग हो लेकिन सिलेबस पूरे देश का एक समान होना ही चाहिए। ष्एक देश एक पाठ्यक्रमष् लागू करने से आर्टिकल 38(2) की भावना के अनुसार समस्त प्रकार की असमानता को समाप्त करने में मदद मिलेगी और आर्टिकल 39 के अनुसार सभी बच्चों का समग्र, समावेशी और संपूर्ण विकास होगा। समान शिक्षा अर्थात समान पाठ्यक्रम लागू करने से आर्टिकल 46 के अनुसार अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और गरीब बच्चों का शैक्षिक और आर्थिक विकास होगा तथा आर्टिकल 51(।) की भावना के अनुसार देश के सभी नागरिकों में भेदभाव की भावना समाप्त होगी, आपसी भाईचारा मजबूत होगा तथा वैज्ञानिक-तार्किक और एक जैसी सोच विकसित करने में मदद मिलेगी, परिणाम स्वरूप देश की एकता अखंडता मजबूत होगी। जब लद्दाख से लक्षद्वीप और कच्छ से कामरूप तक सिलेबस एक समान होगा, किताब एक होगी और केंद्रीय विद्यालय की तरह स्कूल ड्रेस भी एक होगा तो किताब माफियाओं, कोचिंग माफियाओं और स्कूल माफियाओं पर लगाम लगेगी और शिक्षा का खर्च 50: कम हो जाएगा, चीन सहित दुनिया के कई देशों में समान शिक्षा बहुत पहले से लागू है इसलिए केंद्र सरकार को पूरे देश में समान शिक्षा अर्थात ष्एक देश एक शिक्षाष् लागू करने के लिए आवश्यक कदम उठाना चाहिए।

CMYK

किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा : ब्रजेश पाठक

एडीजी प्रशांत कुमार बोले, उमेश हत्याकांड के लिए विशेष टीम की थी तैयार, अब तक 2 आरोपी ढेर

संवाददाता

लखनऊ। उमेश पाल हत्याकांड के आरोपियों के एनकाउंटर पर प्रतिक्रिया देते हुए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने सोमवार को कहा कि पुलिस और एसटीएफ छापेमारी कर रही है और कोई भी अपराधी बख्शा नहीं जाएगा। ब्रजेश पाठक ने बताया, आपने देखा कि ये अपराधी कितने खूंखार हैं, कि वे पुलिस पर भी हमला कर रहे हैं। जवाब में पुलिस को गोलियां चलानी पड़ीं, जिसमें एक और अपराधी मारा गया। पाठक ने कहा, पुलिस और विशेष कार्य बल मामले की जांच कर रहे हैं। छापेमारी और गिरफ्तारी की जा रही है और किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा और यह हमारी प्राथमिकता है। मिली जानकारी के मुताबिक इससे पहले सुबह उमेश पाल हत्याकांड में एक बड़े घटनाक्रम में सोमवार को उत्तर

प्रदेश पुलिस के साथ हुई मुठभेड़ में उस्मान नाम का एक आरोपी मारा गया। यह मुठभेड़ प्रयागराज के कौंधियारा में हुई जिसमें विजय चौधरी उर्फ उस्मान मारा गया। वहीं स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल के आपातकालीन चिकित्सा अधिकारी ने एक न्यूज एजेंसी को बताया कि उस्मान को अस्पताल में मृत लाया गया था। अधिकारी ने कहा, मरीज उस्मान को मृत लाया गया था। हमने जांच की जिसके बाद उसे मृत घोषित कर दिया गया और शव को मुर्दाघर भेज दिया गया। आपको बता दें कि यूपी विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने इस घटना के बारे में ट्विटर पर कहा, क्या हमने नहीं कहा कि हम उन्हें (माफिया सांठगांठ) नष्ट कर देंगे!! उमेश पाल और संदीप निषाद पर पहली गोली चलाने वाला खूंखार हत्यारा उस्मान भी था। आज पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने यह भी कहा, पूज्य महाराज जी ने कहा था कि वे (माफिया गठजोड़) नष्ट हो जाएंगे। उमेश पाल और संदीप निषाद पर पहली गोली चलाने वाला खूंखार फरार हत्यारा उस्मान भी मुठभेड़ में मारा गया। उमेश पाल हत्याकांड के बाद से यूपी पुलिस एक्शन मोड पर है। आरोपियों के खिलाफताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। पुलिस ने आज एनकाउंटर में एक दूसरे अपराधी उस्मान को मार गिराया है। इस पर एडीजी लॉ एंड ऑर्डर प्रशांत कुमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि किसी अपराधी को बख्शा नहीं जाएगा। अपराधियों की मदद करने वालों पर भी कार्रवाई होगी। हत्याकांड में शामिल सभी आरोपियों को सजा दिलाएंगे। प्रयागराज एनकाउंटर में उस्मान ढेर हुआ है। उमेश हत्याकांड में अपराधी जहां भी होंगे वहीं गिरफ्तार करेंगे। पुलिस ने उमेश हत्याकांड के लिए विशेष टीम तैयार की थी, अब तक 2 आरोपी ढेर हुए हैं। उमेश पाल हत्याकांड का आरोपी विजय उर्फ उस्मान प्रयागराज पुलिस के साथ मुठभेड़ में सोमवार तड़के मारा गया। बहुजन समाज पार्टी के पूर्व विधायक राजू पाल की हत्या के अहम गवाह उमेश पाल पर 24 फरवरी को पहली गोली उस्मान ने चलाई थी। धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्य ने उस्मान के मुठभेड़ में मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि तड़के करीब पांच-साढ़े पांच बजे कौंधियारा थाना क्षेत्र में विजय उर्फ उस्मान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। उन्होंने बताया कि उस्मान उमेश पाल और अन्य दो पुलिसकर्मियों को गोली मारने की घटना में शामिल था और उमेश पर पहली गोली उस्मान ने ही चलाई थी। इससे पूर्व, 27 फरवरी को उमेश पाल हत्याकांड का आरोपी अरबाज धूमनगंज थाना क्षेत्र में नेहरू पार्क के जंगल में पुलिस के साथ एक मुठभेड़ में मारा गया था। इस मुठभेड़ में धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश मौर्य घायल हो गए थे।

डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य बोले पाताल में भी छिप जाएं, पर एक-एक को मिलेगी सजा

संवाददाता, लखनऊ। उमेश पाल हत्यकांड के बाद से यूपी पुलिस एक्शन मोड पर है। आरोपियों के खिलाफताबड़तोड़ कार्रवाई चल रही है। पुलिस ने आज एनकाउंटर में एक दूसरे अपराधी उस्मान को मार गिराया है। आरोप है कि उस्मान वहीं बदमाश था, जिसने उमेश और उसके सुरक्षाकर्मी को पहली गोली मारी थी। इस पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि घटना से जुड़े एक-एक अपराधी चाहे पाताल में छिप जाएं, उन्हें पकड़कर कठोर कानूनी कार्रवाई होगी। मौर्य ने एनकाउंटर में शामिल पुलिस टीम को बधाई दी है। वहीं, डिप्टी सीएम ब्रजेश पाठक ने कहा है कि एसटीएफ की टीम लगातार लगी हुई। एक-एक अपराधी को सजा मिलेगी, यही हमारी प्रतिबद्धता है। उत्तर प्रदेश के बीजेपी विधायक शलभ मणि त्रिपाठी ने भी ट्वीट किया है। उन्होंने ट्वीट कर लिखा कि क्या हमने नहीं कहा कि हम उन्हें (माफिया सांठगांठ) नष्ट कर देंगे !! उमेश पाल और संदीप निषाद पर पहली गोली चलाने वाला खूंखार हत्यारा उस्मान भी था। आज पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। गोरखपुर के सांसद रवि किशन ने यह भी कहा, पूज्य महाराज जी ने कहा था कि वे (माफिया गठजोड़) नष्ट हो जाएंगे। उमेश पाल और संदीप निषाद पर पहली गोली चलाने वाला खूंखार फरार हत्यारा उस्मान भी मुठभेड़ में मारा गया। बता दें कि धूमनगंज थाना प्रभारी राजेश कुमार मौर्य ने उस्मान के मुठभेड़ में मारे जाने की पुष्टि करते हुए कहा कि तड़के करीब पांच-साढ़े पांच बजे कौंधियारा थाना क्षेत्र में विजय उर्फ उस्मान पुलिस मुठभेड़ में मारा गया। उन्होंने बताया कि उस्मान उमेश पाल और अन्य दो पुलिसकर्मियों को गोली मारने की घटना में शामिल था और उमेश पर पहली गोली उस्मान ने ही चलाई थी।

संक्षिप्त समाचार

सपा के लखनऊ समेत 5 जिलों के अध्यक्षों के नामो का ऐलान

संवाददाता, लखनऊ। सपा सुप्रीमो और यूपी के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने आज लखनऊ समेत 5 जिलों के अध्यक्षों के नाम घोषित किये है। जारी लिस्ट के मुताबिक जय सिंह जयंत को लखनऊ का सपा जिलाध्यक्ष बनाया गया है। सोमवार को समाजवादी पार्टी ने 5 जिलाध्यक्ष नामित किए हैं। समाजवादी पार्टी नेलखनऊ,मिर्जापुर, बदायूं,र ायबरेली और गोरखपुर के सपा जिलाध्यक्षों के नाम घोषित किये हैं। जय सिंह जयंत लखनऊ के सपा जिलाध्यक्ष बने हैं, देवी प्रसाद चौधरी मिर्जापुर के जिलाध्यक्ष बनाए गये हैं। आशीष यादव बदायूं के सपा जिलाध्यक्ष बने हैं, इंजीनियर रवींद्र रायबरेली के सपा जिलाध्यक्ष बने हैं और बृजेश गौतम गोरखपुर के सपा जिलाध्यक्ष बनाया गया है।

देश के टॉप 10 सरकारी अस्पतालों में नौ यूपी के

संवाददाता, लखनऊ। देशभर के सरकारी अस्पतालों की रैंकिंग में टॉप 10 अस्पतालों में अकेले यूपी के नौ अस्पताल शामिल हैं। यह रैंकिंग सरकारी अस्पतालों की स्कैन एंड शेयर मॉडल के आधार पर तैयार की गई है। उपलब्धि के लिए उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने विभाग के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को बधाई दी है। टॉप टेन सरकारी अस्पतालों की सूची में सिर्फ छत्तीसगढ़ के रायपुर स्थित एम्स को ही जगह मिल पाई है। इसके अलावा सभी अस्पताल उत्तर प्रदेश के ही है। इस उपलब्धि के लिए उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री और स्वास्थय मंत्री ब्रजेश पाठक ने शिक्षा विभाग के लोगों को बधाई दी है और कहा है कि ये सब हमारे संयुक्त प्रयासों को नतीजा है।

सरकार का विद्युतीकरण पर फोकस, कर्मचारी उपभोक्ताओं को कर रहे परेशान

संवाददाता, लखनऊ। अपना व्यापार मँडल के प्रदेश प्रवक्ता अजय यादव ने एक बयान में बताया कि सरोसा भरोसा निवासी कडेदीन सिह ने दिसम्बर माह मे कनेक्शन हेतु आवेदन किया। आवेदक के परिसर पर जब सर्वे के लिए विभागीय कर्मचारी पहुंचा तो उसने आवेदक से 10,000 रूपये कनेक्शन के एवज में लिए।कर्मचारी ने आवेदक के परिसर पर लाइन खीच दी,लेकिन मीटर नहीं लगाया गया।आवेदक लगातार मीटर लगाने के लिए कर्मचारी से कहता रहा लेकिन आज तक मीटर नही लगाया गया। आवेदक ने शिकायत उपखंड अधिकारी सरोसा भरोसा और अवर अभियंता से की तो विभागीय कर्मचारी ने आज आवेदक को धनराशि वापस कर दी तथा सप्लाई काट दी गई।उ.प्र.अपना व्यापार मँडल के प्रदेश प्रवक्ता अजय यादव ने कहा कि लगातार सरोसा भरोसा उपकेंद्र अपनी कार्यप्रणाली की वजह से चर्चा मे रहता है।प्रवक्ता अजय यादव ने कहा कि पीडित आवेदक का तत्काल कनेक्शन रिलीज किया जाए तथा दोषी कर्मचारी को बर्खास्त किया जाए। उपभोक्ताओं के उत्पीड़न का कार्य कर रहे लोगो की वजह से विभाग की छवि धूमिल होती है।

होलिकोत्सव पर महाकाल में सर्वकल्याण के लिए हुआ फलों के रस से अभिषेक

संवाददाता, लखनऊ। राजेन्द्र नगर द्वितीय मार्ग स्थित प्रदेश के प्रतिष्ठिति महाकाल मंदिर में होली पर्व के ठीक पहले पड़ने वाले सोमवारीय महाकाल पूजन के अवसर पर सबके स्वस्थ्य रहने और मंगल की कामना से विशेष रूप से फलों के रस से अभिषेक किया गया। मंदिर के व्यवस्थापक अतुल मिश्रा की अगुआई में सोमवारीय अनुष्ठान सूर्योदय से पहले ही शुरू हो गए थे। उसमें सबसे पहले रुद्राभिषेक किया गया। सूर्योदय के साथ ही भक्तों का मंदिर में पूजन अर्चन करने का सिलसिला शुरू हो गया। मंदिर के पुजारी महादेव शास्त्री की अगुआई में पंचद्रव्य दूध, दही, शहद, घी, गंगाजल से अभिषेक किया गया। उसके बाद सबसे स्वास्थ्य की मंगल कामना से गन्ने, अनार, संतरे के रस से अभिषेक किया गया। उसके बाद महिला मंडली द्वारा बाबा महाकाल के भजन गाए गए। भजन मंडली में गीता कपूर, ममता द्विवेदी, गीता कालरा, सीमा शुक्ला, प्रियांशी, रुचि श्रीवास्तव सहित अन्य शामिल रहीं। उज्जैन की तर्ज पर राजेन्द्र नगर महाकाल में भी विभिन्न अवसरों पर भस्म आरती की जाती है। इसलिए खासतौर से भक्तों ने होली खेले मसाने में, कशी में खेले, घाट में खेले भजन भी गाया। शाम को बाबा महाकाल का आकर्षक श्रंगार कर महा आरती की गई तो पूरा परिसर जयकारों से गूंज उठा। लोगों ने एक दूसरे के हर्बल गुलाल लगाकर होली की बधाइयां दी। व्यवस्थापक अतुल मिश्रा ने बताया कि उज्जैन के महाकाल मंदिर से प्रेरित होकर राजेन्द्र नगर में साल 1960 में इस मंदिर की स्थापना की गई थी।

लखनऊ विश्वविद्यालय में मनाया गया, अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस

संवाददाता, लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जन्तु विज्ञान विभाग में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। जिसमें विभाग की महिला शिक्षकों एवं उद्यमी महिलाओं कुमार (सुरखाब आर्ट क्लब), सुषमा, प्रतिभा सिंह (लगन उद्यमी महिला उद्योग) एवं अंजली सिंह (जूट गिल्ड आर्गेनाइजेशन) को विभाग के अध्यक्ष प्रो. एम सिराजुद्दीन एवं अन्य शिक्षकों नें पगड़ी पहनाकर सम्मानित किया गया। साथ ही महिलाओं ने अपने विचार रखे। इस अवसर पर विभागाध्यक्ष प्रो. मो. सिराजुद्दीन ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस के इतिहास को बताते हुए कहा कि अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस सर्वप्रथम एक सदी पहले 1911 में जर्मनी, डेनमार्क, स्विट्जरलैण्ड एवं ऑस्ट्रिया ने मनाया था । इसके उपरान्त 1996 में यूनाइटेड नेशन ने अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस को मान्यता दी थी।

सरकार अंधकार में डाल रही शिक्षक प्रशिक्षित बेरोजगारों का भविष्य

शिक्षक पदों की रिक्तता के सम्बन्ध में सरकारी बयान निन्दनीयः लौटन राम

संवाददाता, लखनऊ। सुप्रीमकोर्ट द्वारा शिक्षामित्र शिक्षक समायोजन रद्द होने पर उतनी ही भर्ती दो बार निकाली गई। प्राथमिक शिक्षक भर्ती के लिए 2018 में 68500और 2019 में 69000 पद विज्ञापित किये गए थे,जिसमे 68500 वाली शिक्षक भर्ती में 22000 सीट खाली रह गई थी। 69000 भर्ती जो कोर्ट में चल रही है, जब समायोजन रद्द हुआ तब यूपी सरकार ने 51112 पदों का एक हलफ्नामा लगाया था जिसमे बताया गया था कि इतने पद रिक्त हैं जो आगे भरे जाएंगे । यह बात 2018 की है।भारतीय ओबीसी महासभा के राष्ट्रीय प्रवक्ता चौ.लौटनराम निई ने बताया कि आज चार साल से जायदा का समय हो गया। हर साल शिक्षक सेवानिवृत्त होते हैं,जो लगभग 8000 से10000 तक हो सकते हैं। जो चार साल में लगभग 40,000 पद रिक्त इस प्रकार रिक्त हो गए तो कुल मिलाकर 1,13,112 पद रिक्त

हो गए। इसके बाद 2022 में लगभग 90 लाख छात्र-छात्राओं के नए नामांकन हुए ,जो नए शिक्षक पद सृजित करते हैं और इसके बाद अब पदोन्नत हो रहे शिक्षक के भी पद रिक्त होगे। कुल मिलाकर 1लाख 50 हजार से ज्यादा पद रिक्त हैं। फिर भी सरकार के शिक्षा मंत्री अनुपात-समानुपात बराबर करने में लगे हैं। अगर आप स्वीकार कर रहे हैं कि पद रिक्त हैं तो शिक्षा के अधिकारआरटीई की धारा 25 और 26 के तहत शिक्षक भर्ती का विज्ञापन जारी क्यों नहीं किया जा रहा। क्या आरटीई की ये धाराएं सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं।सरकार न ही हाईकोर्ट के निर्णय व निर्देश का पालन कर रही और न ही विधानसभा में सही आंकड़े बता रही है। भाजपा सरकार में सभी के सभी भर्ती परीक्षाओं के पेपर लीक हो रहे और सब की सब भर्ती कोर्ट में फँसी है। निषाद ने कहा कि सरकार की गलत नीतियों के कारण शिक्षक प्रशिक्षित बीएड, डीएलएड बेरोजगार नौकरी की आस लगाए विज्ञापन का इंतजार कर रहे हैं।लेकिन सरकार की संवेदनहीनता के कारण शिक्षित बेरोजगारों की संख्या में दिनोदिन बढोत्तरी होती जा रही है।सरकार की गलत नीतियों के कारण शिक्षित बेरोजगारों का भविष्य अंधकारमय होता जा रहा है और उनमें हताश निराशा बढ़ती जा रही है। सरकार शिक्षित प्रशिक्षित बेरोजगारों के भविष्य से खिलवाड़ कर रही है और बुनियादी शिक्षा की जड़ों को कमजोर कर रही है।

मिशन 2024 को लेकर भाजपा मुस्तैद

- बीजेपी को सोशल मीडिया और डिजिटलाइजेशन पर ज्यादा विश्वास
- यूपी बीजेपी बनाएगी पौने दो लाख व्हाट्सएप ग्रुप

संवाददाता

लखनऊ। मिशन 2024 खातिर बीजेपी मुस्तैद है। बीजेपी को सोशल मीडिया और डिजिटलाइजेशन पर ज्यादा विश्वास है। भाजपा का मानना है कि इसके जरिये ज्यादा से ज्यादा लोगों तक सीधे जुड़ सकते हैं। लोकसभा चुनाव को लेकर उत्तर प्रदेश में चुनिंदा वर्करों से जुड़े हुए पौने दो लाख व्हाट्सएप ग्रुप बनाए जाएंगे,जिनके जरिए भारतीय जनता पार्टी अपना पूरा अभियान डिजिटल संचालित करेगी। करीब पौने दो लाख सिम भी वितरित किए जाने हैं, जो प्रदेश भर के बूथ अध्यक्षों के पास होंगे। तय किया गया है कि प्रदेश अध्यक्ष या राष्ट्रीय अध्यक्ष जब भी चाहें किसी भी बूथ अध्यक्ष से सीधे संपर्क कर सकेंगे। एक सूचना को प्रदेश अध्यक्ष के स्तर से बूथ अध्यक्ष तक पहुंचाने में चंद मिनटों

का ही समय लगेगा। उत्तर प्रदेश में करीब पौने दो लाख बूथ हैं। सभी बूथों पर भारतीय जनता पार्टी अपनी कमेटी बना रही है। इस कमेटी में कम से कम 11 सदस्य होंगे। इसका एक अध्यक्ष होगा। अध्यक्ष को एक सिम पार्टी देगी। इसके बाद में इस नंबर के आधार पर बूथ अध्यक्ष एक व्हाट्सएप ग्रुप बनाएगा। इस व्हाट्सएप ग्रुप में करीब 100 मेंबर होंगे। पन्ना प्रमुख, बूथ कमेटी के सदस्य और विस्तारक शामिल होंगे, जिसमें मंडल का अध्यक्ष भी इस ग्रुप का सदस्य होगा। ऐसे ही कुल पौने दो लाख ग्रुप शामिल होंगे जिससे लोकसभा चुनाव का पूरा अभियान डिजिटल चलाया जाएगा।यह काम 31 मार्च तक हो जाएगा। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश प्रवक्ता संजय चौधरी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी तकनीक के साथ खड़ी है। व्हाट्सएप ग्रुप हमारी लोकसभा चुनाव में जीत का आधार बनेंगे। ग्रुप के जरिये हमारे राष्ट्रीय अध्यक्ष भी बूथ अध्यक्ष से जब चाहेंगे जुड़ सकेंगे। हम लगातार सोशल मीडिया के जरिये कार्यकर्ताओं को जोड़ रहे हैं। कुछ अन्य बड़े अभियान भारतीय जनता पार्टी चलाएगी, जिसमें डिजिटल प्लेटफॉर्म की मदद लेगी।

नरेन्द्र मोदी का प्रधानमंत्री होना हमारा सौभाग्य है : डा0 रुपल अग्रवाल

संवाददाता

लखनऊ। भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न श्रद्धेय श्री अटल बिहारी बाजपेई जी की प्रेरणा से उनकी 98वी जन्म जयंती के उपलक्ष्य में हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट द्वारा सेक्टर 25, इंदिरा नगर, स्थित कार्यालय में दिनांक 25.12.2022 से संचालित तृतीय नि:शुल्क सिलाई कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला में, भाग लेने वाले प्रशिक्षणार्थियों को प्रमाण पत्र वितरण कार्यक्रम का आयोजन हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट के कार्यालय 25/2जी सेक्टर-25, रिंग रोड, इंदिरा नगर, लखनऊ में किया गया। लाभार्थियों ने प्रशिक्षण प्राप्त कर अपने-अपने द्वारा बनाये गये वस्त्रों, कपड़ों की प्रदर्शनी लगायी, जिसका अवलोकन हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट की न्यासी डॉ0 रूपल अग्रवाल ने किया । डॉ0 रूपल अग्रवाल ने होली के पावन अवसर पर सभी प्रशिक्षणार्थियों को बधाई देते हुए कहा कि हम सिलाई कौशल प्रशिक्षण कार्यशाला के द्वारा महिलाओं को नए सिलाई कौशल सिखाने और उन्हें अधिक आत्मनिर्भर बनाने हेतु प्रयासरत है। हमने इस कार्यक्रम को उन महिलाओं के लिए आयोजित किया है जो अपनी आर्थिक स्थिति को सुधारने के लिए तत्पर हैं । इस कार्यक्रम में, हमने सिलाई कौशल प्रशिक्षण के अंतर्गत सहभागिता लेने वाले प्रत्येक लाभार्थी को उचित रूप से प्रशिक्षित किया है। उन्हें नए सिलाई कौशल सिखाये हैं जो उन्हें उनकी आर्थिक स्थिति को सुधारने में मदद कर सकते हैं। इस कार्यक्रम में हमने बहुत से विषयों के बारे में बात की, जैसे कि कपड़ों को काटना, बुनना, सिलना, नवीनतम डिजाइन और विपणन करना आदि द्य माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी कहते है कि रिफॉर्म, परफॉर्म और ट्रांसफॉर्म के सिद्धांत द्वारा संचालित ईज ऑफडूइंग बिजनेस में कई लाभ हुए हैं। ये लाभ विशेष रूप से भारत के युवाओं को लाभान्वित करते हैं और धन सृजक बनने की उनकी आकांक्षाओं को पंख देते हैं। हम सभी भारतीय सौभाग्यशाली है कि नरेन्द्र मोदी देश के प्रधानमंत्री है और वह निरंतर देश को विकसित करने हेतु प्रयासरत है। डॉ0 रूपल अग्रवाल ने सभी लाभार्थियों से अपील की हम सभी को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का साथ देना चाहिए और उनके मन्त्र सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास, सबका प्रयास को आत्मसात करना चाहिए। डॉ0 रूपल अग्रवाल अंत में कहा कि सभी लाभार्थी जीवन में अपने अपने सपनो को पूरा करे, ऐसी हमारी प्रभु श्री राम से प्रार्थना है। कार्यशाला में प्रशिक्षणार्थियों व प्रशिक्षणकर्ता को सहभागिता प्रमाण-पत्र डॉ0 रूपल अग्रवाल ने अपने कर कमलों से प्रदान किए, जिसे पाकर लाभार्थियों के चेहरे खुशी से खिल उठे। सहभागिता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने वालों में सोनिका, ज्योति गिरी, मोनिका केवट, अनीता सिंह, गायत्री राज, महिमा, वर्तिका रावत, आँचल श्रीवास्तव, मालिनी, कृष्णा शर्मा, रीमा, रेखा वर्मा, रेखा चौहान तथा रौशनी कनौजिया हैं। इस अवसर पर हेल्प यू एजुकेशनल एंड चौरिटेबल ट्रस्ट के स्वयंसेवकों की उपस्थिति रही।

लखनऊ के सेवायोजन कार्यालय मे प्रशिक्षण हेतु, 1 अप्रैल से शुरू होंगे आवेदन

संवाददाता

लखनऊ। लखनऊ मंडल के सहायक निदेशक (सेवायोजन) ने बताया कि क्षेत्रीय सेवायोजन कार्यालय लालबाग लखनऊ के अन्तर्गत अनुसूचित जाति व जनजाति एवं अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों हेतु 1 अप्रैल से प्रारम्भ होने वाले नि:शुल्क वार्षिक प्रशिक्षण में प्रवेश हेतु इच्छुक अभ्यर्थीगण इस कार्यालय के कमरा नम्बर 8 में अपना आवेदन-पत्र 10 मार्च से 25 मार्च के बीच (अवकाश के दिनों को छोड़कर कार्यालय अवधि में) जमा कर सकते हैं। आवेदन पत्र का प्रारूप कार्यालय के नोटिस बोर्ड पर देखा जा सकता है। अभ्यर्थियों की न्यूनतम शैक्षिक योग्यता इण्टर पास (हाईस्कूल में अंग्रेजी विषय के साथ) तथा आयु सीमा 18 वर्ष से 35 वर्ष के मध्य होनी चाहिए। केन्द्र में अभ्यर्थियों को तृतीय श्रेणी की प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी हेतु निम्नांकित विषयों में यथा- सामान्य ज्ञान, सामान्य हिन्दी सामान्य गणित सामान्य अंग्रेजी, कम्प्यूटर, टंकण एवं आशुलिपि विषयों में तैयारी कराई जाती है। अनुसूचित जाति व अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार 27 मार्च को सुबह 11 बजे से तथा अन्य पिछड़े वर्ग के अभ्यर्थियों का साक्षात्कार दिनांक- 28 मार्च को सुबह 11 बजे से होगा। अभ्यर्थी अपनी समस्त शैक्षिक योग्यताओं, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड की स्वप्रमाणित छायाप्रति तथा अपनी एक फोटो आवेदन पत्र के साथ अवश्य संलग्न करें इस हेतु अभ्यर्थी को कोई मार्ग व्यय देय न होगा।

विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के कारण व्यापारियों का कारोबार चौपट

व्यापारियों ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के खिलाफ खोला मोर्चा

संवाददाता, लखनऊ। उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल एवं कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के तत्वावधान में लखनऊ में व्यापारियों ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजॉन एवं 70 फीसदी से अधिक शेयर धारक विदेशी कंपनी की पूँजी के सहयोग से चलने वाली ई कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट एवं अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के पुतलो का होलिका दहन किया।उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल ने देश एवं प्रदेश में ई कॉमर्स नीति बनाने की मांग की। व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा कि ई-कॉमर्स नीतिष् ना होने के कारण अनुचित एवं मनमाने तरीके से व्यापार करते हुए परंपरागत व्यापारियों को खत्म करने की विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां साजिश रच रही हैं।कैट के आवाहन पर उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ सहित देश के सभी प्रमुख राज्यों की राजधानी में व्यापारियों ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनी ऐमेजॉन, 70 फीसदीसे अधिक शेयर धारक विदेशी कंपनी की पूंजी की सहायता से चलने वाली ई कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट सहित अन्य ई-कॉमर्स कंपनियों के पुतलो का होलिका दहन किया। लखनऊ में उदय गंज चौराहे पर उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष एवं कनफेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रांतीय चेयरमैन संजय गुप्ता के नेतृत्व में राजधानी के व्यापारियों ने विदेशी ई-कॉमर्स कंपनी अमेजॉन, विदेशी कंपनी के सहयोग से चलने वाली ई कॉमर्स कंपनी फ्लिपकार्ट एवं अन्य ई कॉमर्स कंपनियों के पुतले बनाकर उनका होलिका दहन किया। इस अवसर पर बोलते हुए उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रदेश अध्यक्ष एवं कनफेडरेशन ऑल इंडिया ट्रेडर्स के प्रांतीय चेयरमैन संजय गुप्ता ने कहा विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के कारण देश के परंपरागत व्यापारियों का व्यापार बुरी तरह चौपट हो रहा है अनेक परंपरागत व्यापारियों को अपने प्रतिष्ठान बंद करने पड़ गए हैं तथा वर्तमान में प्रदेश एवं देश के रिटेल व्यापारियों को बहुत ही खराब स्थिति का सामना करना पड़ रहा है उन्होंने कहा कि देश एवं प्रदेश में ई कॉमर्स की कोई पॉलिसी ना होने के कारण विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियां भारत के नियम कानूनों की अपने हिसाब से व्याख्या एवं उल्लंघन करते हुए व्यापार कर रहे हैं जिसके कारण परंपरागत व्यापारियों का व्यापार खत्म हो रहा है व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों ने भारत में घाटा खाने का अपने एक बजट का प्रावधान कर रखा है जिसके कारण डीप डिस्काउंटिंग कर रहे है व्यापारी नेता संजय गुप्ता ने कहा यह कंपनियां उत्पादों की पैकिंग एवं विक्रय मूल्यों का भी अपने हिसाब से निर्धारण कर रही हैं उन्होंने आशंका व्यक्त करते हुए कहाजब यह कंपनियां पूर्णतया लोगों की क्रय पद्धति में बदलाव एवं परंपरागत व्यापारियों को पूर्णतया खत्म करते हुए रिटेल व्यापार पर एकाधिकार करने में सफल हो जाएंगी तब इनका असली स्वरूप दिखेगा तथा अपने सभी घाटों की भरपाई देश की जनता से ही करेंगी लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी होगी।उत्तर प्रदेश आदर्श व्यापार मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष एवं कैट के प्रांतीय चेयरमैन संजय गुप्ता ने प्रदेश एवं देश में ई कॉमर्स पॉलिसी बनाने की मांग की।उन्होंने कहा यदि जल्दी ही इन विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों को अंकुश नहीं लगाया गया तो प्रदेश एवं देश के रिटेल व्यापारियों के सामने अपने व्यापार को बचाए रखने की बहुत बड़ी चुनौती आ जाएगी तथा व्यापारियों के सामने रोजी-रोटी का संकट आ जाएगा उन्होंने कहा परंपरागत व्यापारी सभी सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में भरपूर सहभागिता करते हैं एवं लोगों को रोजगार देने का सबसे बड़ा माध्यम परम्परागत व्यापारी ही है।विदेशी ई-कॉमर्स कंपनियों के पुतलो की होलिका दहन कार्यक्रम में संगठन के प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष अविनाश त्रिपाठी, प्रदेश कोषाध्यक्ष मोहम्मद अफजल,प्रदेश उपाध्यक्ष गुरुप्रीत सिंह चड्ढा,नगर अध्यक्ष हरजिन्दर सिंह, नगर महामंत्री आशीष गुप्ता, राजीव शुक्ला,अमित अगरवाल,मोहित कपूर,नगर उपाध्यक्ष डॉ.साकेत चतुर्वेदी,श्याम सुन्दर अग्रवाल,रोहित गुप्ता,विनोद अग्रवाल, सुभाष अगरवाल ,ट्रांस गोमती प्रभारी मनीष पांडेय,अद्यक्ष अनिरुद्ध निगम,मनमोहन सिंह मोनी, मो. आदिल,,इन्दर गांधी, मो.आरिफ़ अजितेशश्रीवास्तव,सनी,मोनिश खां, अमित अवस्थी,ओरिंदर पाल सिंह सहित बड़ी संख्या में व्यापारी शामिल थे।

युद्ध स्तर पर चल रही सजल श्रद्धा प्रखर प्रज्ञा के स्थापना की तैयारी

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

रायबरेली। गायत्री शक्तिपीठ रायबरेली में युग्म के समाधि स्थल जल श्रद्धा प्रखर प्रज्ञा की स्थापना की तैयारी युद्ध स्तर पर चल रही है। इन प्रतीकों की प्राण प्रतिष्ठा गायत्री शक्तिपीठ पर शान्तिकुन्ज हरिद्वार से आए प्रबुद्ध आचार्यों द्वारा वैदिक रिति से आज की जाएगी, जिसके पश्चात आगामी 12 मार्च को डा चिन्मय पाण्डया प्रो वाइस चांसलर देव संस्कृति विश्व विद्यालय शान्तिकुन्ज हरिद्वार के द्वारा सजल श्रृद्धा प्रखर प्रज्ञा का अनावरण किया जाएगा।

गायत्री परिवार के सभी साधको के लिए यह ऐतिहासिक क्षण है। सजल श्रद्धा एवं प्रखर प्रज्ञा ऋषि युग्म पं श्रीराम शर्मा आचार्य एवं माता भगवती देवी शर्मा की सूक्ष्म चेतन शक्ति का प्रतीक होने के साथ ही गायत्री परिवार के करोड़ों साधकों की आस्था का प्रमुख केन्द्र है। गायत्री शक्तिपीठ रायबरेली इन पावन प्रतीकों की स्थापना के बाद जिले में आध्यात्मिक ऊँर्जा का प्रमुख केन्द्र बन जाएगा और शान्तिकुन्ज हरिद्वार की भाँति यहाँ से भी सभी धर्मनिष्ठ साधको को आध्यात्मिक प्रकाश के साथ ऋषि युग्म का सूक्ष्म संरक्षण प्राप्त होता रहेगा। इन प्रतीकों के विषय में मिषन के करोड़ों साधको की दिव्य अनुभूतियां एवं प्रेरणाएं है जिसने विषम परिस्थतियों में उनका मार्गदर्शन करने के साथ ही उनकी मनोकामनाओं की पूर्ति भी की युगऋषि श्रीराम शर्मा आचार्य ने समाधिस्थ होने से पूर्व अपने करोड़ों शिष्यों को यह आश्वासन दिया था कि जब भी तुम्हें कोई असाध्य कष्ट हो, कोई समाधान न दिख रहा हो और कोई साथ देने वाला न दिखाई दे रहा हो, ऐसी विषम स्थिति में तुम हमारी समाधि के इन प्रतीको के पास आकर अपनी बात रखना जहाँ सजल श्रृद्धा के रूप में माता जी तुम्हारे सारे

कष्टों को दूर करेगी और में प्रखर प्रज्ञा के रूप में तुम्हारा मार्गदर्शन करूंगा। ऋषि युग्म के इस आश्वासन को सभी साधकों ने जीवन में कई बार अनुभव किया है। इन्हीं साधकों में से एक सन्दीप त्रिपाठी जो कि रायबरेली गायत्री परिवार के सकिय कार्यकर्ता रहे हैं ने अपन अनुभव साझा करते हुए बताया कि सन् 2009 में बड़ी ही विषम परिस्थितियों में वो अपनी पीड़ा इन्ही प्रतीको के समक्ष अपनी पीडा व्यक्त की जिसके बाद उन्हें वहां से जयपुर जाने की प्रेरणा हुई। और दुविधा लेकर शान्तिकुन्ज हरिद्वार पहुचें और 3 दिन तक वहां स्थापित

सरकारी संस्थानों के निजीकरण के खिलाफ कांग्रेसियों ने किया धरना प्रदर्शन

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

महराजगंज, रायबरेली। भाजपा सरकार पर अडानी समूह में एलआईसी व एसबीआई जैसी सरकारी संस्थानों के लेन देन व एलआईसी के निजीकरण के अंदेशे पर एसबीआई की शाखा पहरेमऊ व महराजगंज के बाहर कांग्रेसियों ने नारेबाजी करके धरना प्रदर्शन किया। इस दौरान कांग्रेसियों ने मोदी सरकार पर अडानी की कंपनी को अनुचित लाभ दिलाने के लिए बैंकों व एलआईसी समूह पर दबाव बना अनुचित लाभ दिलाने का आरोप लगाया।इस दौरान एसबीआई पहरे मऊ धरने में शामिल सदर विधानसभा प्रत्याशी रहे डॉ मनीष सिंह चौहान ने कहा कि आम जनता की कीमत पर अपने करीबी दोस्तों व चुनिंदा अरबपतियों को फायदा पहुचाने की मोदी सरकार की नीतियों से पूरा देश बेहद चिंतित है। वहीं सदर विधानसभा प्रभारी नौशाद खतीब ने कहा कि मोदी सरकार द्वारा अडानी समूह में एलआईसी और एसबीआई जैसे सरकारी संस्थानों के बेहद जोखिम भरे लेन देन और निवेश ने भारत के करीबन 29 करोड़ एलआईसी पॉलिसीधारकों और एसबीआई के करीबन 45 करोड़ खाताधारकों पर प्रतिकूल प्रभाव डाला है। एसबीआई महराजगंज के सामने धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए एआईसीसी सदस्य सुशील पासी ने कहा कि एलआईसी और एसबीआई जैसे संस्थान हमारे देश का गौरव हैं और करोडों भारतीयों की कमाई से बने हैं। केंद्र की भाजपा सरकार द्वारा अपने अरबपति दोस्तों को फायदा पहुंचाने के इरादे से एलआईसी, एसबीआई व अन्य सार्वजनिक क्षेत्र के बैंको पर दबाव बना अडानी समूह में निवेश कराया गया है।जिससे पिछले कुछ दिनों में एलआईसी के करोड़ों पॉलिसीधारक व निवेशको को करीब 33 हजार करोड़ का नुकसान उठाना पड़ रहा है। महिला जिलाध्यक्ष शैलजा सिंह ने कहा कि एसबीआई और अन्य भारतीय बैंको पर भाजपा की मोदी सरकार ने दबाव बना अडानी समूह को भारी मात्रा में ऋण दिलाया जिससे अडानी समुह पर भारतीय बैंको का लगभग 80 हजार करोड़ का बकाया है। इस दौरान एआईसीसी सदस्य राहुल बाजपेई, ब्लाक अध्यक्ष अमांवा अशरफ खां, महराजगंज ब्लाक अध्यक्ष प्रदीप चौधरी,आरके सिंह,अनवार खां, सुमित्रा रावत, रमाकांत सिंह, सफीर खां, प्रेम वर्मा,शिव बहादुर,भोला सिंह सहित सैकड़ों की संख्या में कांग्रेसी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सड़क निर्माण की मांग पूरी होने पर अनशनकारी रामकेवल बाबा ने किया होली मिलन समारोह

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

- अनशनकारी बाबा की मेहनत लाई रंग, मार्ग नवीनीकरण हेतु 29 करोड़ रुपए निर्गत

महराजगंज,रायबरेली। सड़क निर्माण की मांग पूरी करते हुए शासन द्वारा 29 करोड़ रुपए निर्गत किए जाने की खुशी में अनशनकारी बाबा द्वारा आत्मिक सम्मान एवं होली मिलन समारोह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। बताते चले की जर्जर महराजगंज इन्हौना मार्ग (27 किमी) के नवीनीकरण को लेकर विगत दिनों बाबा रामकेवल (अनशन कारी) द्वारा अपने सहयोगियों एवं समर्थकों के साथ दस दिनो तक अनशन पर बैठा गया जहाँ एडीएम एवं विधायक नें पहुंच सड़क निर्माण का आश्वासन दिया। इस दौरान आयोजित विधानसभा सत्र में सड़क निर्माण को लेकर 29 करोड़ रुपए जारी करने की खुशी में गुरुवार को क्षेत्र की जनता की ओर से सरकार, नेता, प्रशासन व सड़क निर्माण आंदोलन में शामिल सहयोगियों का आभार प्रकट करते हुए अनशन कारी बाबा द्वारा समर्थकों, सहयोगियों आदि का आभार प्रकट करने को आत्मिक सम्मान व होली मिलन समारोह का आयोजन पूरे सुखई स्थित तिराहे पर किया। इस दौरान आंदोलन में सक्रिय भूमिका निभाने वाले सेवा निवृत फौजी रमा शंकर शर्मा, पूर्व प्रधान छेदी लाल,रामनरेश रावत,अनिल शर्मा शास्त्री, धर्मराज रावत, विद्यावती, प्रेमलता,राजेश कुमार,विश्वनाथ भारती,मनोज रावत, माधुरी भारती, केतार, दसाऊ बाबा अर्जुन,अधिवक्ता मोहन सिंह, अधिवक्ता सुशील पांडे, अशोक, नीरज भारती किशोर,पूर्व प्रधान मथुरा पासी को अंगवस्त्र एवं फूलों की माला पहना सम्मानित किया वहीं आंदोलन में सहयोग एवं समर्थन करने वाले अधिवक्ता संघ के पदाधिकारियो, प्रधान प्रतिनिधि रणविजय सिंह, दिलीप शर्मा,महराजगंज प्रेस क्लब टीम आदि का बाबा अनशनकारी द्वारा आभार प्रकट किया गया।

एकता, भाईचारे और उल्लास का पर्व है होली -जय प्रकाश

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

हरदोई । शाहाबाद होली महोत्सव में सांसद जय प्रकाश रावत ने कहा कि होली सामाजिक समरसता,एकता, भाईचारे, आनंद और उल्लास का पर्व है। राम वाटिका मैदान में मित्र परिवार उत्तर प्रदेश के तत्वावधान में आयोजित होली महोत्सव में सांसद ने कहा कि उन्होंने कहा कि होली का ऐतिहासिक पर्व समाज में सद्भाव राष्ट्रीय एकता एवं भाईचारे का ज्वलंत उदाहरण है। सभी जनपद के नागरिक इस ऐतिहासिक पर्व को परंपरागत एवं मेलजोल के साथ मनाते हैं। जिला पंचायत अध्यक्ष प्रेमावती ने कहा कि कहा कि होली सनातन परंपरा का प्रमुख व समता, सौहार्द एवं उल्लास का प्रतीक पर्व है, जो हमें अधर्म, असत्य एवं अन्याय जैसी नकारात्मक प्रवृत्तियों से लड़ने की प्रेरणा देता है। ग्रामीण पत्रकार एसोसिएशन के मण्डल अध्यक्ष अतुल कपूर ने कहा कि कहा कि होली में उमंग, उत्साह, आत्मीयता, स्नेह और आनंद के रंगों की बरसात होती है। भारतीय संस्कृति ने विश्व को एक परिवार माना है, जिसका आधार प्राणियों में सद्भावना है। ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र ने कहा कि होली का पर्व प्यार का संदेश देता है। सबको साथ लेकर भेदभाव को समाप्त करता है। होली का ताना-बाना ऐसा है, जो प्रेम बढ़ाता, दर्द घटाता है। इसके अलावा प्रभारी निरीक्षक सुरेश कुमार मिश्र ने होली को भाई चारे और प्रेम का पर्व बताया। होली महोत्सव का शुभारंभ सांसद जय प्रकाश रावत ने दीप प्रज्ज्वलित कर किया।एक से बढ़कर एक प्रस्तुतियों ने महोत्सव में समां बांधा। भाजपा जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र नीरज ने कहा कि होली हो और गीत न हों तो त्यौहार थोड़ा अधूरा सा ही प्रतीत होता है। एक वक्त था जब गांवों कस्बों में रंग वाले दिन की सांझ ष्मिलाभेंटीष् हुआ करती थी। पूरा का पूरा गांव एकत्रित हो जाता था। लोक होली गीत समां बांधते थे और सभी एक दूसरे से सौहार्दपूर्ण वातावरण में गले मिलते थे। मित्र परिवार के तत्वावधान में इस होली महोत्सव में जनपद शाहजहांपुर एवं हरदोई के उदीयमान गायकों, कलाकारों ने अपनी कलात्मक प्रस्तुतियों से होली के विविध रूपों को वर्णित किया।विभिन्न मंचों पर शहीदों की नगरी जनपद शाहजहांपुर की प्रतिष्ठा बढ़ाने संजीव सक्सेना, मनोज सक्सेना, कुमार धर्मेन्द्र ने होली मिलन कार्यक्रम को बखूबी सजाया। इस मौके पर पूर्व ब्लाक प्रमुख रोली गुप्ता के प्र. नवनीत गुप्ता ने कहा कि होली भाईचारे का त्यौहार है व इससे प्रेम व सौहार्द को बढ़ावा मिलता है। संयोजक अनुराग श्रीवास्तव ने होली को विश्व बंधुत्व की भावना वाला त्यौहार बताया। नीलम के नृत्य और पूजा के गायन ने सभी को लुभाया। इस अवसर पर प्रभाकर बाजपेई ने सभी से इस त्यौहार को सौहार्दपूर्ण वातावरण में मनाने की अपील की।अम्बरीष कुमार सक्सेना के संचालन में हुए होली महोत्सव में सांसद जय प्रकाश रावत, भाजपा जिला अध्यक्ष सौरभ मिश्र ष्नीरजष्जिला पंचायत अध्यक्ष

प्रेमावती, उत्कृष्ट पत्रकारिता के लिए अतुल कपूर, डॉ शारिक परवेज,ब्लॉक प्रमुख त्रिपुरेश मिश्र,शिव सत्संग मण्डल अध्यक्ष आचार्य अशोक आदि उत्कृष्ट समाज सेवा के लिए सम्मानित किया गया।

उद्योगों तक ही सीमित नहीं है सीआईएसएफ राष्ट्र की सुरक्षा में इसका योगदान अतुलनीय : अभय कुमार सैमयार

- औद्योगिक सुरक्षा बल के 54वें स्थापना दिवस पर एनटीपीसी में हुआ शहीद स्मारक का उद्घाटन

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के 54 वें स्थापना दिवस पर एनटीपीसी ऊंचाहार के परियोजना प्रमुख अभय कुमार सैमयार ने कहा कि सीआईएसफआज सिर्फउद्योगों तक सीमित नहीं है। राष्ट्र की सुरक्षा में इस सशस्त्र सेना बल का योगदान अतुलनीय है। उन्होंने कहा कि भारत की आंतरिक सुरक्षा में सीआईएसफ की भूमिका और उसका योगदान सर्वोच्च है। केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल के स्थानीय यूनिट में स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित समारोह में परियोजना प्रमुख ने सभी कर्मचारियों और अधिकारियों को बधाई देते हुए कहा कि ऊंचाहार एनटीपीसी की बाउंड्री की सुरक्षा के साथ-साथ सीआईएसफने सामाजिक सेवा में भी बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया है। कोविड के दौरान आसपास के क्षेत्र में सैनिटाइजेशन में सशस्त्र बल के जवानों ने कदम से कदम मिलाकर सामाजिक सेवा की है। इस मौके पर सीआईएसफके कमांडेंट प्रतीक रघुवंशी ने सीआईएसफका कैप पहना कर मुख्य अतिथि का स्वागत किया। परियोजना प्रमुख ने इस अवसर पर

शहीद स्मारक का उद्घाटन भी किया है। इस मौके पर इकाई के प्रभारी के साथ अन्य सशस्त्र सेना बल के जवान और अधिकारी मौजूद रहे।

गंदा नाला में मिले युवक के शव की हुई शिनाख्त, रेस्टोरेंट संचालक समेत पांच पर मुकदमा दर्ज, चार गिरफ्तार

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

ऊँचाहार, रायबरेली। होली के दिन क्षेत्र के जमालपुर माफी गांव के पास गंदा नाला में औंधे मुंह मिले युवक के शव की शिनाख्त हो गई है। मृतक क्षेत्र के सवैया तिराहा स्थित नन्दलाल रेस्टोरेंट में वेटर था। मामले में रेस्टोरेंट संचालक ने चार लोगों के साथ वेटर की हत्या कर शव छिपाने के उद्देश्य से नाले में फेंक दिया था। मृतक के भाई की तहरीर पर पुलिस ने रेस्टोरेंट संचालक समेत पांच लोगों पर मुकदमा दर्ज कर चार लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है। वही पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष राकेश मौर्य के वाहन का भी प्रयोग किया गया था। पुलिस ने उनके वाहन को भी कब्जे में लिया है। हरचंदपुर कस्बा निवासी संजय कश्यप सवैया तिराहा स्थित नंदलाल रेस्टोरेंट में वेटर का काम करता था। गत बुधवार को क्षेत्र के जमालपुर माफी गांव के पास गंदा नाला में उसका औधें मुंह शव पाया गया था। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में संजय कश्यप की मौत का कारण मारपीट व गला दबाकर हत्या करने की बात आई है। गुरुवार को हरचंदपुर कस्बा निवासी मृतक संजय कश्यप के भाई शिवम कश्यप ने रेस्टोरेंट संचालक संतोष चौरसिया समेत चार अन्य लोगों को नामजद करते हुए कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया था। जिसके बाद हरकत में आई पुलिस ने पांचों आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। शुक्रवार की सुबह पुलिस ने खोजनपुर निवासी संतोष चौरसिया, मदारीपुर निवासी

जितेंद्र कुमार, मोहनलालगंज थाना अंतर्गत शशेड़ी निवासी अनिल शर्मा, गोकना निवासी दीपू सिंह उर्फशिव शंकर सिंह को गिरफ्तार कर कोतवाली लाई। जिसके बाद उन्हें जेल भेजा गया है।इस बाबत कोतवाल बालेंदु गौतम ने बताया कि मृतक संजय कश्यप के भाई शिवम कश्यप की तहरीर पर रेस्टोरेंट संचालक संतोष चौरसिया, जितेंद्र कुमार यादव, अनिल शर्मा तथा दीपू सिंह उर्फ शिवशंकर सिंह को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया है। वहीं पांचवें हत्या आरोपित दीपक उर्फदीपू मौर्या की तलाश की जा रही है। जिसे भी जल्द गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

एनटीपीसी टांडा में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर। महिला दिवस 2023 के अवसर पर एनटीपीसी टांडा द्वारा कॉलोनी के सप्तरंग क्लब में कार्यक्रम का आयोजन किया गयाद्य कार्यक्रम में सशक्त एवं सफल महिलाओं के जीवन पर भी चर्चा की गयीद्य कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में महिलाओं की सकारात्मक भूमिका को बढाना एवं अपने प्रयासों के लिए लक्ष्यों को तय करना रहा इस अवसर पर परियोजना के मुख्य महाप्रबंधक बी.सी.पलेई, महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं) डॉ.उदयन तिवारी, महाप्रबंधक (परियोजना)अतुल गुप्ता, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन)पी.एल. नरसिम्हा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन. पाणिग्राही, महाप्रबंधक (प्रचालन)अभय कुमार मिश्रा व गरिमा महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती आरती पलेई, उपाध्यक्षा श्रीमती अपर्णा गुप्ता, उपाध्यक्षा डॉ. साधना तिवारी एवं अन्य पदाधिकारी व सदस्याएं उपस्थित रहींद्य इसके साथ ही महिला कर्मचारियों ने भी कार्यक्रम में बढ़-चढकर हिस्सा लिया मुख्य महाप्रबंधक बी.सी.पलेई ने कहा कि इस महिला दिवस पर, हम सभी को संकल्प लेने की

आवश्यकता है कि हम महिलाओं के उज्जवल भविष्य के लिए काम करें। हमें समाज में स्त्री शक्ति की स्थानीय अधिकारों को सुनिश्चित करना चाहिए ताकि हम समस्याओं का समाधान कर सकें और सभी के लिए समान अवसर पैदा कर सकें। श्रीमती पलेई ने कहा कि हम सभी महिलाओं की उन सफलताओं को सम्मानित करते हैं जो उन्होंने सामाजिक, आर्थिक और सांस्कृतिक क्षेत्रों में हासिल की हैं। आज एनटीपीसी टांडा महिलाओं के विकास में निरंतर प्रयासरत हैं, ताकि वे समान अधिकारों का लाभ उठा सकें और आगे बढ़ सकें। इस अवसर पर उन्होंने बालिका सशक्तिकरण में एनटीपीसी टांडा एवं गरिमा महिला मंडल की सदस्याओं के प्रयासों की भी प्रशंसा की कार्यक्रम में महाप्रबंधक (मानव संसाधन) एस.एन. पाणिग्राही, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) पी.एल. नरसिम्हा, गरिमा महिला मंडल की उपाध्यक्षा श्रीमती अपर्णा गुप्ता ने अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन उप-महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्रीमती मृणालिनी ने किया एवं जानकारी साझा करते हुए बताया कि कॉलोनी के सप्तरंग क्लब में महिला दिवस के अवसर पर दिनांक 10.03.2023 को मेदान्ता अस्पताल द्वारा एक स्वास्थ्य जागरूकता कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक

स्टार एक्सप्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर। जिलाधिकारी अविनाश सिंह की अध्यक्षता में कर करेत्तर एवं राजस्व कार्यो की मासिक समीक्षा बैठक कलेक्ट्रेट सभागार में आयोजित किया गया। बैठक में कर करेत्तर एवं राजस्व संग्रह, भू राजस्व, वाणिज्य कर, स्टांप देय, व्यापार कर, बैंक देय, रॉयल्टी, आबकारी, परिवहन, विद्युत देय आदि की समीक्षा में जिन जिन विभागों के लक्ष्य के सापेक्ष वसूली कम पाई गई ।उन उन विभागों को जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देश दिया गया कि लक्ष्य के सापेक्ष वसूली में तेजी लाया जाय।अन्यथा की दशा में कड़ी कार्रवाई की जाएगी। जिलाधिकारी महोदय द्वारा अवगत कराया गया कि मार्च माह में वसूली की प्रमुखता पर बल दिया गया।इसके अतिरिक्त जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिकारियों को अवगत कराया गया कि आम जनमानस के साथ संवेदनशीलता का व्यवहार करें तथा कार्यों में निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं जीरो टॉलरेंस दिखाई दे।बैठक के दौरान जिलाधिकारी ने समस्त उप जिलाधिकारीध् तहसीलदारध् नायब तहसीलदार को निर्देशित किया गया कि अपने कोर्ट पर नियमित रूप से सुनवाई किया जाए।जिससे लम्बित मुकदमों का यथा शीघ्र निस्तारण हो सके। बैठक के दौरान अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) सदानंद गुप्ता, अपर जिलाधिकारी न्यायिक,अपर उप जिलाधिकारी मोहनलाल गुप्ता, समस्त उप जिलाधिकारी/तहसीलदार/नायब तहसीलदार, जिला सूचना अधिकारी संतोष कुमार द्विवेदी संबंधित विभाग के अधिकारी तथा राजस्व विभाग के अधिकारीध् कर्मचारी मौके पर उपस्थित रहें।

टेंट हाउस मजदूर को रंजिशन दबंगों ने पीटा

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। एक निमंत्रण में सोते समय टेंट हाउस के मजदूर पर रंजिशन दबंगों ने हमला कर उसे मारपीट कर घायल कर दिया, पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने तीन लोगों के विरुद्ध मारपीट का मुकदमा दर्ज किया है। मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव पूरे सेवक का है, जहां गुरुवार को गाँव में आयोजित शादी समारोह में टेंट लगाने गदागंज थाना क्षेत्र के बंडई मजरे हथकुई गांव निवासी प्रदीप कुमार आया था, बताते हैं कि वो शादी कार्यक्रम में खा पीकर सो रहा था, तभी आरोप है कि उसके गांव का एक व्यक्ति अपने दो साथियों के साथ आया और उस पर लाठी डंडे से हमला कर उसे मारपीट कर घायल कर दिया,पीड़ित ने शुक्रवार को कोतवाली पहुंचकर तहरीर दी है। कोतवाल बालेन्दु गौतम ने बताया कि मारपीट के मामले में प्रदीप की तहरीर पर जीतू निवासी बंडई ,अनुज व मोनू निवासी नसीरनपुर थाना गदागंज के विरुद्ध मारपीट का मामला दर्ज कर तलाश की जा रही है।

आवंटित तालाब की जमीन पर हो रहे निर्माण की तहसीलदार से शिकायत

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। सरेनी ग्राम पंचायत में मत्स्य पालन के लिए आवंटित तालाब की जमीन पर गांव के ही एक व्यक्ति द्वारा जबरन निर्माण कार्य किया जा रहा है, तहसीलदार से मामले की शिकायत की गई है। गाँव निवासी दिलीप कुमार का कहना है कि उसे मत्स्य पालन के लिए तालाब के कुछ हिस्से का आबंटन हुआ है, जिस पर गाँव के ही एक व्यक्ति द्वारा जबरन निर्माण किया जा रहा है, और विरोध करने पर जान से मारने की धमकी भी दी जा रही है। पीड़ित ने शुक्रवार को तहसील पहुंचकर मामले की शिकायत की है।

बुआ के घर आये युवक को मामूली कहासुनी में दबंग ने पीटा, टूटा पैर

संवाददाता, ऊँचाहार, रायबरेली। रिश्तेदारी आये युवक को मामूली कहासुनी में दबंग ने मारपीट कर उसका पैर तोड़ डाला, पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर युवक के विरुद्ध तहरीर देकर कार्यवाही की मांग की है।मामला कोतवाली क्षेत्र के गांव पिपरहा का है, जहां क्षेत्र के भिखनापुर गाँव निवासी आर्यन शुक्रवार को अपनी बुआ के घर आया था, जहां गांव के ही एक व्यक्ति से उसका विवाद हो गया, आरोप है कि युवक ने लोहे की रॉड से मारकर उसका पैर तोड़ डाला, पीड़ित ने कोतवाली पहुंचकर मामले की तहरीर दी है।

नशा मनुष्य को अन्दर ही अन्दर करता है खोखला : सर्वेश कांत वर्मा

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर। कटका क्लब सामाजिक संस्था की तरफसे शुक्रवार को नशा के खिलाफअभियान कूरेभार क्षेत्र के चाचा नेहरू इंटर कॉलेज व कृष्णा इंटर कॉलेज पटना में चलाया गया । कार्यक्रम का अध्यक्षता रवि जायसवाल ने किया । कार्यक्रम के मुख्यवक्ता सर्वेश कांत वर्मा साहित्यकार ने कहा कि युवाओं का योगदान ही समाज में फैल रहे नशे जैसी कुरीति को दूर करने में सक्षम है। उन्होंने छात्र-छात्राओं से नशे को समाज से मुक्त करने का आह्वान करते हुए कहा कि किसी भी प्रकार का नशा मनुष्य को अन्दर ही अन्दर खोखला करता है, नशे से बचें तथा इससे होने वाले शारीरिक, मानसिक व आर्थिक नुकसान से परिवार व पड़ोसियों को भी अवगत कराएं। गुटका और तम्बाकू को जड़ से उखड़ फेकने के लिए सब सामने आए जिसे सब स्वास्थ समाज का निर्माण हो सके । इस मौके पर कटका क्लब संस्था के अध्यक्ष सौरभ मिश्रा ने कहा कि नशा नाश कर देंगा , नशा एक सामाजिक बुराई है। इस बुराई से लड़ने के लिए समाज के सभी लोगों को एकजुट होना होगा, तभी इस अभिशाप को जड़ से खत्म कर सकते हैं। नशा शरीर के लिए खतरनाक है, वहीं, अपराध का भी मुख्य कारण है। कार्यक्रम का संचालन विद्यालय के प्रबंधक बजरंगी प्रसाद यादव ने किया ।इस मौके पर उपस्थित अल्ताफ चाचा नेहरू के प्रबंधक, अमरदीप यादव, कोमल, रमेश ,सुरेश, विजय, सर्वेश, वह दर्जनों लोग उपस्थित रहे ।

निवेशकों को अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी दें - शमशाद हुसैन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर। मुख्य राजस्व अधिकारी शमशाद हुसैन की अध्यक्षता में शुक्रवार को एम0ओ0यू0 हस्ताक्षरित निवेशकों की बैठक विकास भवन स्थित प्रेरणा सभागार में आयोजित की गयी। बैठक में हस्ताक्षरित एम0ओ0यू0 को धरातल पर उतारने के लिये निवेशकों की भूमि, विद्युत, बैंकों एवं अन्य विभागों की एन0ओ0सी0 की समस्याओं पर चर्चा की गयी। बैठक में उपायुक्त उद्योग द्वारा हस्ताक्षरित एक एम0ओ0यू0 के क्रियान्वयन की प्रक्रिया एवं एम0एस0एम0ई0 विभाग की नीति 2022 में उद्यमियों को लाभान्वित कराने के बारे में बताया गया तथा अन्य विभाग के अधिकारियों द्वारा अपने-अपने विभाग से सम्बन्धित योजनाओं की जानकारी उद्यमियोंनिवेशकों को दी गयी। मुख्य राजस्व अधिकारी द्वारा सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि वे निवेशकों को अपने विभाग की योजनाओं की विस्तृत रूप से जानकारी और निवेशकों को आ रही समस्याओं का निस्तारण ससमय करायें। बैठक में जिला विकास अधिकारी ने कहा कि निवेशकों एवं सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों की एक वाट्स एप ग्रुप बना लिया जाय, जिससे विभाग की योजनाओं एवं उद्यमियों की समस्याओं को भी ग्रुप में शेयर कर निस्तारण कराया जाय। इस अवसर पर जिला विकास अधिकारी अजय कुमार पाण्डेय, मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, उपायुक्त उद्योग अनूप श्रीवास्तव, पर्यावरण अधिकारी, प्रभागीय वन अधिकारी के प्रतिनिधि, एल0डी0एम0 अनुराग शंखवार, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी आशीष कुमार, जिला उद्यान अधिकारी रणविजय सिंह सहित अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

सुप्रीम कोर्ट अधिवक्ता सीमा पटनाहा सिंह के हस्तक्षेप से सहकारी समितियों के चुनाव में आरक्षण सही से हुआ लागू

सीमा पटनाहा ने उठाये तमाम सामाजिक मुद्दों से बढ़ी हमीरपुर महोबा क्षेत्र में लोकप्रियता

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

हमीरपुर। जनपद के सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता कार्यालय द्वारा 21 फरवरी 2023 को विज्ञापन द्वारा जिले की क्षेत्रीय सहकारी समितियों के निर्वाचन के लिये अनंतिम सूची जारी की गई थी। जिसमें आरक्षण को ले कर कुछ जगह विसंगतीया थी जिस पर क्षेत्रीय किसान छत्रपाल सिंह (ग्राम-बेहर) ने आपत्ति लिखित रूप से हमीरपुर कार्यालय में दी तथा सहकारिता समिति के नियमानुसार आरक्षण लागू कर चुनाव कराने की अपील की जिसे सहायक आयुक्त ने नहीं माना। जिसके बाद छत्रपाल सिंह ने सर्वोच्च न्यायालय में भारत सरकार की अधिवक्ता सीमा पटनाहा सिंह से अपनी बात रखी तथा मामले को संज्ञान में लेकर कानूनी कार्यवाही करते हुए संविधान के अनुसार आरक्षण लागू कराने की अपील की। अधिवक्ता सीमा पटनाहा सिंह ने मामले को संज्ञान में लेते हुए उत्तर प्रदेश शासन सहकारिता अनुभाग 1 संख्या 579ध49-1-2014-8 (56) 13 टी. सी. -1 लखनऊ दिनांक 19 मई 2014 की अधिसूचना के अध्याय 3 के नियम 28 के अनुसार ही आरक्षण लागू करने के लिए कार्यालय सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता हमीरपुर को पत्र लिखा, तथा पूरे जिले में

नियमानुसार आरक्षण लागू कर निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने का आग्रह किया जिस पर कार्यालय सहायक आयुक्त एवं सहायक निबंधक सहकारिता हमीरपुर ने अपनी विसंगतिया मानते हुए नियमानुसार संशोधन कर आरक्षण लागू किया। किसान छत्रपाल सिंह तथा जिले के अन्य किसानो ने कहा की उन्होंने क्षेत्र के काफी नेताओं से संपर्क किया लेकिन किसी ने मामले को सुना और ना ही संज्ञान लिया। सीमा पटनाहा सिंह द्वारा क्षेत्रीय सहकारी समिति के निर्वाचन में आरक्षण सही से लागू कराने से सभी बहुत खुश है तथा उन्हें खुशी है की पिछले कुछ समय से सीमा पटनाहा सिंह हमीरपुर-महोबा क्षेत्र में 1 लोकप्रिय जन नेता के रूप में उभर रही है तथा विश्वास है कि आने वाले समय में क्षेत्र का प्रतिनिधित्व जरूर करेंगी।

मेडिकल कॉलेज निर्माण का एसडीएम करें मानीटरिंग

संवाददाता, जौनपुर। जिलाधिकारी अनुज कुमार झा और मुख्य विकास अधिकारी साईं तेजा सीलम के द्वारा उमानाथ सिंह स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय का औचक निरीक्षण कर निर्माण कार्यों की प्रगति की जानकारी प्राप्त की ।जिलाधिकारी ने निर्माण कार्यदाई संस्था राजकीय निर्माण निगम के ए.आर.के. सिंह को निर्देशित किया कि मजदूरों की संख्या 200 से अधिक बढ़ाते हुए रात और दिन दोनों शिफ्ट में कार्य कराएं। उन्होंने मुख्य विकास अधिकारी से कहा कि डिप्टी कलेक्टर की ड्यूटी लगाई जाए जो प्रतिदिन मजदूरों की संख्या एवं उपस्थिति की जानकारी ले। उन्होंने कहा कि प्रत्येक सप्ताह निरीक्षण किया जाएगा और प्रगति न दिखने पर कठोर कार्यवाही सुनिश्चित की जाएगी। जिलाधिकारी के द्वारा शैक्षणिक भवन, अस्पताल भवन, प्रशासनिक भवन का विस्तृत निरीक्षण किया गया। शैक्षणिक भवन के निरीक्षण के दौरान निर्देश दिया कि लेक्चर हॉल को साउंडप्रूफ किया जाए। तृतीय वर्ष के छात्रों के लिए 125 सीट का लेक्चरर हाल बनाए जाना है जिसमें कार्यदाई संस्था को निर्देशित किया कि 5 महीने में किसी भी दशा में लेक्चर हॉल का कार्य पूर्ण करें। उन्होंने शैक्षणिक भवन के निकट स्थित शौचालय को जल्द से जल्द पूर्ण करने के लिए निर्देश दिए ।अस्पताल भवन के निरीक्षण के दौरान निर्देशित किया कि ओ.टी. रूम के फिनिशिंग का कार्य करते हुए जल्द से जल्द हेंडओवर करें और एल्युमिनियम के कार्य के लिए एक अतिरिक्त ठेकेदार लगाए जाने के निर्देश जिलाधिकारी के द्वारा दिए गए। उन्होंने कहा कि जितने भी कार्य ओपीडी में होने हैं 30 अप्रैल तक पूर्ण कर ले।

केऔसुब के 54वें स्थापना दिवस पर एनटीपीसी टांडा इकाई परिसर में परेड एवं मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

अम्बेडकर नगर। केऔसुब के 54वें स्थापना दिवस के शुभ अवसर पर केऔसुब इकाई एनटीपीसी टान्डा में परेड एव मॉक ड्रिल कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ मुख्य अतिथि श्री विष्णु चरण पलेई, मुख्य महाप्रबंधक एनटीपीसी टांडा, श्री धर्मेंद्र राजपूत, उप कमांडेन्ट केऔसुब इकाई एनटीपीसी टांडा की मौजूदगी में किया गया। इस कार्यक्रम में महाप्रबंधक (चिकित्सा सेवाएं) डॉ.उदयन तिवारी, महाप्रबंधक (परियोजना) श्री अतुल गुप्ता, महाप्रबंधक (ईंधन प्रबंधन) श्री पी.एल. नरसिम्हा, महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री एस.एन. पाणिग्राही, महाप्रबंधक (प्रचालन) श्री अभय कुमार मिश्रा, श्री प्रणव वर्मा (उप महाप्रबंधक) एवं श्री संजीव कुमार सिंह सहायक कमांण्डेंट आदि भी मौजूद थे। इस मौके पर केऔसुब के जवानों द्वारा उच्च स्तर की परेड एवं साहस का परिचय देते हुए केऔसुब की सुरक्षा एवं अग्नि शाखा द्वारा मॉक ड्रिल किया गया, पूरे कार्यक्रम का हर्षोउल्लास के साथ मुख्य अतिथि के अभिभाषण के साथ समापन किया गया।

सैय्यद फखरुद्दीन अशरफसुपुद्र ए खाक कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच निकला जनाजा

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

किछौछा। खानवादए अशरफिया के बुर्जुग शख्सियत किछौछा दरगाह के सज्जादानशीन व ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष सैय्यद फखरुद्दीन अशरफसुपुद्र ए खाक 73 वर्ष के सैय्यद फखरुद्दीन अशरफ गुरुवार शाम को लखनऊ के पीजीआई अस्पताल में इस दुनिया को अलविदा कहा। शुक्रवार को जुमे की नमाज के बाद प्रसिद्ध सूफी संत सैय्यद मखदूम अशरफ की दरगाह के सज्जादानशीन व ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के उपाध्यक्ष सैय्यद फखरुद्दीन अशरफ को दरगाह आस्ताने के ऊपर सुपुद्र ए खाक किया गया सज्जादानशीन की जनाजे की नमाज उनके बेटे सैयद शारीक अशरफने पढ़ाई सैयद मखदूम के वार्षिक उर्स के मुख्य दिन 28 मोहर्रम को सैकड़ों साल पुराना मखदूम अशरफ का खिरका-ए-मुबारक पहन कर फखरुद्दीन अशरफसज्जादानशीन के तौर पर विशेष दुआ करते थे सज्जादानशीन का पूरे भारत में लाखों से अधिक जायरीन भी हैं। शुक्रवार दोपहर 3 बजे बसखारी स्थित आवास से सज्जादानशीन फखरुद्दीन अशरफ का जनाजा कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच किछौछा दरगाह के लिए रवाना हुआ इस मौके पर पूर्व मंत्री कटेहरी विधायक लालजी वर्मा, विधायक राममूर्ति वर्मा, चंद्रभान यादव, सैय्यद आलेमुस्तफा, मोहम्मद एबाद, सैयद अजीज अशरफ अध्यक्ष इंतेजामिया कमेटी, सैयद फैजान अशरफ ईओ मनोज सिंह, ओमकार गुप्ता, मौलाना इरफान, रामसागर यादव सहित हजारों लोग मौजूद रहे। वही सुरक्षा व्यवस्था में बसखारी थानाध्यक्ष अश्वनी कुमार मिश्रा, उपनिरीक्षक दिनेश मिश्रा, उपनिरीक्षक अमरनाथ यादव, उपनिरीक्षक कलीमुल्लह खान, हेड कांस्टेबल जौहर अली, हेड कांस्टेबल विशाल त्रिपाठी कांस्टेबल श्याम गुप्ता, सहित अन्य पुलिस कर्मी उपस्थित रहे

पत्रकार एशोसिएशन के अध्यक्ष को जान से मारने की मिली धमकी,पत्रकारों में उबाल

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर। होली के दिन अपनी मार्किट से घर जा रहे पत्रकार एशोसिएशन के अध्यक्ष को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा जान से मार देने की धमकी देने से जिले के पत्रकारों में उबाल आ गया ।शुक्रवार को पत्रकारों का एक प्रतिनिधि मंडल पुलिस अधीक्षक से मिला ।एस पी से मिलकर पत्रकारों ने धमकी देने वालों के खिलाफ मुकदमा दर्ज करवाकर कड़ी कानूनी कार्यवाही करने की मांग की ।2012 में भी वरिष्ठ पत्रकार व पत्रकार एशोसिएशन के अध्यक्ष पर उस समय जानलेवा हमला किया गया था,जब वे अपनी मार्किट पर गए थे ।वापस लौटते समय पहले से ही घात लगाकर बैठे लगभग आधा दर्जन हमलावरों ने उन पर जानलेवा हमला कर दिया था ।जिले भर के पत्रकारों ने उस समय भी नगर कोतवाली घेर लिया था ।कोतवाली नगर पुलिस ने तत्काल नामजद आरोपियों में से एक को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था ।आज भी पत्रकार एशोसिएशन के अध्यक्ष डॉ0अवधेश शुक्ला को दी गयी धमकी के आरोपियों के खिलाफसभी पत्रकारों ने एक स्वर से पुलिस अधीक्षक सोमेश वर्मा से मिलकर कड़ी कार्यवाही करने की मांग की है।

परम्पराओं और आस्था में डूबी रही होली

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

भरथना,इटावा। आर्य समाज मंदिर भरथना के पदाधिकारियों ने बीते करीब सौ वर्षों से चली आ रही परम्परा के अनुसार नगर के मुख्य बजाजा लाइन चौराहा पर यज्ञ करके एक-दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर होली का त्यौहार मनाया। इस दौरान मुख्य यजमान प्रदीप पोरवाल,सत्यभान गुप्ता राजा, सनजुवान मोहन ,मूलचंद्र आर्य,देवेंद्र भंसाली, सत्यदेव,अरोड़ा, अनिल आर्य,राजकमल गुप्ता,मोहन आर्य, नीलकमल,पवन आर्य, सतेन्द्र आर्य,उमेश आर्य, अजय शर्मा,महेश मिश्रा, वीरेंद्र गुप्ता,राजा पोरवाल सहित समस्त आर्य बन्धुओं की उपस्थिति उल्लेखनीय रही। वहीं भरथना नगर के समाजसेवी आविद अली फल्ल वाले ने भी कस्बा के विधूना रोड स्थित शक्तिपीठ श्री बालरूप हनुमान जी महाराज हनुमान गढी छोला मन्दिर पहुँच मन्दिर प्रबन्धक राजेश चौहान, पुजारी सुरेश गुप्ता,देवेन्द्र पोरवाल,आशीष यादव,छोटू आदि के साथ मन्दिर परिसर में स्थापित शिव मन्दिर में देवों के देव महादेव को अबीर गुलाल,पुष्प व अंगवस्त्र भेंटकर कर होली की शुरूआत की।

जिले भर में कांग्रेसियों ने अडानी समूह के खिलाफ किया प्रदर्शन

स्टार एक्स्प्रेस संवाददाता

सुल्तानपुर। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के आवाहन पर आज अडानी समूह मामले को लेकर जिले भर में कांग्रेसियों ने एलआईसी ऑफिस,एसबीआई बैंक व राष्ट्रीय कृत बैंको के सामने घंटों बैठकर विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शन के दौरान 'अडानी मोदी की जोड़ी जनता की उम्मीदें तोड़ी, एलआईसी बेहाल हुआ ऐसा अमृत काल हुआ' नारेबाजी करते हुए विरोध जताया। जिले के मोतिगरपुर ब्लॉक में जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा की मौजूदगी वह ब्लॉक अध्यक्ष के नेतृत्व में बैंक ऑफबड़ौदा के सामने एलआईसी व एसबीआई के खिलाफजमकर विरोध प्रदर्शन किया गया। भारी संख्या में कांग्रेसियों ने बैंकों पर लग रहा ताला,अपना पीएम जुमले वाला, एक करोड़ का पहने सूट,खुल्लम-खुल्ला मची है लूट, पीएम केवल करें बकैती जनता की जेब पर पड़ी डकैती नारेबाजी करते हुए उप जिलाधिकारी जयसिंहपुर के प्रतिनिधि के रूप आये नायब तहसीलदार दुर्गेश यादव को राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन सौंपा। प्रदर्शन के दौरान जिला अध्यक्ष अभिषेक सिंह राणा ने कहां कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार की अपने करीबी दोस्तों और अरबपतियों को फायदा पहुंचाने की नीति से पूरा देश डूबने के कगार पर है और इसका सीधा असर मध्यम और निम्न वर्गीय लोगों पर पड़ रहा है। मोदी सरकार ने अडाणी समूह में एलआईसी और एसबीआई जैसे सरकारी संस्थानों के बेहद जोखिम भरे लेन-देन और निवेश करवाए हैं,जिसने भारत के निवेशकों-एलआईसी के 29 करोड़ पॉलिसी धारकों और एसबीआई के 45 करोड़ खाता धारकों पर सीधा असर डाला है। उन्होंने भाजपा सरकार पर आरोप लगाते हुए कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से देश की जनता पूरी तरह से दुखी हो चुकी है। केंद्र सरकार कुछ लोगों के हाथों की कठपुतली बन कर रह गई है। वह लोग देश की जनता का पैसा हड़प रहे हैं। इसके पीछे केंद्र सरकार की उन्हें पूरी शह है, कांग्रेशकिसी भी कारपोरेट घराने का विरोध नहीं करती लेकिन पूरे देश के निम्न व मध्यम वर्गीय लोगों का धन लेकर सिर्फएक व्यक्ति को लाभ पहुंचाया जाए इसके लिए सड़क से सदन तक हम संघर्ष करते रहेंगे। यहां पर वरिष्ठ नेता लक्ष्मीकांत मित्र जयप्रकाश पाठक ब्लॉक अध्यक्ष राहुल मिश्र शिवम पाठक अनुपम तिवारी, मोनू पाठक, शिवपूजन सिंह रामउजागीर पांडे प्रभु नाथ तिवारी राजेश वर्मा, हर्ष वर्धन पाठक, अमित पाठक, एकांत पाठक आदि लोग शामिल रहे।

भरथना में लगेगा ग्रामीण नेत्र चिकित्सा शिविर

संवाददाता, भरथना,इटावा। पूर्व सांसद चौ0रघुराज सिंह की 17वीं पुण्य स्मृति पर नि:शुल्क ग्रामीण नेत्र चिकित्सा शिविर का आयोजन आगामी 12 मार्च दिन रविवार को प्रात: 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक मुहल्ला मोतीगंज स्थित शशिप्रभा मैरिज होम में किया जायेगा। चौ0रघुराज सिंह स्मारक संस्थान इटावा,श्री शंकर धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय राहतपुर इटावा व भारत विकास परिषद स्वामी विवेकानन्द शाखा भरथना के तत्वाधान में आयोजित उक्त नेत्र चिकित्सा शिविर में नेत्र सम्बन्धी रोगों का परीक्षण डा0आरकेएस भदौरिया,डा0आरएस शुक्ला,डा0दीप्ति जोशी ने किया जायेगा। शिविर में दवा व चश्मा निशुल्क उपलब्ध कराया जायेगा। साथ ही जो व्यक्ति मोतियाबिन्द ऑपरेशन के लिए चिन्हित किये जायेगें। उन मरीजों को श्री शंकर धर्मार्थ नेत्र चिकित्सालय राहतपुर इटावा में भर्ती किया जायेगा,जिनका विभिन्न तिथियों में डा0 राहुल सिंह,डा0 आरकेसी0गुप्ता ने नि:शुल्क ऑपरेशन किया जायेगा,उत्तम लैंस का प्रत्यारोपण किया जायेगा।

नींद की झप्पी दौड़ता ट्रक पुलिया से टकराकर पलटा

संवाददाता, भरथना,इटावा। भरथना कोतवाली क्षेत्र अन्तर्गत इटावा-कन्नौज हाईवे स्थित ग्राम हथनोली पुलिया पर सलाद बाली प्याज से भरा एक ट्रक बीती गुरुवार की रात्रि साढ़े 11 बजे पुलिया से टकराकर पलट गया, चालक को नींद में झप्पी आने के दौरान उक्त दुर्घटना घटित हो गई,ट्रक नासिक से सलाद बाली प्याज लाद कर उक्त हाईवे से लखनऊ जा रहा था, दुर्घटना में ट्रक के चालक व परिचालक बाल-बाल बच गए हैं।घटना स्थल के निकट ग्राम कुशना मोड़ निवासी कृषक मान सिंह ने बताया कि दुर्घटना में तेज आवाज के साथ पुलिया से ट्रक के पलटने पर उन्होने ने मौके पर जाकर देखा तब ट्रक में फसे चालक व परिचालक निकल रहे थे जो पूरी तरह सुरक्षित थे। चालक ने कृषक को बताया की उसकी नींद की झप्पी आ जाने के कारण हाईवे पर दौड़ता ट्रक अनियंत्रित हो गया और पुलिया से टकराकर पलट गया। घटना की सूचना पर भरथना पुलिस ने मौके पर पहुँच दुर्घटना में ट्रक सहित ट्रक से फैले सलाद के प्याज की सुरक्षा की है।

नव निर्वाचित प्रधान को दिलाई गई शपथ

संवाददाता, महेवा विकास खण्ड क्षेत्र की ग्राम पँचायत महिपालपुर के नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान को जिलाधिकारी के आदेश पर महेवा बीड़ीओ ने पद एवम गोपनीयता की शपथ दिलाई गई। प्राप्त विवरण के अनुसार ग्राम महिपालपुर में पूर्व प्रधान अजब सिंह की मृत्यु के बाद गत 2 मार्च को उपचुनाव हुआ था 4 मार्च को हुई मतगणना के बाद गौरव मिश्रा को निर्वाचित घोषित किया गया था जिन्हें जिलाधिकारी अवनीश कुमार राय के आदेश पर महेवा खण्ड विकास अधिकारी सूरज सिंह ने विकास खण्ड कार्यालय में पद एवम गोपनीयता की शपथ दिलाई ।इ स अवसर पर साहायक विकास अधिकारी पँचायत श्याम वरन राजपूत, लेखाकार मनरेगा धीरेन्द्र सिंह, कमलेश राजपूत, मनोज कुमार दुबे आदि मौजूद रहे।

पाँच लाभार्थियों को साइकिल विद आइस बाक्स हेतु डी0बी0टी0 प्रमाण पत्र का किया गया वितरण

संवाददाता, सुलतानपुर।वित्तीय वर्ष 2022-23 में प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजनान्तर्गत मत्स्य बिक्री हेतु साइकिल विद आइस बॉक्स परियोजना में चयनित कुल 19 लाभार्थियों में से 05 लाभार्थियों को शुक्रवार को अपरान्ह 01 बजे मुख्य विकास अधिकारी अंकुर कौशिक की उपस्थिति में साइकिल विद आइस बाक्स हेतु डी0बी0टी0 प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना की परियोजनाएं बैकइण्डेड है, जिससे सर्व प्रथम चयनित लाभार्थियों द्वारा लाभार्थी अंश से कार्य किया जाता है। अनुदान की धनराशि डी0बी0टी0 के माध्यम से लाभार्थी के खाते में स्थानान्तरित की जाती है। इस परियोजना की कुल परियोजना लागत 10,000ध- (दस हजार) है, जिसमें अनुसूचित जातिध्अनुसूचित जनजाति, महिला को 60 प्रतिशत रूपये 6000ध- (छ: हजार) एवं अन्य सभी को 40 प्रतिशत रूपये 4000ध- (चार हजार) अनुदान देय है।

नगरीय निकायों की मतदाता सूची का आज हुआ प्रकाशन

संवाददाता, बस्ती । नगरीय निकायों की मतदाता सूची का आज प्रकाशन किया गया है। उक्त जानकारी जिला निर्वाचन अधिकारीध्जिलाधिकारी श्रीमती प्रियंका निरंजन ने दी है। उन्होंने बताया कि ऐसे नागरिक जिन्होंने 1 जनवरी 2023 को 18 वर्ष की आयु पूरी कर ली है, वह अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाने के लिए फार्म भर सकते हैं, इसकी अंतिम तिथि 17 मार्च है। इसके अलावा मतदाता सूची में नाम संशोधन या हटाने के लिए भी फार्म भर सकते हैं। इसका निस्तारण 18 से 22 मार्च तक किया जाएगा। 23 से 31 मार्च तक पूरक सूची की पांडुलिपि तैयार की जाएगी। अंतिम रूप से तैयार मतदाता सूची का प्रकाशन 1 अप्रैल को किया जाएगा। उन्होंने नगरीय क्षेत्र के मतदाताओं से अपील किया है कि समय अंतर्गत फार्म भर कर अपना नाम मतदाता सूची में जुड़वाये।

महिला ने फर्जी मुकदमा कराने का लगाया आरोप

संवाददाता, गोण्डा। नवाबगंज थाना क्षेत्र के लौव्वावीरपुर गांव के सिंगाराय पुरवा निवासी महिला ने अपने विपक्षी पर फर्जी मुकदमे में फंसाने की साजिश रचने का आरोप लगाते हुए थाने में तहरीर दी है। पीड़ित महिला सुमन पत्नी माता प्रसाद ने तहरीर में बताया कि 9 मार्च को गांव के ही दबंग राजीव उर्फ पुलाई, सत्यपाल उर्फ घोलर, सुनील और लालजी उसके घर में घुसकर मारपीट की थी। जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए चारों आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर लिया था।

जिलाधिकारी ने विकास कार्यों की समीक्षा

संवाददाता, अयोध्या। जिलाधिकारी नितीश कुमार ने कलेक्ट्रेट सभागार में ज्वाइंट मजिस्ट्रेट उपजिलाधिकारी सदर विशाल कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमित सिंह, अपर जिलाधिकारी भूमि अध्याप्ति, अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग प्रान्तीय खण्ड, अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग निर्माण खण्ड-4 , प्रोजेक्ट मैनेजर जलनिगम (नगर कार्य इकाई), तहसीलदार सदर सहित सम्बंधित सहायक एवं कनिष्ठ अभियंत्राओं तथा सम्बंधित विभाग के अधिकारियों के साथ श्रीराम जन्मभूमि मंदिर को जोड़ने वाले प्रमुख सम्पर्क मार्गो यथा-रामपथ, भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण सम्बंधित कार्यों के प्रगति की समीक्षा की तथा सम्बंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये ।बैठक में जिलाधिकारी ने कहा कि अयोध्या धाम का चौमुखी विकास शासन की शीर्ष प्राथमिकताओं में है तथा अयोध्या धाम से जुड़ी हुई विभिन्न विकास परियोजनाओं से जुड़े हुये सम्बंधित अधिकारीगण अपने अपने कार्यों एवं दायित्वों का गम्भीरता के साथ निर्वाहन करें। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने भक्ति पथ, जन्मभूमि पथ व रामपथ के चौड़ीकरण एवं सुदृढ़ीकरण कार्य की धीमी प्रगति पर कड़ी नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने उक्त मार्गों के धीमी प्रगति पर सम्बंधित ठेकेदारों के विरूद्ध आरोप पत्र (चार्ज शीट) जारी करने के निर्देश दिये तथा शीघ्र ही कार्य में आपेक्षित प्रगति न लाने की दशा में सम्बंधित ठेकेदारों के विरूद्ध एफ्आईआर दर्ज कराये जाने की भी चेतावनी दी। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अधिशाषी अभियन्ता लोक निर्माण विभाग खण्ड-3 व खण्ड-4 को उक्त पथों पर कम से कम दो शिफ्टों में पर्याप्त मानव संसाधन एवं मशीनरी का प्रयोग सुनिश्चित कराते हुये आपेक्षित समयावधि में पूर्ण गुणवत्ता के साथ समस्त कार्यों को पूर्ण कराना सुनिश्चित कराने के निर्देश दिये तथा समस्त मार्गो को आपेक्षित समय में पूर्ण करने हेतु प्रत्येक दिन के कार्य का लक्ष्य निर्धारित कर उसे रोजाना पूर्ण कराने हेतु सम्बंधित अधिशाषी अभियन्तागण व सम्बंधित ठेकेदारों को निर्देशित किया।

व्यापारियो का कवि सम्मेलन व होली मिलन समारोह सम्पन्न

संवाददाता

कानपुर। कानपुर दिलो के मिलने का मौसम है दूरियां मिटाने का मौसम है होली का त्यौहार ही ऐसा है रंगो में डूब जाने का मौसम है इन सुंदर पंक्तियों के साथ कानपुर उद्योग व्यापार मंडल और बारदाना व्यापार मंडल कानपुर के अध्यक्ष राजेश गुप्ता की अध्यक्षता में 6 मार्च 2023 को कवि सम्मेलन व होली मिलन और नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का सम्मान समारोह स्थान 52 दुकान कलेक्टर गंज कानपुर में सफ्लतापूर्वक उत्सव पूर्वक संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि नगर सांसद संजय पचौरी का और उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा का अध्यक्ष जी ने माला पहनाया और स्मृति चिन्ह देकर स्वागत किया। देश के सुप्रसिद्ध कवि और कवित्री ने अपने काव्य व्यंग से सभी लोगों का मन मोह लिया। डॉ राधेश्याम मिश्र द्वारा प्रस्तुति तुम्हारे प्यार की दीवानगी मुझे सताती है । तुम्हे राधा बनने को फिर मैं चाहत जगाती है। अनिल बेधड़क द्वारा प्रस्तुति ष् जब करने लगी देवर का मुख लाल देवर को मस्ती चढ़ी तुम्हें दोनों का हाल राजीव मिश्र द्वारा प्रस्तुति ष्तीन आवा रंगदारी पर मलिक के धूम मचा वा बारी-बारी ना!श्रीमती गीता द्विवेदी द्वारा प्रस्तुति धूम प्यार से रंग दो मुझे रंग ना गवारा है देश सेवा में जवानी बिताना सर्जन पर होली में आ जाना श्रीमती प्रतीक्षा तिवारी द्वारा प्रस्तुति रंगीला प्रेम का रंग ही लगे हर रंग से न्यारी कि जिस के रंग में रंग कर लगे जीवन प्यारा ॥ दिलीप दुबे, प्रमोद तिवारी, बलवीर सिंह सभी कवियों ने इतना सुंदर और अच्छा काव्य प्रस्तुत किया कि तालियों की गड़गड़ाहट रुकने का नाम नहीं ले रही थी। सभी कवि कवित्रीयों का मिलन की प्रस्तुति हुई। बारदाना व्यापार मंडल कानपुर के नवनिर्वाचित पदाधिकारी राजेश गुप्ता अध्यक्ष, महेंद्र गुप्ता महामंत्री, रामकृपाल चेयरमैन संतोष शर्मा उपाध्यक्ष मनोज गुप्ता कोषाध्यक्ष का सम्मान आए हुए मुख्य अतिथि श्री सत्य देव पचौरी जी और श्री मुकुंद मिश्रा जी द्वारा किया गया। तत्पश्चात सभी पदाधिकारी अतिथि व्यापारी ने स्वल्पाहार ग्रहण किया। इस अवसर पर कानपुर मंडल के संरक्षक रामेश्वर लाला भैया, अध्यक्ष राजेश गुप्ता, महामंत्री कृपाशंकर त्रिवेदी, कोषाध्यक्ष श्री प्रदीप गुप्ता, वरिष्ठ उपाध्यक्ष चन्द्रप्रकाश ओमर, उत्तर प्रदेश उद्योग युवा व्यापार मंडल महामंत्री - सन्त मिश्रा, वरिष्ठ मंत्री विराट गुप्ता श्री महेंद्र गुप्ता, संतोष शर्मा, विशाल गुप्ता, राम कृपाल मनोज गुप्ता सुधीर गुप्ता सूर्योदय दीक्षित, राकेश साहू कन्हैयालाल बबलू अग्रवाल, नीरज गुप्ता अन्नू पंडित सीताराम, दिनेश गुप्ता आदि पदाधिकारियों व्यापारी उपस्थित रहे। अध्यक्ष राजेश गुप्ता और महामंत्री महेंद्र गुप्ता जी ने माला पहनाकर और दुपट्टा देकर सम्मान किया। तत्पश्चात होली मिलन के शुभ अवसर पर बड़ी सुंदर राधा कृष्ण की झांकी और फूलों की होली का बहुत ही सुंदर होली

परिवार ने सामूहिक आत्महत्या की धमकी दी, संपूर्ण समाधान दिवस में एसडीएम से लगाई गुहार

संवाददाता, कन्नौज। छिबरामऊ में पीड़ित परिवार की पैतृक जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर रखा है। जिसे लेकर पीड़ित ने कई बार आला अधिकारियों से शिकायत भी की, लेकिन कोई ध्यान नहीं दे रहा है। शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे पीड़ित परिवार ने सामूहिक रूप से आत्महत्या की धमकी दी। छिबरामऊ तहसील क्षेत्र के तेराजाकेट का रहने वाले शुगम दुबे अपनी मां के साथ समाधान दिवस पर पहुंचा। जहां पर उसने उप जिला अधिकारी को प्रार्थना पत्र देते हुए न्याय दिलाने की गुहार लगाई।पीड़ित ने बात करते हुए बताया कि गांव के ही रविकांत दुबे पुत्र ओम शंकर दुबे ने दबंगई के चलते उसकी पैतृक जमीन पर कब्जा कर लिया है। जिसकी शिकायत उसने जिला अधिकारी से लेकर मुख्यमंत्री पोर्टल पर भी की है। लेकिन, अभी तक उसे न्याय नहीं मिल पा रहा है। वहीं पीड़ित का कहना है कि दबंग आए दिन उसे जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। जिससे वह परेशान है। वहीं एक बार फिर उसने अपने परिवार के साथ तहसील समाधान दिवस में पहुंचकर एक बार फिर न्याय की गुहार लगाई है। न्याय न मिलने पर उसने आत्महत्या की धमकी दी है कहा है कि अगर न्याय नहीं मिला तो है पूरे परिवार के साथ आत्महत्या कर लेगा। पीड़ित ने बताया कि 2 साल पहले उसकी पैतृक जमीन पर दबंगों ने कब्जा कर लिया जिसके बाद अभी तक उसकी जमीन को कब्जा मुक्त नहीं हुई है। वहीं पीड़ित की मां का कहना है। उनके पति की रोड एक्सीडेंट में मौत हो गई जिसके बाद दबंगों ने उनकी पैतृक जमीन पर कब्जा कर लिया लेकिन अभी तक उन्हें न्याय नहीं मिल पा रहा है जिसकी वजह से वह दर दर की ठोकरें खाने को मजबूर हैं। उप जिला अधिकारी अशोक कुमार ने कहा कि तहसील समाधान दिवस में प्रार्थना पत्र मिला है। जांच के आदेश दे दिए गए हैं। दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। पीड़ित की पूरी मदद की जाएगी।

महिलाएं आधी आबादी का हिस्सा हैं, इन्हें आर्थिक संपन्नता का लाभ कम : डा.रुचि

संवाददाता, प्रयागराज। उत्तर प्रदेश में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय संगोष्ठी डिजिटल ऑल लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी नामक विषय पर संपन्न हुई। संगोष्ठी में सभी अतिथियों का स्वागत डा.ज्योति वर्मा ने किया। मुख्य वक्ता डा.रुचि बड़ौला वैज्ञानिक जी वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने अपने व्याख्यान में बताया कि महिलाएं भारत की जनसंख्या का लगभग आधा हिस्सा हैं लेकिन उन्हें अपेक्षाकृत देश की आर्थिक संपन्नता का कम लाभ मिला है वर्तमान समय में समाज के प्रत्येक क्षेत्र में महिलाएं पुरुषों के कंधे से कंधा मिलाकर चल रही हैं विज्ञान प्रौद्योगिकी से लेकर अंतरिक्ष वाणिज्य व राजनीति हर क्षेत्र में महिलाओं ने नई ऊंचाइयों को छुआ है। इस कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रोफेसर कृष्णा मिश्रा ने बताया कि इस वर्ष की थीम समाज के सभी वर्गों की महिलाओं के विकास हेतु तकनीकी में प्रयोग को बढ़ावा देती है। विश्व के विभिन्न भागों में तकनीक से वंचित महिलाओं को तकनीक व नवाचार के माध्यम से समाज के मुख्यधारा में शामिल करना ही इस वर्ष का मुख्य उद्देश्य है। इस कार्यक्रम में डा.हेमलता पंत सचिव एसबीएसआरडी प्रयागराज ने संस्था और कार्यक्रम की पूरी जानकारी दी। डा.रूचि बडोला,डा.प्रीती खरे, डॉ.दीपा श्रीवास्तव,डॉ. आरती गुप्ता, डॉ.विनीता जायसवाल, डॉ.सुधि श्रीवास्तव, डॉ.प्रिया सोनी,डॉ. अल्का कटियार, डॉ.आशा उपाध्याय, डॉ.सौरव,डॉ. सरिता देवी, डॉ.सरिता त्रिपाठी, डॉ.अर्चना यादव,डॉ. अनीता सिंह, डॉ.निधि शुक्ला, डॉ.प्रिया श्रीवास्तव, डॉ. चंद्रप्रभा सिंह आदि शामिल रही।

के.पी.सिंह बसपा हापुड़ विधानसभा अध्यक्ष के पद पर मनोनीत

संवाददाता, जनपद हापुड़ के मेरठ रोड आवास विकास कॉलोनी निवासी कृष्ण पाल सिंह उर्फके.पी. सिंह पुत्र फत्तेह चंद को बसपा जिला अध्यक्ष देवेंद्र भारती ने बहुजन समाज पार्टी के उच्च पदाधिकारियों के निर्देश अनुसार हापुड़ विधानसभा 59 का विधानसभा अध्यक्ष के पद पर मनोनीत किया वहीं जिला कमेटी में मुकेश आजाद को जिले में जिला कार्यकारिणी सदस्य के रूप में मनोनीत किया गया और सभी लोगों ने उनके उज्जवल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दी।

कानपुर कमिश्नरेट में पब्लिक लाइब्रेरी बनवाने के लिए सीयूजीएल का योगदान

संवाददाता, कानपुर। कानपुर सीयूजीएल के डायरेक्टर कॉमर्शियल सुनील बैंस ने पुलिस कमिश्नर, कानपुर नगर बी पी जोगदंड महोदय को कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सि बिलिटी के तहत कानपुर कमिश्नरेट में पब्लिक लाइब्रेरी बनवाने के लिए 5 लाख रुपये का योगदान दिया। पुलिस आयुक्त बीपी जोगदण्ड महोदय ने आए हुए सभी लोगों को धन्यवाद किया कहा की ऐसे सराहनीय कार्य को लोगों को करना चाहिए जिससे पूरे प्रदेश देश में लोगों की कार्य करने की उत्सुकता उत्तेजना बढ़ेगी, यह समाज आपका है प्रदेश, देश आपका है आप जैसे चाहे सुंदर बना सकते हैं।

एक्सप्रेस-वे पर खड़ी बस में घुसी डीसीएम, 2 की मौत

संवाददाता, कन्नौज। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर खड़ी बस में डीसीएम ने पीछे से टक्कर मार दी। इस हादसे में डीसीएम और बस चालक की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि एक सवारी घायल हो गई। घायल को तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। बताया गया कि हादसे में मरने वालों में एक दिल्ली और दूसरा बिहार का रहने वाला है। दिल्ली से सवारी लेकर बिहार जा रही बस सोमवार सुबह आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर ठठिया थाना क्षेत्र के अलमापुर गांव के सामने ड्राइवर ने खड़ी कर दी। वहां वह बस के टायरों में फंसी गिट्टी को साफकरने लगा। इस बीच दिल्ली की ओर से आ रही तेज रफ्तार डीसीएम ने खड़ी बस में पीछे से टक्कर मार दी। हादसा इतना जबरदस्त था कि डीसीएम चालक दिल्ली के जैतपुर थाना क्षेत्र के मीठापुर निवासी सुमित कुमार स्टेयरिंग के बीच बुरी तरह फंस गया, जिससे उसकी मौत हो गई। वहीं, हादसे के समय बस का टायर साफ कर रहा बिहार के संग्रामपुर मधुवनी का रहने वाला बस ड्राइवर आर्यन उर्फ कुंदन गुप्ता पहिया के नीचे आकर दब गया और कुछ ही देर में उसकी भी मौत हो गई। बस पर सवार बिहार के मोतीहारी निवासी अरविंद तिवारी गंभीर रूप से घायल हो गए। आगरा-लखनऊ एक्सप्रेस-वे पर हादसे की जानकारी मिलते ही ठठिया थानाध्यक्ष कमल भाटी फोर्स के साथ घटनास्थल पर पहुंच गए। यहां यूपीडा कर्मियों की मदद से पुलिस ने घायल को तिर्वा स्थित राजकीय मेडिकल में भर्ती करवा दिया, जबकि आर्यन उर्फकुंदन गुप्ता और सुमित कुमार के शवों को कब्जे में लेकर उनके परिजनों को सूचना दे दी। पुलिस ने दोनों शवों का पंचानामा भर कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। उधर हादसे की जानकारी मिलते ही आर्यन और सुमित के परिजनों में कोहराम मच गया। दोनों के परिजन कन्नौज के लिए रवाना हो गए।

भाजपा का प्रचार-वाहन चलाने वाले को मुस्लिम युवकों ने पीटा

संवाददाता, कन्नौज। जिले के तिर्वा नगर में सरकारी की योजनाओं का प्रचार करने वाले वाहन चालक के साथ कुछ मुस्लिम युवकों ने मारपीट कर दी। हमलावरों ने उसका मोबाइल फोन और नगदी लूट ली। पीडित वाहन चालक ने तिर्वा कोतवाली पुलिस को युवकों के खिलाफ मारपीट व लूट करने की तहरीर दी है। पुलिस ने लूट का मामला दर्ज करने से इंकार कर दिया। तिर्वा के जवाहर नगर मोहल्ला निवासी दलित शिवम सरकार की योजनाओं वाले प्रचार वाहन को चलाने का काम करता है। बीती शाम वह तिर्वा कस्बे में प्रचार वाहन चला रहा था। जिसमें बडी स्क्रीन पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा संचालित सरकारी योजनाओं के प्रचार वाले वीडियो प्रसारित किए जाते हैं। देर शाम वह प्रचार वाले वीडियो चलाते हुए वाहन को तिर्वा नगर में लेकर पहुंचा तो वहां पर चांद सिददीकी नाम का युवक अपने तीन अन्य साथियों के साथ पहुंच गया। प्रचार वाहन चालक शिवम का आरोप है कि चांद सिद्दीकी प्रचार बंद करने का दबाव बनाने लगा। मना करने पर उसने अपने साथियों के साथ मिलकर उसके साथ मारपीट कर दी। जिससे वह घायल हो गया। हमलावरों ने शिवम से उसका मोबाइल फोन छीन लिया और जेब में रखे 435 रूपए लूट लिए। इसके बाद चारो युवक वहां से भाग गए। पीड़ित शिवम ने मामले की तहरीर तिर्वा कोतवाली पुलिस को दी है। बताया गया कि पुलिस ने लूट का केस दर्ज करने से इंकार कर दिया। पुलिस ने तहरीर लेकर मामले की जांच कराने के बाद कार्रवाही करने का आश्वासन देकर पीडित को कोतवाली से टरका दिया। पुलिस सूत्रों की मानें तो लूट और डकैती जैसे संगीन मामले थानों में दर्ज करने पर मौखिक रूप से रोक लगाई गई है।

अतीक की बहन ने मंत्री नंदी पर 5 करोड़ हड़पने लगाया आरोप

मेरा परिवार डर के साए में जी रहा है, मेरे परिवार को सुरक्षा मिले

संवाददाता, प्रयागराज। उमेश पाल हत्याकांड के दसवें दिन अतीक अहमद की बहन आयशा नूरी,अशरफ की पत्नी जेनब फातिमा और आयशा की बेटी उनजिला पुरी ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आयशा नूरी ने पुलिस पर प्रताड़ित करने का गंभीर आरोप लगाया। सोमवार को मीडिया से रूबरू होते हुए उसने कहा कि योगी के कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी ने उसके भाई अतीक अहमद से 5 करोड़ रुपए उधार लिए थे अब वह पैसा देना नहीं चाहते। विधानसभा के बजट सत्र में अखिलेश यादव ने सीएम योगी को काफी उकसाया जिसके बाद सीएम ने अपराधियों को मिट्टी में मिलाने से जुड़ा बयान दिया। इसके बाद यूपी एसटीएफ के अधिकारी अमिताभ यश को पूरा मौका मिल गया है।

राजनीति करना हमारे परिवार के लिए गुनाह बन गया

आयशा ने कहा कि अगर राजनीति करना गुनाह है तो यही गुनाह हमारे बड़े भाई ने कर दिया। सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर मेरे भाई अतीक अहमद गुजरात जेल गए हैं। हमें टॉर्चर किया जा रहा है कि तुम्हारे भाई को जेल से निकालकर मार देंगे एनकाउंटर कर देंगे। कहा प्रयागराज के पुलिस कमिश्नर रमित शर्मा हमें धमकी दे रहे हैं कि तुम्हारे भाइयों का एनकाउंटर होगा हमारा भतीजा खतरे में है। हमारे घर गिराए जा रहे हैं हमारा समय खराब चल रहा है।

नंदी की पत्नी नहीं चाहती कि हमारी भाभी मेयर के चुनाव में खड़ी हो

हमारी भाभी को साजिश में फंसाया गया है मेरी भाभी शाइस्ता परवीन किसी साजिश में शामिल नहीं है। नंद गोपाल गुप्ता नंदी की पत्नी अभिलाषा गुप्ता नंदी नहीं चाहती कि हमारी भाभी शाइस्ता मेयर का चुनाव लड़े। उसने कहा यही कारण है कि नंदी मुख्यमंत्री जी को हमारे परिवार के खिलाफउकसा रहे हैं हमारे भाइयों की सुरक्षा की जाए। एक बार जब मैं अपने भाई अतीक से मिलने गई थी तो उन्होंने शाइस्ता से कहा था कि नंदी से मेरा पैसा दिला दो। यह पैसा करीब 50000000 है अतीक की बहन का कहना है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मिट्टी में मिलाने वाला बयान नंदी के उकसाने पर दिया है।

उमेश हत्याकांड में शामिल असद के सवाल को टाल गई

अतीक अहमद की बहन नूरी से मीडिया वालों ने जब यह सवाल किया कि आपके भाई का बेटा असद सूट कांड में शामिल था या नहीं। इस सवाल पर वह अपनी खराब तबीयत का हवाला देते हुए टाल गई कहा कि कस्टडी में हमें ना तो अखबार दिया जाता था और ना ही कोई टीवी देखने को मिलता था। सूट कांड में पुलिस ने जो पोस्टर जारी किए हैं उसे हमने अभी नहीं देखा है पुलिस ने हमें 3 दिन हिरासत में रखकर बेइंतहा टॉर्चर किया है पुलिस हम से सीधे कहती थी कि तुम्हारे भाइयों और भतीजे का एनकाउंटर होगा।

विश्व पुस्तक मेले में हुआ शब्दों के शूल का शानदार विमोचन

संवाददाता

हापुड़। हापुड़ के जनकवि/बेखौफशायर के नाम से प्रसिद्ध डॉ. नरेश सागर ने यूँ तो राष्ट्रीयध्अन्तर्राष्ट्रीय पत्र-पत्रिकाओ में खूब लिखा और अपने शहर, प्रदेश और देश का नाम रोशन किया है, डॉ. सागर के पास क्षेत्रीय, राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय मंच के सैकड़ों साहित्य सम्मान उनकी प्रतिभा को उजागर करते हैं फिर भी अपनी आर्थिक परिस्तिथियों के कारण अपनी कोई पुस्तक प्रकाशित कराने में असफल रहे वर्षों बाद उनकी पुस्तक गीत संग्रह... शब्दों के शूल प्रकाशित हुई जो विश्व पुस्तक मेले में मोबाइल के युग में भी अपनी प्रसिद्धि पाने में सफल रही! विश्व पुस्तक मेले में शब्दों के शूल का विमोचन इलाहाबाद विश्वविद्यालय के भूगोल के प्रोफेसर, पत्रकार और साहित्य के क्षेत्र में एक बड़ा नाम श्री सुनील श्री वास्तव जी के कर कमलों द्वारा हुआ साथ में मशहूर साहित्यकार श्री चन्द्रहास, सोनू सागर, डॉ. सुनील सरकार, मनोज मास्टर, निखिल सागर, सचिन कैन, मिलिंद कुमार और अन्य गणमान्य लोगों के बीच बड़ी धूमधाम के साथ हुआ! डॉ. सागर ने कहा कि.... इस पुस्तक में उन सभी लोगों के नाम भी दर्ज है जिन्होंने हमेशा बुरे वक्त में भी मेरा हाथ थामें रखा, ये पुस्तक शब्दों के शूल हर एक व्यक्ति को अपनी कहानी लगेगी!

महिलाओं के हाथ में है परिवार के स्वास्थ्य की कुंजी : प्रो. तोमर

केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर नारी शक्ति पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित

संवाददाता

प्रयागराज। केन्द्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय गङ्गानाथ झा परिसर प्रयागराज में अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर सोमवार को व्याख्यान एवं नारी शक्ति पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। अतिथियों का स्वागत करते हुए कार्यक्रम की संयोजिका पाण्डुलिपि विज्ञान विभाग की अध्यक्षा डॉ. अपराजिता मिश्रा ने कहा कि भारतीय समाज में महिलाओं का अत्यन्त गौरवपूर्ण स्थान रहा है। महिलाओं को डिजिटल साक्षरता के स्तर को बढ़ाना आज के डिजिटल तकनीकि के युग में आवश्यक है। जिससे वह विस्तृत अवसरों से वंचित न रह जाएँ। इस अवसर पर विश्व आयुर्वेद मिशन के अध्यक्ष प्रो.जी.एस. तोमर ने श्रीअन्न मोटा अनाज सुपोषण एवं महिला स्वास्थ के विषय में कहा कि परिवार के स्वास्थ्य की कुंजी महिलाओं के हाथ में है। यदि परिवार की महिलायएं मोटे अनाज का प्रयोग करने का संकल्प करें तो स्वास्थ्य सम्बन्धी अनेक समस्याओं से अपने परिवार को बचा सकती हैं। महिलाओं की जागृति बहुत आवश्यक है। ज्वार बाजरा रागी रामदाना कुट्टू जैसे मोटे अनाज को दैनिक भोजन में शामिल करने से न केवल स्वास्थय सम्बन्धी लाभ होगा अपितु हमारे देश को आर्थिक लाभ भी होगा। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शान्ति चौधरी लेखिका एवं समाज सेविका पूर्वचिकित्सा शोध अधिकारी मोतीलाल नेहरू मेडिकल कालेज प्रयागराज ने महिलाओं के स्वास्थ्य सम्बन्धी जागरूकता से जुडे मुद्दों पर व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि महिला का स्वस्थ रहना परिवार और देश के विकास के लिए अत्यन्त आवश्यक है। महिलाओं को अपने स्वस्थ खानपान और स्वस्थ जीवनशैली के प्रति जागरूक रहना चाहिए। भारतीय संस्कृति को और भारतीय जीवन शैली को अपनाने में ही भारतीय महिलाओं का कल्याण निहित है। कार्यक्रम की अध्यक्षता परिसर के निदेशक प्रो.ललित कुमार त्रिपाठी ने की। अध्यक्षीय भाषण में आज की परिस्थिति में भारतीय महिलाओं की सशक्त भूमिका को बताते हुए कहा कि महिला ही परिवार का मूल आधार है। वह राष्ट्र समाज परिवार की निर्माता है। उसका शारीरिक और मानसिक स्वास्थय अत्यन्त महत्त्वपूर्ण है। उत्कृष्ट कार्य करने के लिए परिसर की शिक्षिकाओं कर्मचारियों तथा छात्राओं को नारीशिक्त पुरस्कार से सम्मानित किया गया डॉ मोनाली दास डॉ.अपराजिता मिश्रा मंजू अंजू मिश्रा शालू आरती पटेल साधना शिल्पा अनन्दीता नम्रता आदि ने नरीशिक्त

पुरस्कार प्राप्त किया। धन्यवाद ज्ञापन डॉ मोनाली दास ने किया। इस अवसर पर प्रो.जनार्दन प्रसाद पाण्डेय मणि प्रो.रामकृष्ण पाण्डेय परमहंस प्रो.मनोज कुमार मिश्र प्रो.देवदत्त सरोदे डॉ.मनीष जुगरान डॉ.शांति चौधरी आदि उपस्थित रहे। यह जानकारी निदेशक प्रो.ललित कुमार त्रिपाठी ने दी।

पीएमएफएमई स्कीम क्या है, इसमें किसको और कितनी मिलेगी सब्सिडी

सबके लिए रोजगार सुनिश्चित किये जाने हेतु भारत सरकार के खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज यानी पीएमएफ एमई योजना की शुरुआत की गयी है। जिसके जरिए केंद्र सरकार उन सभी लोगों की आर्थिक सहायता करेगी, जो लोग खाद्य उद्योग में अपना कोई नया काम शुरू करना चाहेंगे। सरकार का मानना है कि इससे उद्योग शुरू करने के लिए सभी लोगों को प्रोत्साहन मिलेगा और रोजगार के नए अवसर भी मिलेंगे। जिससे देश की अर्थव्यवस्था में भी सुधार होगा। उल्लेखनीय है कि वर्ष 2020 में कोरोना महामारी के चलते देश भर में आर्थिक व्यवस्था को हुए नुकसान को वापस ढर्रे पर लाने के लिए केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पीएमएफ एमई) योजना कुल 5 सालों यानी वित्तीय वर्ष 2020-2021 से लेकर 2024-2025 तक के लिए यह योजना लायी है। जिसके तहत कुल 35000 करोड़ रूपए का निवेश किया जाना सुनिश्चित हुआ है। इस योजना के अंतर्गत लगभग 9 लाख लोगों को रोजगार मिलेगा, जिसमें कुशल व अर्धकुशल दोनों ही तरह के रोजगारों का सृजन होगा। इससे ज्यादा से ज्यादा लोगों को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे। बताया जाता है कि इस योजना के माध्यम से खराब आर्थिक स्थिति वाले लोग भी खुद का खाद्य संबंधी व्यवसाय शुरू कर सकते हैं। इस योजना के अंतर्गत उद्यमियों को तकनीकी ज्ञान, कौशल प्रशिक्षण और हैंड होल्डिंग सहायता सेवाओं के माध्यम से क्षमताओं का निर्माण किया जाएगा। वहीं, दूसरी ओर सभी मौजूदा सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्योग के उद्यमियों को ऋण प्रदान कराया जाएगा। जिससे वो अपनी तकनीकी व्यवस्था को सुधार सकते हैं। बता दें कि इस महत्वाकांक्षी योजना के मार्फत कृषक उत्पादक संगठनों, स्वयं सहायता समूहों, उत्पादक सहकारिताओं तथा सहकारी समितियों को उनकी सम्पूर्ण मूल्य श्रृंखला में सहायता की जाएगी, जिससे इन सभी सूक्ष्म उद्यमों को साझा सेवा का लाभ मिल सकेगा। इस योजना के तहत जितने भी मौजूदा उद्यम हैं, उनके विभिन्न सरकारी पंजीकरण के लिए औपचारिक फ्रेमवर्क की ओर जाने में सहायता प्रदान करने का प्रयास किया जाएगा। बताया जाता है कि इस योजना के अंतर्गत फायदा लेने के लिए आवेदक को भारत का निवासी होना चाहिए और उसकी उम्र अठारह वर्ष से अधिक होनी चाहिए। उसकी शैक्षणिक योग्यता कम से कम 8वीं कक्षा उत्तीर्ण होनी चाहिए। इस योजना के तहत एक परिवार से केवल एक व्यक्ति ही आर्थिक सहायता प्राप्त करने का पात्र होगा। लिहाजा जो व्यक्ति फॉर्मलाइजेशन के लिए इच्छुक हो, जो व्यक्ति परियोजना की कुल लागत में कम से कम 10 फीसद का योगदान दे सके और बैंक ऋण प्राप्त करे, वह ही इस योजना का लाभ ले सकता है। आपको पता होना चाहिए कि फार्मर प्रोड्यूसर आर्गेनाईजेशन (एफपीओ), को-ऑपरेटिव फार्मिंग सोसाइटी, स्वयं सेवा संगठन भी इस योजना के तहत आवेदन करके अपने अपने प्लांट को लगा सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए जरुरी दस्तावेजों के रूप में आधार कार्ड, पैन कार्ड, जमीन के कागजात, रेंट एग्रीमेंट के कागजात (यदि जमीन खुद की नहीं है या लीज अथवा किराए पर ली गयी है), बैंक पासबुक, 6 महीने के बैंक स्टेटमेंट, पुराने उद्योगों के उन्नयन हेतु पुरानी मशीनों के बिल वाउचर, जो मशीन या उद्योग लगाना चाहते हैं, उसके कोटेशन, मोबाइल नंबर आदि की आवश्यकता होगी। यह सबकुछ जुटा लेने के पश्चात आप प्रधानमंत्री फॉर्मलाइजेशन ऑफ माइक्रो फूड प्रोसेसिंग एंटरप्राइजेज (पीएमएफ एमई) योजना के तहत ऑनलाइन आवेदन करने के लिए योजना की आधिकारिक वेबसाइट पर जाएं। वहां पर वेबसाइट के होम पेज पर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के विकल्प पर क्लिक करें। ततपश्चात अगला पेज खुलेगा। यहाँ लॉगिन और साइन अप यानी पंजीकरण का विकल्प दिखेगा। यदि आप पहले से पंजीकृत हैं, तो डायरेक्ट लॉगिन कर सकते हैं। अन्यथा आप साइन अप पर क्लिक करें। उसके बाद अगले पेज पर पंजीकरण फॉर्म खुलेगा। जहाँ पर सबसे पहले आपको लाभार्थी के प्रकार का चयन करना है। फिर वहां पर पूछी गयी सभी आवश्यक जानकारियाँ भरें और फिर सबमिट के बटन पर क्लिक करें। इसके बाद यूजर नेम और पासवर्ड डाले गये ईमेल आईडी पर मेल कर दिया जाएगा। इसके साथ ही आपकी पंजीकरण की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस तरह से पंजीकरण हो जाने के बाद आप योजना में आवेदन करने के लिए सबसे पहले आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन के विकल्प पर क्लिक करें। ततपश्चात अगले पेज पर उपलब्ध लॉगिन सेक्शन पर क्लिक करें। उसके बाद लाभार्थी का प्रकार, यूजर नेम और पासवर्ड डालें। फिर सबमिट के बटन पर क्लिक करें। ऐसा करने के बाद इस पोर्टल का होम पेज

खुल जाएगा। उसके बाद आपको इस पेज पर अपनी भूमिका का चयन करने का एक विकल्प मिलेगा। जहां दिए गए तीन विकल्पों में से किसी का चुनाव करें, फिर डैशबोर्ड के खुलते ही अप्लाई ऑनलाइन पर क्लिक करें। ऐसा करते ही आवेदन पत्र खुल जाएगा, जिसमें अलग-अलग चरणों में इस प्रपत्र को भरना होगा। सभी चरणों में मांगी गई सभी जानकारियों को भर कर अंतिम चरण में सभी आवश्यक दस्तावेजों को अपलोड करें। उसके बाद सबमिट के बटन पर क्लिक करें। इसके बाद आपके आवेदन की प्रक्रिया पूरी हो जाएगी। इस प्रकार से सभी तरह के चरणबद्ध प्रक्रिया के पूरे होने के बाद आपका लोन अमाउंट कुछ महीनों में ही स्वीकृत हो जाएगा, जिसका उपयोग आप अपने लक्षित खाद्य व्यवसाय में कर सकते हैं।

अनुमान से ज्यादा रहेगा प्रत्यक्ष कर संग्रह

एजेंसी, नयी दिल्ली। प्रत्यक्ष कर संग्रह सरकार के संशोधित अनुमान से अधिक रह सकता है, जिससे केंद्र को राजकोषीय घाटे को कम करने में मदद मिलने की उम्मीद है। सरकारी सूत्रों के अनुसार कॉरपोरेट कर प्राप्तियों में इजाफा और लंबित कर मांग की वसूली में सुधार से सरकार को भरोसा है कि चालू वित्त वर्ष में वास्तविक कर संग्रह 16.5 लाख करोड़ रुपए के संशोधित अनुमान से अधिक रहेगा। वित्त वर्ष 2023 के लिए प्रत्यक्ष कर (व्यक्तिगत और कॉरपोरेट कर) प्राप्तियों को पहले के 14.08 लाख करोड़ रुपए के अनुमान से 17 फीसदी बढ़ाकर 16.50 लाख करोड़ रुपए कर दिया गया था। फरवरी तक शुद्ध प्रत्यक्ष संग्रह (रिफंड जारी करने के बाद) 13 लाख करोड़ रुपए रहा, जो चालू वित्त वर्ष के संशोधित कर संग्रह अनुमान का करीब 80 फीसदी था। आंतरिक आकलन के जानकार एक अधिकारी ने कहा कि पहले 10 महीनों में कॉरपोरेट और व्यक्तिगत कर संग्रह में वृद्धि को देखते हुए संशोधित अनुमान से ज्यादा कर प्राप्ति की संभावना है। हालांकि इस बारे में 15 मार्च को अग्रिम कर की चौथी किस्त जमा होने के बाद तस्वीर साफ होगी। उक्त अधिकारी ने कहा, 'बाह्य

चुनौतियों के बावजूद कॉरपोरेट कर संग्रह पिछले साल की समान अवधि से 15 फीसदी ज्यादा रही है। अग्रिम कर की अंतिम किस्त के जमा होने पर कर संग्रह में और इजाफा होगा क्योंकि इस दौरान तमाम कंपनियां अपना पूरा बकाया कर चुकाती हैं।' इसके अलावा बकाया कर मांग की वसूली के लिए किए गए प्रयास से भी राजस्व संग्रह बढ़ाने में मदद मिलेगी। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में 1 अप्रैल 2022 से 10 फरवरी 2023 तक सकल प्रत्यक्ष कर संग्रह 24.09 फीसदी बढ़कर 15.67 लाख करोड़ रुपए रहा। इस दौरान कॉरपोरेट कर प्राप्तियों में 19.33 फीसदी और व्यक्तिगत आयकर संग्रह में 29.63 फीसदी का इजाफा हुआ है। रिफंड जारी करने के बाद कॉरपोरेट कर में शुद्ध वृद्धि 15.84 फीसदी और व्यक्तिगत कर में 21.93 फीसदी का इजाफा हुआ है।

फॉक्सवैगन इंडिया ने अपनी लखनऊ डीलरशिप पर न्यू ब्रांड डिजाइन लैंग्वेज का सफल क्रियान्वयन किया

संवाददाता

लखनऊ। फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया ने लखनऊ की अपनी डीलरशिप में अपनी न्यू ब्रांड डिजाइन लैंग्वेज के सफल कार्यान्वयन की घोषणा की है। 'वाइब्रेंट पावर' की थीम पर विकसित न्यू ब्रांड डिजाइन लैंग्वेज जीवंतता, आकर्षण, आधुनिकता, डिजिटलाइजेशन और ग्राहकों के साथ मानवीय संवाद का प्रतिनिधित्व करती है। न्यू ब्रांड डिजाइन लैंग्वेज के कार्यान्वयन के साथ फॉक्सवैगन लखनऊ में ग्राहकों को ब्राण्ड का सुलभ'' अनुभव प्रदान करना चाहता है। फैजाबाद रोड, लखनऊ में 5 कारों के डिस्प्ले वाले शोरूम के साथ ग्राहक फॉक्सवैगन के सबसे नये पोर्टफोलियो का अनुभव कर सकते हैं, जिसमें भारत की सबसे सुरक्षित एसयूवी डब्ल्यू-द टाइगुन, प्रीमियम मिड-साइज सेडान सेगमेंट में 11 पुरस्कारों कीविजेता- द वर्टस और ब्रांड की ग्लोबल बेस्ट-सेलर- द टिगुआन शामिल हैं। इस घोषणा पर बात करते हुए, फॉक्सवैगन पैसेंजर कार्स इंडिया के ब्रांड डायरेक्टर आशीष गुप्ता ने कहा, फॉक्सवैगन में हम अपने ग्राहकों को सर्वश्रेष्ठ उत्पाद एवं सेवाएं देने का प्रयास करते हैं। न्यू ब्रान्ड डिजाइन लैंग्वेज के सफल कार्यान्वयन के साथ भारत में फॉक्सवैगन के लिये एक नया युग शुरू होता है। लखनऊ की जीवंतता और संस्कृति के अनुसार हम ग्राहक को संपूर्ण अनुभव देना चाहते हैं, जोकि सभी चौनलों पर रोचक और आधुनिक हो। वर्टस, टाइगुन और टिगुआन समेत नये प्रोडक्ट पोर्टफोलियो के साथ हमें पूरा भरोसा है कि हम उत्तर प्रदेश में अपनी मौजूदगी को और मजबूत करेंगे और ग्राहकों के बीच ब्राण्ड के आकर्षण को बढ़ाएंगे।अपने विचार व्यक्त करते हुए, विराज डिस्ट्रिब्युटर्स प्रा. लि. और बीबीडी ग्रुप के चेयरमैन विराज सागर दास ने कहा, हम फॉक्सवैगन इंडिया के साथ जुड़कर बहुत खुश हैं। यह ब्राण्ड ग्राहक को प्राथमिकता देने के फिलॉसफी पर पूरी सहानुभति के साथ फोकस करता है। हमारे डीलरशिप में न्यू ब्रांड डिजाइन के सफल क्रियान्वयन के माध्यम से हमें लखनऊ में आधुनिक, जीवंत, नये और डिजिटलाइज्ड अनुभव की पेशकश करते हुए अपने ग्राहकों का अनुभव और मजबूत बनाने का पूरा यकीन है। न्यू ब्रांड डिजाइन का कार्यान्वयन लखनऊ की 3एस (सेल्फ्स, सर्विस एण्ड स्पेयर्स) फॉक्सवैगन सुविधा में सफलतापूर्वक हुआ है। इस सर्विस फैसिलिटी में 25 बे हैं, जो स्वामित्व के मानसिक शांति वाले अनुभव की पेशकश करती हैं। ग्राहक आवधिक रख रखाव, बॉडी एवं पेंट की जरूरतें, लॉयल्टी प्रोडक्ट्स, एक्सप्रेस सर्विस, फॉक्सवैगन असिस्टेन्ट, सुदूर जगहों के लिये सर्विस कैम्प्स, आदि जैसी सुविधाएं ले सकते हैं। लखनऊ में मौजूदा और संभावित ग्राहक फॉक्सवैगन के उत्पादों और सेवाओं के बारे में ज्यादा जानकारी के लिये फैजाबाद रोड़ पर स्थित डीलरशिप जा सकते हैं या वेबसाइट देख सकते हैं। लखनऊ फैसिलिटीज का पता 403/405, फैजाबाद रोड, गांव-उत्तरधौना, राम स्वरूप कॉलेज के बगल में, नंदगांव के पास, लखनऊ ,फॉक्सवैगन लखनऊ (1एस) विराज कॉर्पोरेट टॉवर्स टीसीजी 1-ए-जी-2 विभूति खण्ड शहीद पथ, फैजाबाद रोड की ओर, गोमती नगर, लखनऊ हैं।

टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन उत्पादन में 50 लाख का आंकड़ा पार किया

एजेंसी, नयी दिल्ली। प्रमुख वाहन निर्माता कंपनी टाटा मोटर्स ने यात्री वाहन उत्पादन के मामले में संयुक्त रूप से 50 लाख के आंकड़े को पार कर लिया है। कंपनी ने 10 लाख यात्री वाहनों का आंकड़ा 2004 में और 20 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2010 में पार किया था। टाटा मोटर्स ने 30 लाख का आंकड़ा 2015 में जबकि 40 लाख वाहन निर्माण का आंकड़ा 2020 में पार किया था। टाटा मोटर्स पैसेंजर व्हीकल्स के प्रबंध निदेशक शैलेश चंद्रा ने एक बयान में कहा, प्रत्येक 10 लाख से अगले आंकड़े तक जाने की यह यात्रा उतार-चढ़ाव से भरी है। कंपनी ने कहा कि उसने कोविड महामारी और पूरी दुनिया के वाहन उद्योग को प्रभावित करने वाले सेमीकंडक्टर की कमी के संकट के बावजूद तीन साल के भीतर 40 लाख कारों से 50 लाख इकाइयों तक पहुंचने का कारनामा कर दिखाया।टाटा मोटर्स 50 लाख यात्री वाहनों का उत्पादन करने की उपलब्धि पर देशभर में अपने ग्राहकों और कर्मियों के साथ जश्न मनाने के लिए अभियान चलाएगी। कंपनी ने कहा कि उसकी सभी विनिर्माण इकाइयों और क्षेत्रीय कार्यालयों पर एक माह तक उत्सव मनाया जाएगा।

रूस की पनडुब्बी ने कैलिबर मिसाइल का किया परीक्षण

एजेंसी, मास्को। रूस की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की ने जापान सागर से एक हजार किलोमीटर की दूरी पर कलिबर क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया। प्रशांत बेड़े ने यह जानकारी दी है। बेड़े के प्रेस कार्यालय ने कहा, प्रशांत बेड़े के पेट्रोपावलोव्स्क-कामचत्स्की डीजल-इलेक्ट्रिक पनडुब्बी के चालक दल ने जापान के सागर में युद्ध अभ्यास योजना के हिस्से के रूप में पानी के नीचे से एक कैलिबर क्रूज मिसाइल का परीक्षण किया गया है। मिसाइल द्वारा एक तटीय लक्ष्य को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा, कलिबर मिसाइल ने खाबरोवस्क क्षेत्र में करीब एक हजार किलोमीटर की दूरी पर स्थित स्थित सुरकुम के सामरिक क्षेत्र पर तटीय लक्ष्य निश्चित समय पर भेदा है। कार्यालय ने बताया कि इस दौरान मिसाइल फायरिंग क्षेत्र में प्रशांत बेड़े के जहाजों के साथ-साथ नौसेना के विमानों की आवाजाही को रोक दिया गया था। अश्लील डांस आयोजित करने के आरोप में चार पर मामला दर्ज पुलिस ने उत्तर प्रदेश के पीलीभीत के फिजा नगरा गांव के ग्राम प्रधान सहित चार लोगों के खिलाफ कथित रूप से एक अश्लील नृत्य कार्यक्रम आयोजित करने के आरोप में मामला दर्ज किया है।

पाकिस्तान और भारत के बीच पर्दे के पीछे से कोई बात नहीं हो रही, पाकिस्तानी विदेश विभाग

एजेंसी, इस्लामाबाद। पाकिस्तान ने कहा कि भारत-पाकिस्तान के बीच पर्दे के पीछे से कोई बातचीत नहीं हो रही है। पाकिस्तान के विदेश विभाग की प्रवक्ता मुमताज जाहरा बलूच ने साप्ताहिक संवाददाता सम्मेलन में एक सवाल के जवाब में कहा, ''इस स्तर पर पाकिस्तान और भारत के बीच, पर्दे के पीछे से कोई बातचीत नहीं हो रही है।'' भारत लगातार कहता रहा है कि वह पाकिस्तान के साथ सामान्य पड़ोसियों वाला संबंध चाहता है, लेकिन ऐसे संबंधों के लिए इस्लामाबाद पहले आतंकवाद और अशांति मुक्त वातावरण तैयार करे। पुलवामा आतंकवादी हमले के बाद फरवरी 2019 में भारतीय वायुसेना के विमानों ने बालाकोट में जैश-ए-मोहम्मद के प्रशिक्षण शिविर पर बम गिराए थे, जिसके बाद दोनों देशों के संबंध ज्यादा तनावपूर्ण हो गए। बलूच ने यह भी आरोप लगाया कि भारत की किशनगंगा और रतले पनबिजली परियोजनाएं दोनों देशों के बीच हुई सिंधु जल संधि का उल्लंघन हैं।

भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां फरवरी में 12 साल के उच्च स्तर पर

एजेंसी, नयी दिल्ली। भारत में सेवा क्षेत्र की गतिविधियां फरवरी में 12 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गईं। एक सर्वेक्षण में बताया गया कि मांग की अनुकूल स्थिति और नये व्यावसायिक सौदों से क्षेत्र को बढ़त मिली। मौसमी रूप से समायोजित एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई कारोबारी गतिविधि सूचकांक जनवरी में 57.2 से बढ़कर फरवरी में 59.4 हो गया। यह इसका 12 सालों का उच्चतम स्तर है। सेवा पीएमआई का सूचकांक लगातार 19वें महीने 50 से ऊपर बना हुआ है। खरीद प्रबंधक सूचकांक (पीएमआई) की भाषा में 50 से ऊपर अंक का मतलब है कि गतिविधियो में विस्तार हो रहा है, जबकि 50 से कम अंक संकुचन को दर्शाता है। एसएंडपी ग्लोबल मार्केट इंटेलिजेंस में अर्थशास्त्र की संयुक्त निदेशक पॉलियाना डी लीमा ने कहा, सेवा क्षेत्र ने जनवरी में खोई हुई वृद्धि गति को फिर से हासिल किया और 12 वर्षों में उत्पादन में सबसे तेज वृद्धि दर्ज की। मांग में लचीलापन और प्रतिस्पर्धी मूल्य निर्धारण ने इसमें योगदान दिया। एसएंडपी ग्लोबल भारत सेवा पीएमआई को सेवा क्षेत्र की लगभग 400 कंपनियों के बीच किए गए सर्वेक्षण के आधार पर तैयार किया जाता है।

कैपिटल हिल दंगों में जेल में बंद कैदियों के साथ ट्रंप ने रिलीज किया सॉन्ग

एजेंसी, डोनाल्ड ट्रंप और 6 जनवरी के दंगों में उनकी कथित संलिप्तता के लिए जेल में बंद किए गए व्यक्तियों के एक समूह ने जस्टिस फॉर ऑल नामक एक गाना रिलीज किया है। यह गाना स्ट्रीमिंग सेवाओं पर उपलब्ध हो गया हैं। यह कदम अमेरिकी राजनीति के धुर दक्षिणपंथी ट्रंप और अन्य लोगों द्वारा कैपिटल पर 6 जनवरी के हमले को एक राजनीतिक कारण के रूप में स्वीकार करने और इसे अंजाम देने वालों में से कई को राज्य द्वारा सताए जा रहे प्रदर्शनकारियों के रूप में चित्रित करने की बढ़ती प्रवृत्ति में नवीनतम है। फोर्ब्स, जिसने सबसे पहले गाने के बारे में सूचना दी। मोटे तौर पर ढाई मिनट के एक ट्रैक में पूर्व राष्ट्रपति को कैदियों के साथ प्रतिज्ञा का पाठ करते हुए दिखाया गया है, जिसे राष्ट्रगान गाते हुए कहा जाता है। ट्रंप अमेरिका के प्रति निष्ठा की शपथ लेते सुनाई दे रहे हैं। गाने का यह हिस्सा ट्रंप के मारलागो स्थित घर पर रिकॉर्ड हुआ है। गाने के बाकी हिस्से में 20 कैदियों की आवाज सुनी जा सकती है, जिसे जेल में लगे फोन पर रिकॉर्ड किया गया है। गौरतलब है कि 6 जनवरी, 2021 को कैपिटल हिल पर डोनाल्ड ट्रंप के समर्थकों ने हमला कर दिया था। ये हमला ट्रंप ने अपने समर्थकों से 2020 में हुए चुनावी नतीजों को पलट देने का आह्वान किया था। इस घटना के बाद एक हजार से ज्यादा लोगों पर चालान किया गया है। सैकड़ों को दोषी ठहराया गया है, कुछ को देशद्रोही साजिश के तहत, और सैकड़ों की एफबीआई द्वारा तलाश की जा रही है। फोर्ब्स ने कहा कि ट्रम्प के 6 जनवरी-थीम वाले गीत का उद्देश्य कैद किए गए लोगों के परिवारों के लिए धन जुटाना था।

कंगाली में पाकिस्तान का आटा गीला, आर्थिक संकट झेल रहे देश पर अब ईरान लगाएगा 18 अरब डॉलर का जुर्माना

एजेंसी, वो कहावत तो आपने खूब सुनी होगी कंगाली में आटा गीला होना। पाकिस्तान के साथ इन दिनों ऐसा ही कुछ हो रहा है। पड़ोसी देश पाकिस्तान आर्थिक बदहाली के बुरे दौर से गुजर रहा है। आर्थिक तंगी के बीच पाकिस्तान को एक और झटका लग सकता है। दरअसल, पाकिस्तान में ईरान का एक प्रोजेक्ट चल रहा था। एग्रीमेंट के मुताबिक इसे तय वक्त में पूरा किया जाना था। लेकिन पाकिस्तान प्रोजेक्ट को पूरा नहीं कर पा रहा है। इसके लिए ईरान उसके उपर 18 अरब डॉलर का जुर्माना लगा सकता है। पड़ोसी मुल्क ईरान की ओर से जिस प्रोजेक्ट पर जुर्माने की बात की जा रही है, वो दरअसल, एक गैस पाइपलाइन का प्रोजेक्ट है। एग्रीमेंट के अनुसार इसे तय वक्त में पूरा करना था। लेकिन ये प्रोजेक्ट अब तक पूरा नहीं हो सका है। इसके

लिए ईरान उस पर 18 अरब डॉलर का जुर्माना लगा सकता है। पाकिस्तान इन दिनों गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा है, शहबाज शरीफ सरकार जल्द ही अंतर्राष्ट्रीय मुद्रा कोष के साथ एक समझौते पर पहुंचने के लिए सभी प्रयास कर रही है, जिससे नकदी की कमी वाले देश को डिफॉल्ट होने से बचाया जा सके। हालांकि, इस्लामाबाद को आने वाले समय में 18 अरब डॉलर का भारी नुकसान उठाना पड़ सकता है क्योंकि अभी तक एक और महत्वपूर्ण परियोजना कर्ज में डूबे देश को परेशान करने वाली है।

नैनो - डीएपी को फर्टिलाइजर कंट्रोल ऑर्डर में किया गया शामिल, केंद्रीय मंत्री मंडाविया ने किया एलान

एजेंसी, नैनो तरल यूरिया पेश करने वाली सहकारी संस्था इफको ने कहा कि सरकार ने उसके नैनो डीएपी उर्वरक को बाजार में उतारने की मंजूरी दे दी है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने भारत सरकार ने अब नैनो डीएपी को मंजूरी दे दी है। पीएम मोदी के आत्मनिर्भर भारत के विजन के तहत, इस उपलब्धि से किसानों को लाभ होगा।

स्वास्थ्य मंत्री ने ट्विट करते हुए कहा कि उर्वरक में आत्मनिर्भरता की तरफ एक ओर बड़ी उपलब्धि! भारत सरकार ने नैनो यूरिया के बाद अब नैनो डीएपी को भी मंजूरी दे दी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के विजन आत्मनिर्भर भारत के तहत, यह सफलता किसानों को अत्यधिक लाभ देने वाली है। अब एक बैग डीएपी भी, एक बोतल डीएपी के रूप में

मिलेगा। इफको के प्रबंध निदेशक यूएस अवस्थी ने ट्वीट किया कि इफको के नैनो डीएपी को कृषि मंत्रालय द्वारा अनुमोदित किया गया है और इसके उत्साहजनक परिणामों के आधार पर उर्वरक नियंत्रण आदेश में अधिसूचित किया गया है। दिसंबर में अवस्थी ने कहा था कि इफको जल्द ही 600 रुपये प्रति 500 मिलीलीटर की बोतल पर नैनो डीएपी लॉन्च करेगी, एक ऐसा कदम जो भारत को विदेशी मुद्रा बचाने और सरकारी सब्सिडी को काफी कम करने में मदद करेगा।

उन्होंने घोषणा की कि नैनो डीएपी को 500 की बोतल पर 600 रुपये में बेचा जाएगा। एमएल। एक बोतल डीएपी के एक बैग के बराबर होगी, जिसकी कीमत फिलहाल 1,350 रुपये है। उन्होंने कहा था कि इफको नैनो पोटाश, नैनो जिंक और नैनो कॉपर उर्वरक भी पेश करने की योजना बना रही है। जून 2021 में, इफको ने पारंपरिक यूरिया के विकल्प के रूप में नैनो यूरिया को तरल रूप में लॉन्च किया। इसने नैनो यूरिया का उत्पादन करने के लिए विनिर्माण संयंत्र भी स्थापित किए हैं। नैनो यूरिया पर कोई सरकारी सब्सिडी नहीं है और इसे 240 रुपये प्रति बोतल बेचा जा रहा है। पारंपरिक यूरिया के लिए, सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए एक बड़ी सब्सिडी प्रदान करती है कि किसानों को उचित मूल्य पर मिट्टी के पोषक तत्व मिलें। देश का घरेलू यूरिया उत्पादन करीब 2.6 करोड़ टन है, जबकि मांग करीब 3.5 करोड़ टन है। अंतर को आयात के माध्यम से पूरा किया जाता है।

अडानी समूह में 1.87 अरब डॉलर निवेश का शेयर बाजार ने किया झूमकर स्वागत

एजेंसी, मुंबई । अडानी समूह में जीक्यूजी पार्टनर्स के 1.87 अरब डॉलर के निवेश का शेयर बाजार ने आज झूमकर स्वागत किया, जिससे दोनों मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी डेढ़ फीसदी से अधिक की तेजी पर रहे। निवेश के बाद अडानी समूह की अलग-अलग सूचीबद्ध कंपनियों के शेयरों में जबरदस्त उछाल आया, जिससे उत्साहित निवेशकों की चौतरफा लिवाली की बदौलत बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 899.62 अंक अर्थात 1.53 प्रतिशत की छलांग लगाकर 59808.97 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 272.45 अंक यानी 1.57 प्रतिशत की तेजी लेकर 17594.35 अंक पर पहुंच गया। इसके साथ ही अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दर में बढ़ोतरी को धीमा करने की उम्मीद में वैश्विक बाजार में भी तेजी रही, जिसका असर घरेलू शेयर बाजार पर देखा गया। बीएसई की दिग्गज कंपनियों की तरह मझौली और छोटी कंपनियों में भी लिवाली हुई। इससे मिडकैप 0.58 प्रतिशत चढ़कर 24,595.89 अंक और स्मॉलकैप 0.68 प्रतिशत मजबूत होकर 27,846.40 अंक पर रहा। इस दौरान बीएसई में कुल 3639 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2182 लिवाली जबकि 1333 में बिकवाली हुई वहीं 124 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह एनएसई में 42 कंपनियां तेजी जबकि सात गिरावट पर रहीं वहीं एक के भाव स्थिर रहे। इस दौरान बीएसई के सभी 19 समूहों में तेजी का रुख रहा। बैंकिंग 2.13, कमोडिटीज 1.69, सीडी 0.48, ऊर्जा 1.26, एफएमसीजी 1.26, वित्तीय सेवाएं 1.76, हेल्थकेयर 0.11, इंडस्ट्रियल्स 0.76, आईटी 0.36, दूरसंचार 1.25, यूटिलिटीज 1.84, ऑटो 0.37, कैपिटल गुड्स 0.62, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.94, धातु 1.54, तेल एवं गैस 1.09, पावर 1.60, रियल्टी 1.39 और टेक समूह के शेयरों ने 0.81 प्रतिशत की उड़ान भरी। अंतरराष्ट्रीय बाजारों का रुझान सकारात्मक रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.18, जर्मनी का डैक्स 0.89, जापान का निक्केई 1.56, हांगकांग का हैंगसेंग 0.68 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.54 प्रतिशत चढ़ गया।

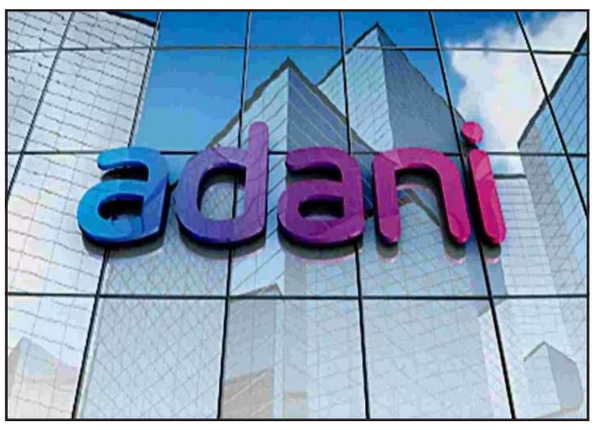

प्रेजेंटर के तौर पर नजर आएंगी दीपिका पादुकोण, 95वें ऑस्कर में अपने कंधो पर ली ये बड़ी जिम्मेदारी

12 मार्च 2023 को 95वें ऑस्कर पुरस्कार का आगाज होने जा रहा है। जिसके लिए अमेरिका में जोरों-शोरो से तैयारियां चल रही हैं। एक तरफ जहां इडियन फिल्म के गाने नाटू-नाटू को नॉमिनेट किया गया है। वही दूसरी तरफ अब इस ऑस्कर सेरेमनी से जुडी कई और भी बड़ी खबरे सामने आ रही हैं। जी हाँ... ! बॉलीवुड एक्ट्रेस दीपिका पादुकोण ने अपने ऑफिसियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर एक पोस्ट को शेयर किया है, जिसमें उन्होंने बताया है कि वह 95वें ऑस्कर में एज प्रजेंटर की भूमिका अदा करेंगी जिसके लिए अब उनके फैंस और भी एक्साइटेड हो गए हैं। इस सेरेमनी में वह अमेरिकी एक्ट्रेस एरियाना डेबोस के साथ होस्ट करेंगी। इस पोस्ट में दीपिका के अलावा प्रजेंटर के तौर पर हॉलीवुड की अन्य हस्तियां भी नजर आएंगी। ऑस्कर प्रस्तुत करने वालों की लिस्ट में शामिल होने वाले नाम रिज अहमद, एमिली ब्लंट, ग्लेन क्लोज, जेनिफर कॉनेली, एरियाना डीबोस, सैमुअल एल जैक्सन, ड्वेन जॉनसन, माइकल बी जॉर्डन, ट्रॉय कोत्सुर, जोनाथन मेजर्स, मेलिसा मैक्कार्थी, जेनेल मोनाए, क्वेस्टलव, जो सलदाना और डोनी येन जैसे बड़ी हस्तियों के नाम शामिल है। फिल्मों बात करे तो सभी की, साल के सबसे बड़े अवॉर्ड ऑस्कर पर दुनिया की नजरें टिकी हुई हैं। ऐसे में भारत में भी इसकी धूम जोरो-शोरो से देखने को मिल रही है। वैसे बता दें, इस साल भारत से ऑस्कर की रेस में करीब 11 फिल्में शामिल हुई थीं। 12 मार्च को होने वाले इस 95ऑस्कर का लाइव टेलीकास्ट भी किया जाएगा। ओवेशन हॉलीवुड में डॉल्बी थिएटर में इसका आयोजन होगा जोकि काफी शानदार होने वाला हैं। भारत के लिए इससे ज्यादा गौरव की बात क्या ही होगी कि फिल्म आरआरआर का सांग नाटू-नाटू भारत की तरफ से पहली बार ऑस्कर की नॉमिनेशन लिस्ट में शामिल हुआ हैं। फिल्म आरआरआर के इस गाने नाटू-नाटू को बेस्ट ओरिजनल सॉन्ग के लिए ऑस्कर नॉमिनेशन मिला है। इस गाने ने लेडी गागा और री-री के गानों को पछाड़कर ऑस्कर नॉमिनेशन में अपनी जगह बनाई है। इस गाने का क्रिएशन एम एम कीरावनी द्वारा किया गया था। साथ ही काल भैरव और राहुल सिप्लिगुंज ने इसे गाया और जल्द ही ऑस्कर में इसपर अपनी एक लाइव परफॉरमेंस भी देते नजर आएंगे।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

बिग बॉस के किस कंटेस्टेंट का दम निकालती नजर आएँगी कंगना रनोट

बिग बॉस 16 को मात देने का बन रहा हैं मास्टर प्लान

एकता कपूर द्वारा निर्देशित रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 काफी समय से चर्चाओं में बना हुआ हैं। शो से जुडी कई खबरे लगातर सुनने को मिलती रहती हैं सीजन 1 की होस्ट रह चुकी बॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौट को भी शो में एज आ होस्ट काफी पसंद किया जाता था और फिर एक बार सीजन 2 में भी कंगना के ही शो को होस्ट करने की खबरे सामने आ रही हैं। बताया जा रहा हैं की इस सीजन में भी कंगना ही फिर एक बार शो में कंटेस्टेंट्स की वाट लगाती नजर आएँगी। यहां तक कि खबर तो ये भी है कि लॉक अप इस बार हर मामले में कलर्स के मोस्ट कंट्रोवर्सिअल शो बिग बॉस 16 को जमकर पटखनी देने वाला है। मेकर्स और शो की होस्ट कंगना रनोट भी अपनी जी तोड़ मेहनत कर रही हैं बिग बॉस के होस्ट सलमान खान को होस्टिंग के मामले में पीछे छोड़ने के लिए। इतना ही नहीं बल्कि इसके लिए टीवी के बड़े-बड़े सितारों और कॉन्ट्रोवर्सी करने वालों से भी संपर्क किया जा रहा है ताकि इस सीजन में दर्शको के एंटरटेनमेंट भी मसाले की कोई कमी न रह पाए। जैसा की हम सभी इस बात से पूरी तरह वाकिफ हैं कि बिग बॉस 16 की पॉपुलैरिटी का कोई तोड़ नहीं हैं। लेकिन इस बार इस शो को पीछे छोड़ने के लिए कंगना और एकता ने भी अपनी कमर कस ली है। इस बार कंगना के इस अत्याचारी खेल में ऐसे-ऐसे कैदी देखने को मिलने वाले हैं कि आप भी उन्हें देख शॉक्ड रह जाएंगे। हालांकि, काफी सेलेब्स ने इस रियलिटी शो को करने से साफ इनकार भी कर दिया है। लेकिन ऑल्ट बालाजी ने भी इस बार कसम खा ली हैं कि अपने जेल को एंटरटेनमेंट के कंटेस्टेंट से भरकर ही रहेंगे। जहां कुछ सेलेब्स ने लॉक अप 2 के लिए हामी भी भर दी है, जिसके पीछे का कारण इस शो में विनर बनना सिर्फ दर्शकों की वोटिंग पर ही निर्भर नहीं करता हैं बल्कि मेकर्स के भी हाथ में उनका विनर बन पाना संभव होता है। बता दें कि इस बार ये शो पूरे 100 दिनों तक चलेगा और इसमें आने वाले कंटेस्टेंट्स को पहले सीजन की तरह कैदियों जैसे ही माहौल में रखा जाएगा। इन्हें न तो कोई सुविधाएं मिलेंगी और ना ही उन्हें बिग बॉस की तरह अपने स्टाइलिश कपड़ों को फ्लॉन्ट करने का मौका मिल पायेगा ऐसे में शो को देखना और भी रोमांचक होगा। बात करे इस सीजन ले कंटेस्टेंट्स की तो फिलहाल शो में पार्ट लेने के लिए जिन कंटेस्टेंट का नाम सामने आया है वो हैं, फैशन इन्फ्लूंसर उर्फी जावेद, करण पटेल, उमर रियाज, दिव्या अग्रवाल और बिग बॉस 16 की कंटेस्टेंट रह चुकी सौंदर्या शर्मा। अभी तक भी लॉक अप 2 को लेकर कोई ऑफिशियल जानकारी सामने नहीं आ पाई है। लेकिन उम्मीद की जा रही है कि इसे इसी महीने के मिड हरी झण्डी के साथ शुरू किया जाएगा। दावा किया जा रहा है कि इस बार लॉक अप पॉपुलैरिटी के मामले में बिग बॉस जैसे पॉपुलर शो को भी पीछे छोड़ता दिखाई देगा।

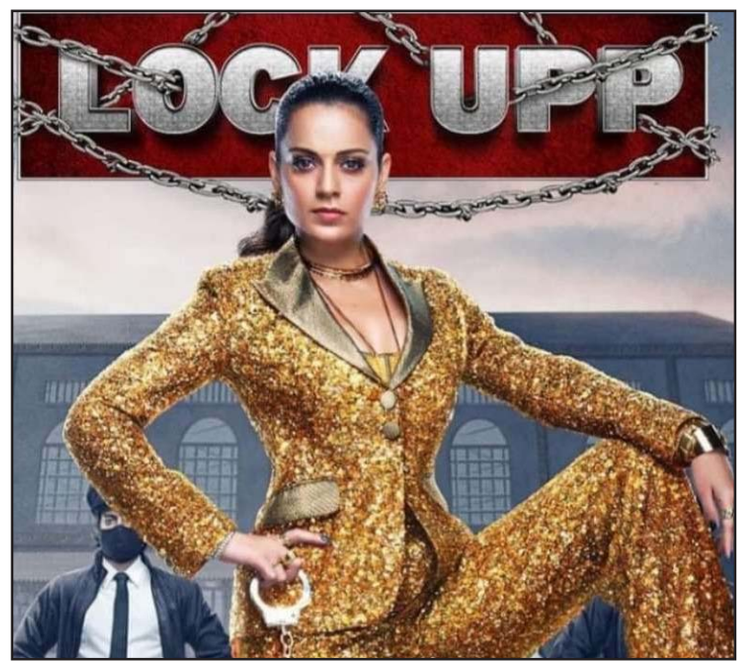

'भूल भुलैया 3 का हुआ ऐलान तो इंटरनेट पर आई मीम्स की बाढ़, आखिर क्यों उड़ा कार्तिक आर्यन का मजाक

कार्तिक आर्यन ने पिछले साल बॉक्स ऑफिस पर अपनी फिल्म 'भूल भुलैया 2' से धमाका कर दिया था। जहां बॉलीवुड सुपरस्टार्स की फिल्में एक के बाद एक बॉक्स ऑफिस पर पिट रही थी। वहीं, कार्तिक आर्यन स्टारर 'भूल भुलैया 2' ने दर्शकों को दिल जीत लिया था। रूह बाबा बनकर कार्तिक आर्यन ने बॉक्स कलेक्शन पर तहलका मचा दिया था। भूल भुलैया 2' की सक्सेस ने कार्तिक आर्यन को दर्शकों ने बॉलीवुड की हिट की गारंटी तक बता दिया था। सोशल मीडिया पर अब कार्तिक की तगड़ी फैन फॉलोइंग है और फैंस उनकी एक झलक पाने के लिए बेताब रहते हैं। कार्तिक की फिल्म 'भूल भुलैया 2' का खुमार अभी लोगों के दिमाग से उतरा भी नहीं था कि फिल्म के तीसरे पार्ट को लेकर बड़ा अपडेट सामने आ गया है। कार्तिक आर्यन की भूल भुलैया 2 ने बॉक्स ऑफिस पर जबरदस्त कमाई की थी और फिल्म में कार्तिक की एक्टिंग को लोगों ने काफी सराहा था और यही वजह है कि अब जल्द ही फिल्म का सीक्वल भी आने वाला है। कार्तिक की बढ़ती फैन फॉलोइंग को देखते हुए मेकर्स भूल भुलैया 3 में भी कार्तिक को ही कास्ट किया है।भूल भुलैया के फैंस के लिए एक गुड न्यूज आई है। 'भूल भुलैया 3' का टीजर इंटरनेट पर आउट हो गया है। भूल भुलैया 3 के टीजर को फिल्म के लीड एक्टर कार्तिक आर्यन ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से शेयर किया है, जिसमें भवानीगढ़ की हवेली की झलक देखने को मिलती है। बैकग्राउंड में कार्तिक आर्यन की आवाज सुनाई देती है जिसमें वह कहते हैं, क्या लगा कहानी खत्म हो गई है? दरवाजे तो बंद होते ही हैं ताकि एक दिन फिर से खुल सके। वहीं, चेयर पर कार्तिक आर्यन रूह बाबा वाले कैरेक्टर में अमी जे तोमार गाने को गुनगुनाते हुए दिख रहे हैं। इसका मतलब साफ है कि 'भूल भुलैया 3' में कार्तिक एक बार फिर अपने रूह बाबा वाले अवतार में दर्शकों को डराने और हंसाने आएंगे। 'भूल भुलैया 3' अगले साल 2024 में दीवाली के मौके पर रिलीज होगी। जहां भूल भुलैया 3 के ऐलान के बाद से कार्तिक आर्यन के फैंस की खुशी का ठिकाना नहीं रहा है। वहीं, दूसरी तरफ इतनी जल्दी फिल्म तीसरे पार्ट के घोषणा ने नेटिजन्स का दिमाग घुमा दिया है। टीजर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर यूजर्स कार्तिक की तुलना अक्षय कुमार से कर रहे हैं। अक्षय कुमार का नाम लेकर लोग जमकर कार्तिक के मजे भी ले रहे हैं।

››› बॉलीवुड ‹‹‹

नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने बीवी बच्चों को आधी रात बंगले से निकाल फेका बाहर सड़क पर रोती दिखी बेटी

बॉलीवुड एक्टर नवाजुद्दीन सिद्दीकी की लाइफकाफी कंट्रोवर्सिअल है। आए दिन उनकी फैमिली से जुड़ा कोई न कोई विवाद सामने आता ही रहता है। इन दिनों नवाजुद्दीन सिद्दीकी अपने बीवी के द्वारा खुद पर लगाए गए आरोपों के चलते सुर्खियों में बने हुए हैं। उनके और आलिया के बीच का विवाद थमने का नाम नहीं ले रहा। अब आलिया सिद्दीकी ने एक वीडियो शेयर कर एक बार फिर नवाज पर गंभीर आरोप लगाया है। इस वायरल वीडियो में एक्टर की वाइफने बताया कि कैसे नवाज ने उन्हें और दोनों बच्चों को आधी रात घर से बाहर निकाल दिया। अब आलिया ने इंस्टाग्राम पर इस दौरान का वीडियो शेयर कर लंबा चौड़ा पोस्ट लिखा है। वीडियो में देखा जा सकता है कि आलिया अपने दोनों बच्चों के साथ एक्टर के बंगले के बाहर नजर आ रही हैं। इस वीडियो में वो कहती हैं, मैं अभी नवाज के बंगले से आई हूं, मेरे बच्चे हैं, मेरी बच्ची वहां बैठकर रो रही है, बहुत परेशान हो रही है। और हमें बंगले से निकाल दिया है और बोला है कि आप बंगले में नहीं आ सकते हैं। मेरे पास न तो पैसे है न ही होटल है न घर है। अब मुझे समझ नहीं आ रहा मैं बच्चे लेकर कहा जाऊ, किसे कॉल करू मेरी बच्ची परेशान हो रही है इस वक्त। और मुझे नहीं पता नवाज को इस तरह ही हरकत शोभा देती है। इतना गिर चूका है नवाज, मैं तुझे कभी माफनहीं कर सकती, जो तूने मेरे बच्चों के साथ किया है। और जो मेरी बच्ची की हालत हो रही है, मैं सभी को दिखाना चाहती हूं। नवाज ने मुझे इस वक्त रात 11.30 -12 बज रहे है और हमें इस तरह रोड पर खड़ा करके रखा है। आपको बता दें, इस वीडियो को शेयर करते हुए आलिया ने लंबा चौड़ा पोस्ट भी लिखा। उन्होंने लिखा, ये है नवाजुद्दीन सिद्दीकी का सच, जिन्होंने अपने मासूम बच्चों तक को नहीं बख्शा.. 40 दिन घर में रहने के बाद जब वर्सोवा पुलिस स्टेशन के पदाधिकारियों ने मुझे फौरन बुलाया तो मैं निकली.. लेकिन जब मैं घर वापस गई मेरे बच्चों के साथ नवाजुद्दीन सिद्दीकी ने हमें अंदर नहीं जाने देने के लिए कई गार्डों को तैनात किया हुआ था.. मुझे और मेरे बच्चों को इस आदमी ने सड़क पर रहने के लिए बेरहमी से छोड़ दिया.. मेरी बेटी को विश्वास नहीं हो रहा कि उसका अपना पिता उसके साथ ऐसा कर सकता है। वो सड़क पर रो रही थी.. शुक्र है कि मेरे एक रिश्तेदार ने हमें अपने एक कमरे के घर में ले लिया.. ये छोटी-सी मानसिकता और मुझे और मेरे बच्चों को घर से निकालकर सड़कों पर लाने की क्रूर योजना से पता चलता है कि कितना छोटा है ये शख्स नवाजुद्दीन सिद्दीकी। 3 वीडियो शेयर कर रही हूं, जिसमें आप इस शख्स की असलियत देख सकते हैं। अब आपसे उम्मीद के मुताबिक.. आपकी पीआर एजेंसी मीडिया में चारों ओर झूठी जानकारी फैला रही है.. ये एक ऐसा मजाक है कि आपके द्वारा अपॉइंट किए हुए और आपसे सैलरी लेने वाले लोग आपको अपने घर के अंदर नहीं जाने दे रहे.. मैं सच में सुझाव देती हूं कि आपको एक बेहतर पीआर एजेंसी की जरूरत हैं।

राजीव सेन के चारु आसोपा को किस करने पर क्यों भड़के फैंस

बॉलीवुड की एवरग्रीन एक्ट्रेस सुष्मिता सेन के भाई राजीव सेन इन दिनों बीवी चारु आसोपा संग डाइवोर्स की खबरों को लेकर खूब सुर्खियों में छाये हुए थे लेकिन हाल ही में चारु के बर्थडे पर दोनों को साथ में देख कर इनके फैंस तो मनो शॉक्ड ही रह गए। दरहसल हाल ही में राजीव सेन द्वारा एक पोस्ट को सोशल मीडिया पर शेयर किया गया जिसमे वह बीवी चारु और बेटी जियाना संग नजर आये और सिर्फ इतना ही नहीं बल्कि राजीव इन तस्वीरो में चारु के साथ कई लविंग पोज भी देते दिखाई दे रहे थे जिसके देख फैंस के तो पेरो तले जमीन ही खिसक गयी। दोनों के रिश्ते इस कदर उलझते हुए दिखाई देते हैं की इनके फैंस भी कन्फ्यूज्ड हो जाते हैं कि आखिर ये कपल साथ हैं या फिर एक दूसरे से अलग अब फिर एक बार दोनों का एक वीडियो सामने आया है जिसमें राजीव को अपनी पत्नी चारू को किस करते हुए और गले लगाते हुए देखा जा सकता है। इसे देख एक तरफ फैंस काफी खुश हैं तो कई यूजर्स ने उन्हें जमकर ट्रोल भी कर दिया है। हाल ही में चारू असोपा ने अपना बर्थडे सेलिब्रेट किया जिसकी कुछ फोटो और वीडियो काफी वायरल हो रही हैं. फोटोज में जहां एक ओर कपल अपनी बेटी जियाना के साथ पोज देते नजर आए।

वहीं राजीव ने अपने यूट्यूब चौनल पर एक व्लॉग भी शेयर किया। जिसमें वो अपनी पत्नी के साथ बर्थडे सेलिब्रेट करते दिखे और उन्होंने अपने पूरे दिन को भी इस व्लॉग में दिखाया।

स्टार एक्सप्रेस
स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक नरेन्द्र कुमार द्वारा सांई ऑफसेट प्रिन्टर्स, 40 वासुदेव भवन, कैसरबाग, लखनऊ से मुद्रित एवं एमजी-18, सेक्टर-सी, अलीगंज, लखनऊ (उ.प्र.) से प्रकाशित।
सम्पादकः नरेन्द्र कुमार । (पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा) R.N.I. No.- UPHIN/2008/24076 Email Id : starexpressnews@gmail.com